14 जुलाई, 2025
श्रावण, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 264

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

Euro Kids
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | Euro Junior (LKG) | Euro Senior (UKG)
AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3 | Class 4 | Class 5
आपके बच्चों को दे सही शुरूआत
ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery | KG - I
Nursery | KG - II
ADMISSION OPEN
Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

चुनाव आयोग की तरफ से किया गया दावा

बिहार के वोटर लिस्ट में विदेशी भी

■ गहन पुनरीक्षण अभियान में बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल के नागरिक मिले

■ सभी के पास वोटर आइडी आधार और राशन कार्ड मौजूद होने का भी दावा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले जारी मतदाता सत्यापन अभियान (एसआइआर) में बड़ा खुलासा हुआ है। चुनाव आयोग की ओर से कहा गया है कि बिहार के वोटर लिस्ट में बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों के नाम हैं, जिनमें नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश के नागरिक शामिल हैं। घर-घर जाकर सत्यापन में यह भी पता चला है कि इन विदेशियों के पास वोटर कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड भी मौजूद है। आयोग की ओर से कहा गया है कि अंतिम वोटर लिस्ट में इनका नाम नहीं होगा। एसआइआर का मकसद ही अवैध मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करना है। मतदाता सत्यापन के नाम पर जारी राजनीति के बीच यह तथ्य उजागर होने से सियासी हलके में खलबली मच गयी है, क्योंकि कांग्रेस समेत महागठबंधन के सभी दल इस अभियान का विरोध कर रहे हैं।

आयोग के अफसरों ने बताया कि उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए घर-घर जाकर दौरे किये। इस दौरान उन्हें नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आये लोग बड़ी संख्या में मिले हैं। अफसरों के मुताबिक एक अगस्त के बाद ऐसे लोगों की जांच होगी। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण का काम 24 जून को शुरू हुआ था और 25 जुलाई, 2025 तक गणना फॉर्म जमा कराया जा सकता है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची से इन सबका नाम हटा दिया जायेगा।

आयोग ने दावा किया है कि शनिवार तक बिहार में जारी एसआइआर के तहत 80.11 प्रतिशत मतदाताओं ने अपना फॉर्म जमा करा दिया है। निर्धारित समय सीमा (25 जुलाई) तक फॉर्म जमा लेने का काम पूरा कर लिया जायेगा। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इसके मद्देनजर देश के राजनीतिक गलियारे में मतदाता पुनरीक्षण का मामला चर्चित बन गया है। विपक्षी दल इसे रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक गये। कोर्ट ने चुनाव आयोग को कुछ निर्देश देते हुए रोक लगाने से इनकार कर दिया।

अगले माह से देश भर में एसआइआर की तैयारी

चुनाव आयोग ने अगले महीने से पूरे भारत में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआइआर) की तैयारी शुरू कर दी है। यह पुनरीक्षण बिहार में चल रहे विशेष पुनरीक्षण जैसा होगा। चुनाव आयोग की तरफ से यह कदम उस समय उठाया गया है, जब पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधानिक दायित्व करार दिया और चुनाव आयोग को बिहार में इस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी। अब कुछ राज्य चुनाव अधिकारियों ने उन राज्यों में आखिरी बार किये गये विशेष पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित मतदाता सूची को सार्वजनिक कर दिया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 28 जुलाई को बिहार मामले की सुनवाई के बाद वह देशव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम निर्णय लेगा। इस प्रक्रिया के तहत विदेशी अवैध प्रवासियों को उनके जन्मस्थान की जांच करके हटाया जायेगा।

कपिल सिब्बल और मनोज झा ने उठाया सवाल

इधर चुनाव आयोग के खुलासे पर पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल और राजद सांसद मनोज झा ने सवाल उठाये हैं। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग हमेशा से मोदी सरकार की कठपुतली रहा है। बिहार में वोटर लिस्ट में किया जा रहा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआइआर) असंवैधानिक है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि बहुसंख्यक सरकारें सत्ता में बनी रहें। सिब्बल ने यह भी कहा कि हर चुनाव आयुक्त सरकार से तालमेल बैठाने में अपने पूर्ववर्ती से आगे निकल गया। नागरिकता का फैसला लेना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। चुनाव आयोग के दावे पर राजद सांसद मनोज झा ने कहा, यह सूत्र कौन है, यह मुझे समझ नहीं आता। अगर बिहार में एक भी विदेशी है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। यह सवाल देश के गृह मंत्री से होना चाहिए। मनोज झा ने इसे 'प्लांटेड स्टोरी' बताते हुए कहा कि इसके जरिये नफरत के बीज बोये जा रहे हैं।

पहली सोमवारी आज, उमड़ेंगे शिवभक्त

पवित्र सावन माह की पहली सोमवारी 14 जुलाई को है। झारखंड समेत पूरे देश के शिवालयों में इस मौके पर शिवभक्तों की भीड़ उमड़ेगी। इसके मद्देनजर तैयारियां पूरी कर ली गयी है। शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और श्रद्धालुओं की सुविधा के सभी उपाय किये गये हैं। झारखंड के प्रसिद्ध बाबा वैद्यनाथ धाम में कांवरियों का रेला देर शाम से ही उमड़ने लगा है। पूरी बाबा नगरी 'बोल बम' के जयकारों से गूंज उठी है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं।

उज्जैन की तर्ज पर पहाड़ी बाबा का भव्य श्रृंगार

रांची (आजाद सिपाही)। श्रावण मास के तीसरे दिन रविवार को पहाड़ी बाबा मंदिर रांची नीचे महाकाल मंदिर में उज्जैन की तर्ज पर पहाड़ी बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया। उज्जैन की तर्ज पर भव्य आरती का आयोजन किया गया। आरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। बता दें कि समिति ने तय किया है कि प्रत्येक रविवार को बाबा उज्जैन स्वरूप में भव्य दर्शन देंगे। 14 को पहली सोमवारी के मौके पर जलाभिषेक के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ेगा।

राज्यसभा के लिए चार हस्तियों का मनोनयन

राष्ट्रपति ने चर्चित वकील उज्जवल निकम, इतिहासकार मीनाक्षी जैन, पूर्व राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला और समाजसेवी सदानंदन को संसद के उच्च सदन में भेजा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के उच्च सदन, यानी राज्यसभा के लिए चार सदस्यों को मनोनीत किया है। इनमें पूर्व सरकारी वकील और लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रहे उज्ज्वल निकम शामिल हैं। निकम 26/11 के मुंबई हमला समेत कई हाइ-प्रोफाइल मामलों में सरकारी वकील रहे हैं। इनके अलावा केरल के वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद सी सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार और शिक्षाविद मीनाक्षी जैन भी राज्यसभा जायेंगी। यह मनोनयन उन सीटों के लिए किया गया है, जो पहले के नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई थीं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत राष्ट्रपति को राज्यसभा में 12 सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार है। ये सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान के लिए चुने जाते हैं। वर्तमान में राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या 245 है, जिनमें 233 निर्वाचित और 12 मनोनीत सदस्य शामिल हैं।

उज्जवल निकम

मीनाक्षी जैन

हर्षवर्धन श्रृंगला

सदानंदन

सऊदी अरब में हादसे में मृत धनंजय महतो का पार्थिव शरीर स्वदेश आया

रांची (आजाद सिपाही)। विष्णुगढ़ निवासी अप्रवासी कामगार धनंजय महतो का पार्थिव शरीर रविवार को स्वदेश लाया गया। धनंजय महतो की मौत सऊदी अरब में हो गयी थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल और उनके निर्देश पर राज्य सरकार के श्रम विभाग के अधीन बनाये गये राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष के प्रयास से सऊदी अरब के तबूक से वापस लाया गया। धनंजय विष्णुगढ़ के बंडखड़ी गांव के निवासी थे। जानकारी के अनुसार 29 वर्षीय धनंजय महतो लार्सन एंड टुब्रो कंपनी में कार्यरत थे। सऊदी अरब के तबूक में कार्य के दौरान 24 मई को उनकी आकस्मिक मृत्यु हो गयी थी। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा कंपनी एवं परिजनों के साथ समन्वय स्थापित कर मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जायेगा।

झामुमो का आधिकारिक 'एक्स' हैंडल हैक, सीएम ने दिये जांच के आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' (पहले ट्विटर) हैक हो गया है। इस घटना की जानकारी स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने 'एक्स' हैंडल से एक पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने झारखंड पुलिस को इस मामले की तुरंत जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पोस्ट में लिखा है कि झामुमो का आधिकारिक हैंडल असामाजिक तत्वों द्वारा हैक किया गया है। झारखंड पुलिस संज्ञान लेकर इस

मामले की जांच करे और शीघ्र कार्रवाई करे। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने एक्सकॉर्प इंडिया (एक्स की मूल कंपनी) से भी इस मामले में संज्ञान लेने का आग्रह किया है। जानकारी के अनुसार झामुमो के आधिकारिक एक्स हैंडल से शनिवार की आधी रात के करीब एक अजीब सी गिलहरी की तस्वीर साझा की ग/१ थी, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह तस्वीर असामाजिक तत्वों द्वारा ही पोस्ट की गयी होगी। इस घटना के सामने आते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामले की जांच के आदेश दिये, ताकि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाये जा सकें।

EXPERIENCE Happy Riding

• बैटरी स्कूटी • कम लागत • कम रखरखाव • लाइसेंस मुक्त
• एक साल की वारंटी • 60 किलोमीटर रेंज

CONTACT FOR DEALERSHIP
J.K SALES
M.- 9386070011
Pillar No. 83, In Between O.T.C. Ground & Piska More, Ratu Road, Beside M-Bazar, Lakdi Tall, Ranchi

धान की पैदावार बढ़ाये जैविक खेती के साथ...

शक्तिशाली जैविक उर्वरक (Powerful Organic Fertilizer)

मुख्य अंतर

फीचर	डीएपी (रासायनिक)	जैविक डीएपी
स्त्रोत	रासायनिक	जैविक
पोषक तत्व	एन और पी	एन, पी और अन्य
उपलब्धता	तेजी से	धीरे-धीरे
प्रभाव	मिट्टी के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है	मिट्टी के स्वास्थ्य को सुधार करता है
पर्यावरण	प्रदूषणकारी	पार्यवरण- अनुकूल

PLANT PHOTO

निष्कर्ष :-
जैविक डीएपी, डीएपी की तुलना में, मिट्टी के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए बेहतर है। हालांकि, रासायनिक डीएपी का उपयोग अभी भी व्यापक है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां जैविक खेती का अभ्यास नहीं किया जाता है।

SGS Sgs Lab Tested & Certified 16 types of Micronutrients
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें
ENERGY COR INDIA & POWER LTD. | MUMBAI
Bihar 70797 56590 | Jharkhand 94713 97295 | Uttar Pradesh 62060 03272

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

कभी अफसरों-वैज्ञानिकों की फैक्ट्री नेतरहाट आवासीय विद्यालय की गिरती जा रही साख

- पहली बार इस स्कूल के बच्चों ने जाना कि परीक्षा में कोई फेल भी करता है
- नियमों के मकड़जाल में फंस कर रह गयी है झारखंड की प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालय
- फिर से परंपरा, प्रतिष्ठा और अनुशासन को वापस हासिल करना होगा इस विद्यालय को
- छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए संजोना होगा नेतरहाट आवासीय विद्यालय को

नेतरहाट, यानी छोटानागपुर का खूबसूरत पर्यटक स्थल, लेकिन इसके अलावा छोटानागपुर की इस रानी का नाम दुनिया भर में जिस चीज के लिए चर्चित है, वह है यहां का आवासीय विद्यालय। नेतरहाट के बारे में कहा जाता है कि नेतरहाट एक संस्कृति है। एक जीवन दर्शन है नेतरहाट। शिक्षा जगत में विशिष्ट प्रयोग और भारी उपलब्धियों का नाम है नेतरहाट। सम्मेलन का मंच हो या आश्रम का बरामदा, निरंतर सीखने की प्रक्रिया का दर्शन है नेतरहाट। जैसे साहित्य मे बारहमासा का विशिष्ट वर्णन मिलता है, वैसे ही नेतरहाट में शिक्षण-प्रशिक्षण का बारहमासा है। गुरुकुल की गुरु-शिष्य परंपरा का आधुनिक परिसंस्करण-नेतरहाट विद्यालय ने शिक्षकों एवं माताओं से प्राप्त अनुभूति के अनुरूप अपने विद्यार्थियों के सामाजिक, भावात्मक, संस्कारित आचरण का उत्तरोत्तर विकास करते हुए उन्हें स्वयं के प्रकाश की ओर उन्मुख करता है आवासीय विद्यालय नेतरहाट। लेकिन अफसरों-वैज्ञानिकों की फैक्ट्री के रूप में देश-दुनिया में चर्चित इस प्रतिष्ठित स्कूल की साख लगातार गिर रही है। अव्यवस्था और नियमों के मकड़जाल में झारखंड के इस धरोहर को ऐसा फंसा दिया गया है कि इस बार पहली बार इस स्कूल के पांच बच्चे बोर्ड की परीक्षा में फेल कर गये। कभी बोर्ड की परीक्षा में टॉप 10 की सूची में केवल नेतरहाट आवासीय विद्यालय का नाम रहता था, लेकिन अब अपनी गरिमा लगातार खोती रही। नेतरहाट आवासीय विद्यालय की इस बदहाली के क्या हैं कारण और झारखंड की इस धरोहर को बचाने के लिए क्या उपाय किये जा सकते हैं, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

नेतरहाट पूरी दुनिया में दो कारणों से चर्चित है। पहला है यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और दूसरा यहां का आवासीय विद्यालय, जिसे अफसरों-वैज्ञानिकों की फैक्ट्री भी कहा जाता है। कभी इस स्कूल में नामांकन होना प्रतिष्ठा का विषय माना जाता था, लेकिन अव्यवस्था और नियमों के मकड़जाल में उलझ कर इस विद्यालय ने इस साल पहली बार जाना कि परीक्षा में बच्चे फेल भी करते हैं। इस साल 10वीं-12वीं की परीक्षा में इस स्कूल के पांच बच्चे फेल कर गये, जिससे इसकी साख पर गंभीर चोट पहुंची है।

परंपरा, प्रतिष्ठा और अनुशासन के तीन मजबूत स्तंभों पर टिका मशहूर नेतरहाट आवासीय विद्यालय कभी झारखंड और अखंड बिहार का गौरव था। मनोरम और शांत वादियों के बीच बसा यह विद्यालय अपनी उत्कृष्ट शिक्षा और अनुशासित माहौल के लिए न केवल बिहार-झारखंड, बल्कि देश-विदेश में भी जाना जाता था। लेकिन आज यह प्रतिष्ठित संस्थान बदहाली की कगार पर है। शिक्षकों की भारी कमी के कारण विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिसका असर छात्रों के परिणामों पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

2012 में स्वायत्तता मिली

झारखंड सरकार ने 2012 में नेतरहाट स्कूल को स्वायत्त बना दिया, ताकि इसकी विशिष्ट व्यवस्था बनी रहे। लेकिन अधिकारियों को यह व्यवस्था रास नहीं आयी और उन्होंने नियमों-परिनियमों का ऐसा मकड़जाल बुना कि उसमें फंस कर यह स्कूल तड़प रहा है। सबसे अचरज की बात यह है कि नेतरहाट स्कूल के खिलाफ की गयी किसी भी शिकायत की जांच विभागीय बाबू करते हैं। यहां तक कि प्राचार्य और शिक्षकों को परेशान करने की नीयत से शिकायतें की जाती हैं और अधिकारी इसकी जांच करने लगते हैं।

बदली बोर्ड व्यवस्था गायब हुए टॉपर

शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के तहत विद्यालय को स्टेट बोर्ड से हटाकर सीबीएसइ बोर्ड से जोड़ा गया। इस बदलाव के बाद टॉपरों की सूची में नेतरहाट के छात्रों का नाम लगभग गायब हो गया है। शिक्षकों की कमी और बोर्ड परिवर्तन ने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावित किया है।

शिक्षकों की कमी से जूझ रहा विद्यालय

नेतरहाट आवासीय विद्यालय में कुल 47 नियमित शिक्षकों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में मात्र 20 शिक्षक ही कार्यरत हैं। इस कमी ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को गहरी चोट पहुंचायी है। कभी मैट्रिक परीक्षा में राज्य में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले इस विद्यालय के छात्रों का नाम अब टॉपरों की सूची में दिखाई नहीं देता। झारखंड के गठन के बाद वर्ष 2019 तक इस विद्यालय के छात्र नियमित रूप से स्टेट टॉपर बनते थे और टॉप 10 में कम से कम आठ स्थान नेतरहाट के ही होते थे, लेकिन अब स्थिति उलट चुकी है।

गुरुकुल पद्धति पर भी संकट

नेतरहाट आवासीय विद्यालय अपनी गुरुकुल पद्धति के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां छात्र हॉस्टल की बजाय आश्रम में रहते हैं, जहां प्रत्येक आश्रम का एक शिक्षक अभिभावक की भूमिका निभाता है और उनकी पत्नी को आश्रम की माता माना जाता है। यह व्यवस्था बच्चों को पारिवारिक माहौल प्रदान करती है, लेकिन शिक्षकों की कमी के कारण इस अनूठी व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने में भी कठिनाई हो रही है। विद्यालय में कार्यरत सभी नियमित शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए आश्रम में ही आवास की व्यवस्था है और उनके बच्चों का नामांकन भी इसी विद्यालय में होता है।

गौरवशाली इतिहास है इस विद्यालय का

वर्ष 1954 में बिहार सरकार द्वारा स्थापित नेतरहाट आवासीय विद्यालय का उद्देश्य होनहार बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना था। इस उद्देश्य में विद्यालय काफी हद तक सफल रहा। अपनी स्थापना से लेकर अब तक इस विद्यालय ने सैकड़ों छात्रों को आइएएस, आइपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर और बड़े अधिकारियों के रूप में देश-विदेश में ख्याति दिलायी। स्वायत्तता के कारण यहां प्रवेश से लेकर शिक्षण तक में किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं होता था, जिसने इसकी गुणवत्ता को और बढ़ाया।

जेएफ पीयर्स की परिकल्पना है यह विद्यालय

नेतरहाट में स्कूल स्थापित करने की परिकल्पना भारत में पब्लिक स्कूलों के जनक कहे जानेवाले अंग्रेज शिक्षाविद् जेएफ पीयर्स ने की थी। तत्कालीन बिहार के शिक्षा सचिव जगदीश चंद्र माथुर से उन्होंने 1951 में नेतरहाट के रास्ते में कहा था, 40 बरस से बच्चों को पढ़ाने और उनकी शिक्षा का प्रबंध करने का मौका विभिन्न परिस्थितियों और हैसियत से मुझे मिलता रहा है। एक शिक्षक, या कहिए कि शिक्षाविद की यह यात्रा, यह सफर, मानो एक निरंतर खोज रही है। बीसियों स्कूलों के नक्शे बनाये, उनकी कार्यविधि निश्चित की, अध्यापकों को चुना, विकास की योजनाएं चालू की, समस्याएं पैदा की और सुलझायी। लेकिन सच पूछिये, तो वह सफर न पूरा हुआ और न होगा। जिस चीज की खोज थी, वह तो मृग की कस्तूरी की भांति मेरे ही पास थी। हजारों की शिक्षा के मंसूबे बांधना और उसका प्रबंध करना श्रेयष्कर है, किंतु ह्यशिक्षकह्ण, यह शब्द तो उसी के लिए सार्थक है, जो बच्चों की छोटी-सी जमात, दस-पंद्रह छात्रों की एक कक्षा में से प्रत्येक के विकासशील व्यक्तित्व की विशेषताओं को समझ कर, मानो अपनी वाणी, विचारों और व्यवहार की खाद द्वारा एक छोटी क्यारी के पौधों को पनपता देख सके। शिक्षक तो माली है, वनस्पति-विज्ञानवेत्ता या मुगल गार्डन के नक्शे बनानेवाला इंजीनियर या स्थपति नहीं।

पीयर्स ने यह बात नेतरहाट के रास्ते में कही थी, जब माथुर उन्हें लेकर वहां जा रहे थे। बाद में उनकी संकल्पना और बिहार के तत्कालीन मुख्य सचिव लल्लन प्रसाद सिंह की विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर 1954 में इस स्कूल की शुरूआत हुई। अपनी स्थापना के बाद से यह आवासीय स्कूल लगातार उपलब्धियों के शिखर पर चढ़ता गया। अनुशासन, समर्पण और सर्वश्रेष्ठ को हासिल करने की उत्कंठा ने यहां के छात्रों और शिक्षकों को ऐसी प्रेरणा दी कि यह स्कूल पूरी दुनिया में चर्चित हो गया। गुरुकुल और गुरु-शिष्य की परंपरा का निर्वहन करते हुए इस स्कूल ने दुनिया को वह रोशनी दिखायी, जिसके लिए मानवता तरसती है। लगातार साल-दर-साल इस स्कूल का रिजल्ट बेहतर होता गया और एक समय स्थिति यह थी कि मैट्रिक की मेरिट लिस्ट में पहले 10 स्थान पर यहां के बच्चे होते थे। इस स्कूल के विद्यार्थी जीवन के हर क्षेत्र में चमकते रहे और अपने साथ नेतरहाट का नाम भी दुनिया भर में फैलता गया।

भविष्य को लेकर गंभीर आशंका

लेकिन आज यह स्कूल अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व तो करता है, लेकिन भविष्य को लेकर बेहद आशंकित है। बोर्ड परीक्षा में पांच बच्चों के फेल होने से यह विद्यालय आज खुद पर शर्म महसूस कर रहा है। लोग कहते हैं कि यह नेतरहाट स्कूल का नहीं, बल्कि झारखंड का दुर्भाग्य है। सरकारी व्यवस्था के मकड़जाल में फंसे झारखंड का यह गौरव अपने भविष्य को लेकर आशंकित है। स्कूल में अवस्थित दर्जन भर आश्रम में रहनेवाले बच्चे अध्ययन में लीन रहते हैं और शिक्षक भी अपना कर्तव्य पूरा कर रहे हैं, लेकिन उनके सामने इस स्कूल की प्रतिष्ठा को बचाने की चुनौती है। इस चुनौती का सामना करने के लिए वे तैयार हैं, बस उन्हें समर्थन-सहयोग चाहिए।

तेजस्वी यादव के मंच पर पहुंचने से पहले आपस में भिड़े कार्यकर्ता

पुलिस को करना पड़ा बीच-बचाव

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश चौरसिया महासभा का एक राजनीतिक सम्मेलन आज पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में होना था। इसका उद्देश्य अतिपिछड़े चौरसिया समाज को आगामी विधानसभा चुनाव में संगठित करना है। इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव थे। नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव के 'चौरसिया राजनीतिक चेतना सम्मेलन' में पहुंचने से पहले मंच पर कथित तौर पर मंच व्यवस्था को लेकर आंतरिक झड़प हो गई। कार्यकर्ता किसी बात को लेकर आपस में ही भिड़ गए। वहीं, कई अन्य नेताओं ने बीच-बचाव किया, तब जाकर मामला शांत हुआ।

हर बुजुर्ग को 2000 रुपये पेंशन और बच्चों को मुफ्त शिक्षा : प्रशांत किशोर

आजाद सिपाही संवाददाता

सौरबाजार (सहरसा)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने रविवार को नगर पंचायत सौर बाजार में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जनता से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि बिहार में अधिकारी और नेता राशन कार्ड बनाने से लेकर जमीन की रसीद कटाने तक के लिए रिश्वत ले रहे हैं। जनता इस बात से संतुष्ट है कि उसे पांच किलो अनाज, सिलेंडर और बिजली मिल रही है। लेकिन जनता यह नहीं सोचती कि उसके बच्चों को शिक्षा और रोजगार नहीं मिल रहा है। प्रशांत किशोर ने कहा कि यदि हमारी सरकार बनती है तो दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के हर पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जायेगी। उन्होंने कहा कि इस साल छठ के बाद सहरसा के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा एलान किया कि जब तक सरकारी विद्यालयों में सुधार नहीं हो जाएगा, तब तक आप अपने 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं और उनकी फीस सरकार भरेगी ताकि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सकें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने जनता से अपील की कि उन्हें और उनके बच्चों को लूटने वाले नेताओं को वोट न दें। अगली बार अपने बच्चों के लिए वोट दें और बिहार में जनता का राज स्थापित करें। चुनाव अभियान समिति अध्यक्ष व पूर्व विधायक किशोर कुमार ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में बदलाव निश्चित है। लोग अब लालू और नीतीश से पूरी तरह ऊब चुके हैं। अब तक विकल्प के अभाव के कारण उन्हें एनडीए या महागठबंधन में से किसी एक को चुनना पड़ता था, लेकिन इस बार लोगों के पास जन सुराज का एक मजबूत और ईमानदार विकल्प है।

कार्यक्रम को प्रदेश उपाध्यक्ष ललनजी, जिला अध्यक्ष नवल किशोर सिंह, जिला महासचिव इरफान, अभियान समिति संयोजक प्रभात अस्थाना, युवा प्रभारी सोहन झा, जिला उपाध्यक्ष श्रवण कुमार, संगठन जिला महिला अध्यक्ष रजनी बाला, महिला नेत्री नूतन कुमारी, कहरा प्रखंड अध्यक्ष हरेंद्र खां, पतरघट प्रखंड अध्यक्ष रूपेश मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

मुजफ्फरपुर में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया श्रावणी मेले का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

मुजफ्फरपुर। प्रसिद्ध श्रावणी मेले का जिले के प्रभारी मंत्री सह उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने रविवार को डीएन उच्च विद्यालय मैदान में उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिले के सभी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी व श्रद्धालु उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ स्मारिका का भी विमोचन किया गया। मेले का उद्घाटन करने से पहले उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बाबा गरीबनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.9 °C	23.6 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.38 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.11 बजे

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास दिल्ली दौरे पर हैं ' आज नई दिल्ली में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर शिबू सोरेन के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। बाबा बैद्यनाथ से कामना है कि गुरुजी जल्द स्वस्थ हों और झारखंड की सेवा में फिर से जुट जाएं।

बच्चों की साइकिल चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा साधा है। उन्होंने कहा, ₹राज्य सरकार में चौतरफा भ्रष्टाचार व्याप्त है। स्कूली छात्रों को दी जाने वाली साइकिल भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। कल्याण विभाग द्वारा सरकारी स्कूल के छात्र-छात्राओं

को कबाड़ साइकिलें वितरित की जा रही हैं। साइकिलें या तो पहले से पंचर थीं, या उनके टायर-ट्यूब ही फटे हुए थे। कुछ के हैंडल ढीले तो कुछ की चेन जाम। मजबूरन बच्चे साइकिलें कंधे पर ढोते या हाथ में थामे पैदल लौटे। उन्होंने आगे कहा, प्रदेश में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि हर बच्चों की योजनाएं तक इससे अछूती नहीं रही। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खराब हो चुकी सारी साइकिलें वापस लेकर बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली साइकिल उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

16 और 17 अगस्त को मनाया जायेगा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

दही हांडी प्रतियोगिता उत्सव के साथ भजन संध्या सहित देश भक्ति के गीतों का कार्यक्रम भी होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सानिध्य में अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड पर 16 और 17 अगस्त 2025 को दो दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जायेगा। वर्तमान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के संरक्षक, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, संरक्षक सीपी सिंह, संरक्षक अजय मारू एवं समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा हैं। रविवार को समिति की बैठक में संरक्षक, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, अजय मारू एवं अध्यक्ष मुकेश काबरा सहित समिति के सदस्यों की उपस्थिति में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन 16 एवं 17 अगस्त को मनाने का निर्णय लिया गया।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और मुकेश काबरा ने बताया कि 16 एवं 17 अगस्त को श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची की ओर से अलबर्ट एक्का चौक में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जायेगा। 16 अगस्त को झांकी प्रतियोगिता के साथ महोत्सव का उद्घाटन किया जायेगा। दही हांडी प्रतियोगिता में पुरुष गोविंदा टीम एवं महिला गोविंदा टीम भाग ले सकेंगे। इसका रजिस्ट्रेशन समिति में गोबिंदाओ की टीम को करवाना अनिवार्य होगा। अगली बैठक में समिति के पदों एवं कार्यो के लिए सदस्यों के नाम के साथ समिति का विस्तार किया जायेगा।

मीडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत ने बताया कि बैठक में आयोजन समिति केसंरक्षक सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, संरक्षक अजय मारू, अध्यक्ष मुकेश काबरा, कुणाल अजमानी, रविंद्र मोदी, रमेंद्र कुमार, जवाहर तनेजा, ऐश्वर्या सेठ, प्रमोद सारस्वत, कमलजीत सिंह शंटी, सतीश सिन्हा, नीरज चौधरी, राज वर्मा, सत्येंद्र सिंह गुड्डू, संजय पोद्दार, पवन बजाज, भीष्म सिंह, मनोज कुमार, राजीव सहाय, नीतू सिंह, राजू रजक, संजीव साहू, भीष्म सिंह, प्रेमचंद श्रीवास्तव, प्रकाश धेलिया, मनोज साहू, मनोज महतो, रामलगन राम आदि उपस्थित थे।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

वृष समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

मिथुन आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी।

कर्क काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

सिंह कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।

कन्या बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल

भारतीय तटरक्षक बल में करियर पर आज चार जगहों पर कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान है कि देश के अधिक से अधिक युवा देश की सुरक्षा में अपनी भागीदारी निभायें। इस आलोक में माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में रक्षा मंत्रालय देश के विभिन्न हिस्सों में जागरूकता अभियान चला रहा है। इसी उद्देश्य के साथ रांची में भारतीय तटरक्षक बल के द्वारा एक ऐसे अभियान की शुरुआत की जा रही है, जो पहले कभी नहीं हुआ। 14 जुलाई को रामटहल चौधरी विद्यालय ओरमांझी में 10 बजे, एसएस मेमोरियल कॉलेज कांके में 12 बजे, लाला लाजपत राय स्कूल पुनदाग में एक बजे, गोसनर कॉलेज क्लब रोड में दो बजे से

संगोष्ठी आयोजित की गयी है। इस अवसर पर देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

भारतीय तटरक्षक बल द्वारा देश के युवा विद्यार्थियों को आकर्षित करने हेतु एक जागरूकता एवं भर्ती अभियान चलाया जा रहा है, जो रांची के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित किया जायेगा। यह अभियान रांची में पहली बार शुरू हुआ है, जो 20 जुलाई, 2025 तक आयोजित होगा। यह बल रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। भारत के समुद्री हितों की रक्षा, समुद्री कानूनों का प्रवर्तन, तटीय सुरक्षा, खोज एवं बचाव कार्य, समुद्री पर्यावरण संरक्षण और समुद्री कानून प्रवर्तन शामिल हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच भारतीय तटरक्षक बल को एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है।

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन का चुनाव 27 जुलाई को

मुख्य चुनाव अधिकारी ने निर्वाचन हेतु कार्यक्रमों की घोषणा की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र 2025- 27 के लिए अध्यक्ष पद का चुनाव जिला मारवाड़ी सम्मेलन के निर्णयानुसार 27 जुलाई को महाराजा अग्रसेन भवन में होगा। मुख्य चुनाव पदाधिकारी अशोक कुमार नारसरिया ने निर्वाचन हेतु कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 15 जुलाई से मारवाड़ी भवन में नामांकन पत्र उपलब्ध रहेगा। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 18 जुलाई को अपराह्न 4 बजे तक रहेगा। नामांकन पत्र जांच एवं वैध उम्मीदवारों की सूची 18 जुलाई को ही संध्या 5 बजे प्रकाशित कर दिया जायेगा। नामांकन पत्र वापसी की तिथि 20 जुलाई शाम 4 बजे तक है। उम्मीदवारों की अंतिम सूची 20 जुलाई को ही शाम 5 बजे प्रकाशित कर दिया जायेगा। मतदान (आवश्यक होने पर) 27 जुलाई को अपराह्न 1 बजे से संध्या 4 बजे तक महाराजा अग्रसेन भवन में होगा। निर्वाचन हेतु संपूर्ण कार्य 15 जुलाई से 20 जुलाई तक प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से संध्या 4 बजे तक मारवाड़ी भवन में होगा। मतदान हेतु सभी सदस्यों को भारत सरकार द्वारा निर्गत अपना सरकारी पहचान पत्र लाना अनिवार्य है। उम्मीदवारों को नामांकन पत्र दो सौ रुपया शुल्क देकर स्वयं लेना होगा।

पासवा का पर्यावरण जागरूकता सप्ताह आज से : आलोक दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने ग्रीन झारखंड की संकल्पना को साकार करने के लिए निजी विद्यालयों को आगामी 14 जुलाई से 20 जुलाई तक पर्यावरण जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्देश दिया। पासवा की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के दिन से ही ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह और पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे के दिशा निर्देश पर एक लाख पौधे लगा कर पर्यावरण जागरूकता अभियान की शुरुआत की गयी थी। साथ ही इस अभियान के तहत झारखंड में स्कूली विद्यार्थियों की ओर से 50 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही पौधों को संरक्षित करने का भी संकल्प लिया गया है।

अपने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए तथा झारखंड में पर्यावरण के प्रति जन जागृति फैलाने के लिए आगामी 14 जुलाई से 20 जुलाई तक पासवा पर्यावरण जागरूकता सप्ताह मनायेगा। इसके तहत पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने रविवार को राज्य के प्रत्येक जिले के निजी विद्यालयों के प्राचार्य और डायरेक्टर्स को निर्देश दिया कि वे 14 से 20 जुलाई तक अपने-अपने विद्यालयों में पर्यावरण पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर संपूर्ण झारखंड में पर्यावरण के प्रति जन जागृति फैलायें।

रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल की बड़ी कार्रवाई

मानव तस्करी की शिकार नौ लड़कियों को किया रेस्क्यू, तीन आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा रविवार को मानव तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन एएएचटी के तहत बड़ी कार्रवाई की गयी। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर चलाये गये इस विशेष अभियान में प्लेटफॉर्म नंबर-1 के फुटओवर ब्रिज के पास 9 लड़कियां और दो पुरुष संदिग्ध अवस्था में पाये गये। पूछताछ में संतोषजनक जवाब न मिलने पर सभी को आरपीएफ पोस्ट लाया गया। गहन पूछताछ के बाद यह स्पष्ट हुआ कि श्रुति देवी,

कुंदन कुमार और रणधीर करमाली नामक तीनों आरोपी इन लड़कियों को तमिलनाडु में नौकरी दिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर ले जाने की साजिश में शामिल थे। पूछताछ में सामने आया कि ये लोग प्रत्येक लड़की से 2000-3000 रुपये तक की राशि कमीशन के रूप में वसूलते थे। साथ ही, वे 20 रुपये प्रतिदिन प्रति लड़की की दर से भी पैसा कमाते थे। आरोपियों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था।

अनुसूचित जाति समन्वय समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

राजभवन के समक्ष राज्यस्तरीय महाधरना 2 को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति समन्वय समिति की प्रमुख लोगों की बैठक पूर्व कमिश्नर डीसी दास के अध्यक्षता में मोराबादी रांची में संपन्न हुई। बैठक के संचालन संतोष कुमार रजक ने किया बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि 2 अगस्त को रांची में राजभवन के पास राज्य स्तरीय महाधरना दिया जाये। मौके पर उपेंद्र कुमार रजक ने कहा कि झारखंड राज्य में रह रहे 50 लाख अनुसूचित जाति के लोगों के समस्या पर राज्य सरकार का ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति आयोग में नियुक्ति, अनुसूचित जाति के लोगों को जाति /आवासीय प्रमाण पत्र, जीपीएस जैसे संस्थानों में अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व देने, नया विधानसभा एवं उच्च न्यायालय में बाबा साहब के प्रतिमान स्थापित करने, जनसंख्या के आधार पर कर्मचारी पदाधिकारी को निमित्त पदोन्नति देने आदि मांगों को लेकर महाधारना दिया जायेगा। साथ-साथ अन्य मुद्दों पर महाधरना के साथ-साथ जिलों में जन आंदोलन चलाया जायेगा।

बैठक को संबोधित करते हुए डीसी दास, संतोष रजक, टिंकू राम, शिव टहल नायक, राजू पासवान ने कहा कि महाधारना से पूर्व अनुसूचित जाति के वर्तमान विधायक पूर्व विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधियों को अनुसूचित जाति का सवाल एवं समस्याओं से अवगत कराया जायेगा। साथ ही उन्हें सदन में विषयों को उठाने एवं धरना में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के संवैधानिक अधिकारों के लिए अनुसूचित जाति समन्वय समिति पूरे राज्य में समाज के संविधानिक अधिकारों को लेकर धरना प्रदर्शन करेगा।

बैठक में शिव टहल नायक, टिंकू राम, जगदेव राम वीरन, मुकेश नायक, अशोक रजक, दिलीप भुईयां डॉ जयप्रकाश, करण नायक, विनोद राजन, ई अरुण कुमार, जगदीश दास, गोविंद वाल्मीकि, राजू पासवान, इंद्रजीत मिर्धा, महानंद चौधरी, जीवन राम आदि उपस्थित थे।

भारत में आजादी के 100 साल पूरे होने के पूर्व डायन प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति को समाप्त करे केंद्र सरकार : प्रेमचंद

अभिजीत अधरजी

झारखंड/जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। लौहनगरी जमशेदपुर के फ्री लीगल ऐड कमिटी/डायन प्रथा उन्मूलन मिशन के अध्यक्ष प्रेम चंद ने देश के 12 राज्यों में डायन प्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए केंद्र सरकार से ठोस पहल करने की मांग की। रविवार को आजाद सिपाही से विशेष बातचीत में उन्होंने कहा देश 2046 में आजादी की शताब्दी मनाने जा रही है। ऐसे में जनजातीय समाज के सामाजिक और मानसिक सशक्तिकरण के लिए दीर्घकालीन योजना बनाकर उसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, ताकि डायन प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति को जड़ से समाप्त किया जा सके। प्रेम चंद ने कहा बीते 6 जुलाई की रात बिहार के पूर्णिया जिले में डायन के नाम पर एक ही परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। मृतकों में तीन पीढ़ियों के लोग शामिल थे। जिन्हें पहले लाठी-डंडों से पीट-पीटकर आत्मारा किया गया उसके बाद मकई के पत्तों के ऊपर पेट्रोल डालकर जला दिया गया।लेकिन घटना के दौरान गांव वालों में किसी ने भी विरोध

प्रेम चंद

नहीं किया। बाद में शवों को ट्रैक्टर से तालाब में फेंक दिया गया। निर्मम हत्या में परिवार का एकमात्र जीवित 14 वर्षीय लड़का किसी तरह भागकर ननिहाल पहुंच कर घटना की जानकारी दी।उसके बाद ननिहाल वालो ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।जानकारी मिलते ही पुलिस ने गांव में छानबीन कर तालाब से सभी का शव बरामद कर लिया। लेकिन गांव वालों ने चुप्पी साधे रखी।प्रेम चंद्र ने दुख प्रकट करते हुए कहा बिहार देश का पहला राज्य है जहा डायन प्रथा के खिलाफ पहला कानून बनाया गया था। लेकिन फिर भी आज ऐसी घटनाएं हो रही हैं।प्रेम चंद्र ने कहा देश के 12 राज्यों में डायन प्रथा की समस्या विकराल है, लेकिन अब तक केवल 7 राज्यों में ही कानून बन पाया।उन्होंने बताया उनकी संस्था फ्री लीगल ऐड कमिटी/डायन प्रथा उन्मूलन मिशन 1995 से डायन प्रथा के खिलाफ काम कर रही है।कई बार सफलता हासिल की। बिहार सरकार ने 1999 में डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम 1999 बनाने में मदद भी की थी।उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा देश के 7 राज्य के सरकारों ने कानून तो बनाए लेकिन कानून पर अमल नहीं किया। आज भी निर्दोष लोगों को डायन बताकर हत्या, उत्पीड़न जैसे जघन्य अपराध की शिकार होना पड़ रहा हैं। उसके बावजूत डायन प्रथा के मुद्दे पर रोक लगाने के लिए सभी राजनीतिक दल और सरकारें चुप्पी साधे हुए हैं।जबकि पीड़ितों में 80 प्रतिशत लोग जनजातीय समाज से जुड़े होते हैं। अंत में प्रेम चंद्र ने कहा अब समय आगया है केंद्र सरकार इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर से दीर्घकालीन योजना के माध्यम से मजबूत नीति बनाए और सभी राज्यों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दे,ताकि आजादी के 100 साल पूरे होने तक देश को इस अमानवीय कुरीति से मुक्ति मिल सके।

रिंग रोड में विदेशी शराब से लदा वाहन पलटा, बोतल लूटने की होड़

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के कांके थाना क्षेत्र स्थित रिंग रोड में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब विदेशी शराब से लदा एक वाहन पलट गया। वाहन के पलटते ही उसमें लदी शराब की बोतलें और पेटियां सड़क पर बिखर गयी। घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में लोग जुट गए और शराब लूटने की होड़ मच गयी। इस दौरान कई बोतलें टूट गयी, जिससे सड़क पर शराब फैल गयी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद वहां मौजूद लोग मौके से भाग गये।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

पहली सोमवारी आज, पहाड़ी मंदिर समिति और जिला प्रशासन ने कसी कमर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सावन महीने की पहली सोमवारी 14 जुलाई को पड़ रही है। इसको लेकर रांची में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। रविवार देर शाम से हजारों श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए रांची पहुंचने लगे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और पहाड़ी मंदिर विकास समिति ने व्यापक तैयारियां की हैं। शहर के प्रमुख शिवालयों के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गयी है। पीसीआर वाहनों को मंदिर परिसरों के आसपास सतर्क निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। पहाड़ी मंदिर के ब्रांच रोड को बैरिकेडिंग कर आवागमन नियंत्रित किया गया है।

श्रद्धालुओं के हाथों में होगा प्रसाद और पवित्र जल : पहली सोमवारी को श्रद्धालु पारंपरिक भगवा वस्त्र धारण करेंगे। उनके हाथों में पवित्र जल, नारियल, बादाम, इलायची दाना, बेलपत्र, चुनरी और अन्य प्रसाद सामग्री होगी, जिसे लेकर वे पहाड़ी मंदिर में बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचेंगे। मंदिर परिसर में फूल, माला और बेलपत्र की दुकानें भी सज चुकी हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर में महिला और पुरुष पुलिस बल की भारी संख्या में तैनाती की गयी है, जिससे दर्शन व्यवस्थित ढंग से हो सके।

स्वागत के लिए भव्य पंडाल की व्यवस्था : पहाड़ी मंदिर में बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को लगभग चार सौ सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। मंदिर के मुख्य द्वार पर विकास समिति और जिला प्रशासन द्वारा भव्य स्वागत पंडाल बनाया गया है। यहां से श्रद्धालुओं पर निगरानी रखी जायेगी और उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिये जायेंगे। भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं का स्वागत करने के लिए कई सामाजिक संगठनों के स्वयंसेवक भी उपस्थित रहेंगे।

सुरेश्वर धाम को दिया गया नया स्वरूप

सावन की पहली सोमवारी की शुरुआत रविवार से ही हो गयी, क्योंकि बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक दिन पहले ही रांची पहुंच गये हैं। सुरेश्वर धाम मंदिर में इस अवसर के लिए विशेष तैयारियां की गयी हैं। मंदिर को रंग-बिरंगी लाइटों और फूल-मालाओं से सजाया गया है।

नागवंशी राजाओं द्वारा स्थापित मंदिर को दिया जा रहा नया स्वरूप

रांची स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर, जिसकी स्थापना 400 इसा पूर्व नागवंशी राजाओं ने की थी, को भी भव्य रूप दिया जा रहा है। मंदिर में भगवान शिव, नंदी, भगवान राम और हनुमान जी की प्रतिमाएं हैं। मंदिर को नया स्वरूप देने का कार्य तेजी से चल रहा है। इस मंदिर से सटी स्वर्णरेखा नदी में भी एक प्राचीन शिवलिंग नागवंशी काल का स्थापित है, जो इन दिनों नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण दिखाई नहीं दे रहा। नदी के किनारे स्थित इस मंदिर में श्रद्धालु आसानी से जल चढ़ाकर पूजा-अर्चना कर सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गयी मन्नतें अवश्य पूर्ण होती हैं।

चिरंजीवी कॉन्सेप्ट स्कूल में पौधरोपण जागरूकता कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चिरंजीवी कॉन्सेप्ट स्कूल होचर रांची द्वारा पौधरोपण अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पौधरोपण जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू मुख्य रूप से विद्यालय परिसर में आमंत्रित थे। सांसद ने अपने हाथों से विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया तथा ग्रामीणों के बीच पौधे वितरित करते हुए उन्हें अधिक से अधिक पौधा लगाने एवं उनका संरक्षण और संवर्धन करने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में करीब 250 विभिन्न प्रकार के फलदार तथा छायेदार वृक्ष के पौधे वितरित किए गये।

पेंटिंग प्रतियोगिता : इस अभियान के अंतर्गत चिरंजीवी स्कूल के बच्चों के बीच एक पेंटिंग प्रतियोगिता 'प्लांट ट्री एंड सेव नेचर' थीम पर रखी गयी थी। प्रतियोगिता के विजेताओं के बीच पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र वितरण किए गए तथा बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

मौके पर विद्यालय की निदेशक डॉ माया कुमार, उप निदेशक एस के सिन्हा, प्राचार्या श्वेता त्रिपाठी, डॉ अर्चना सिन्हा, डॉ मिन्त्रा पांडे तथा विद्यालय के बच्चे और शिक्षिकाएं उपस्थित थीं। उन्होंने जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों की इतनी अधिक पैमाने पर भागीदारी की सराहना की तथा बच्चों को अपनी धरती और पर्यावरण बचाने के लिए कृतसंकल्प रहने को प्रेरित किया।

मधेशिया समाज का पौधरोपण का कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को रांची नगर मधेशिया वैश्य विकास समिति मधेशिया समाज के तत्वावधान में रांची विश्वविद्यालय परिसर स्नाकोत्तर विभाग की चारदीवारी के अंदर पौधरोपण का कार्यक्रम किया गया।

इसमें मधेशिया समाज के पदाधिकारी बजरंग प्रसाद गुप्ता, एए दिवाकर, कन्हैया लाल गुप्ता, शशि भूषण गुप्ता, आशीष कुंदन, संजय कुमार गुप्ता, जुगेश कुमार गुप्ता, पवन कुमार गुप्ता, मनोज कुमार साहू इत्यादि पदाधिकारी उपस्थित थे।

समर्थकों के साथ राजद में शामिल हुए तेली समाज के नेता सुनील साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अपने आधार वोट मुस्लिम-यादव के साथ-साथ समाज के अन्य वर्गों और जाति के लोगों को राष्ट्रीय जनता दल में शामिल करा कर तेजस्वी यादव पार्टी को ए टू जेड की पार्टी बनाना चाहते हैं। तेजस्वी यादव की सोच को आगे बढ़ाते हुए आज झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय में रांची में लोकहित अधिकार पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार साहू और उनके करीब 400 समर्थकों को राजद में शामिल कराया गया। सुनील साहू के राजद में शामिल होना कितना महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनको

पार्टी की सदस्यता दिलाने के लिए पटना से खुद लालू प्रसाद के बेहद करीबी भोला यादव और पूर्व केंद्रीय मंत्री सह प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश यादव रांची पहुंचे थे।

झारखंड राजद के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव, मंत्री संजय प्रसाद यादव, झारखंड विधानसभा में राजद विधायक दल के नेता पूर्व मंत्री सुरेश पासवान, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता यादव, युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन प्रसाद यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता यादव, गौतम सागर राणा सहित कई पार्टी पदाधिकारी मिलन समारोह में शामिल हुए।

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच अन्नपूर्णा महाप्रसाद का वितरण

भजन-कीर्तन में भक्तगण खूब झूमे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 218वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। महाप्रसाद श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के सदस्य संजय अग्रवाल निशी अग्रवाल की शादी की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उनके पुत्र आकर्ष अग्रवाल, पुत्री सोनल अग्रवाल और उनके परिवार के सौजन्य से 151 किलो दूध का केसरिया खीर का महाप्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का

भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे ने लगाया। श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों ने कृष्ण दरबार में मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराते हुए खूब झुमाया। श्री राधा कृष्ण के जयकारा एवं भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया तथा भक्तगण भक्ति रस में डूब गये। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गयी। इस अवसर पर-डुंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, शिवभगवान अग्रवाल, मधु जाजोदिया, पूरणमल सर्राफ, सुरेश चौधरी, विशाल जालान, अंजनी अग्रवाल, बिष्णु सोनी, बिजय कुमार अग्रवाल, हरीश सोनी, मुरली प्रसाद, चंद्रदीप साहु, हरीश कुमार, परमेश्वर साहू, बसंत वर्मा, सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

परीक्षा को सरल बनाने और नियुक्तियों को तेज करने के लिए रेलवे ने किये सुधार

वार्षिक भर्ती कैलेंडर की शुरुआत, 1.08 लाख से अधिक रिक्तियों की अधिसूचना

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। रेल मंत्रालय ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, कुशल और प्रौद्योगिकी-आधारित बनाने के उद्देश्य से कई सुधारों की शुरूआत की है। ये सुधार अधिकारियों, उम्मीदवारों, कोचिंग संस्थानों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार किये गये हैं। पहली बार वर्ष 2024 से सभी ग्रुप सी पदों – जैसे कि एएलपी, टेक्नीशियन, एनटीपीसी, आरपीएफ, पैरामेडिकल और लेवल-1 श्रेणियों – के लिए एक वार्षिक भर्ती कैलेंडर पेश किया गया है। यह पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और उम्मीदवारों को अधिसूचना से लेकर अंतिम परीक्षा तक की समय-सीमा के बारे में स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है।

पहले चरण की परीक्षा और अधिसूचना के बीच का समय अब लगभग 8 महीने तक कम कर दिया गया है। सिस्टम में लगातार हो रहे सुधारों के साथ यह अवधि और भी कम होने की संभावना है, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया और तेज हो सकेगी। बड़े पैमाने पर परीक्षाओं को समर्थन देने के लिए परीक्षा अवसंरचना में व्यापक विस्तार किया गया है। अब प्रतिदिन 325 से अधिक केंद्र संचालित हो रहे हैं, जिनमें प्रत्येक केंद्र में लगभग 350 उम्मीदवारों की क्षमता है। इस नेटवर्क का और विस्तार किया जा रहा है, जिसमें प्रति शिफ्ट 25,000 नोड्स जोड़े जायेंगे। उम्मीदवारों को प्राथमिकता के आधार पर 250 किमी के भीतर परीक्षा केंद्र आवंटित किए जा रहे हैं, और आवश्यकता पड़ने पर यह दूरी 500 किमी तक बढ़ाई जा सकती है। धोखाधड़ी रोकथाम और तकनीकी नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

अब आधार-आधारित ई-केवाईसी, रीयल-टाइम फेस रिकग्निशन और फोटो सत्यापन परीक्षा प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा हैं। इसके अतिरिक्त, 7,000 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर 100% मोबाइल जैमर की तैनाती की गई है, जिससे जून 2025 की आरआरबी परीक्षाओं में शून्य-नकल का रिकॉर्ड कायम किया गया। योग्यता मानदंड और वेटलिस्ट प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाया गया है।

लेवल-1 पदों के लिए अब योग्यता में 10वीं पास, आईटीआई या नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट को शामिल किया गया है। वेटलिस्ट प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है, जिसमें जॉइन न करने वाले उम्मीदवारों की संख्या का पूर्व अनुमान लगाकर वेटिंग लिस्ट में शामिल उम्मीदवारों के लिए अनिश्चितता को कम किया गया है।

वर्ल्ड एक्सपो 2025 ओसाका : नमस्ते अभिवादन से हर्षित हुए जापानी

चिनाब ब्रिज से होकर गुजरती वंदे भारत एक्सप्रेस पर हुए मोहित

आजाद सिपाही संवाददाता

ओसाका। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो 2025 के इंडिया पवेलियन - भारत में रेल सप्ताह का अंतिम दिन है और मैं एक ऐसे स्वप्निल क्षण में खड़ा हूं झ जहाँ अंतरराष्ट्रीय सराहना और सांस्कृतिक भावनाएं साझा बह रही हैं। मैं केवल भारतीय इंजीनियरिंग और नवाचार के उत्सव का हिस्सा नहीं हूं, बल्कि राष्ट्रों के बीच एक आत्मीय जुड़ाव के अनुभव को भी साझा कर रहा हूं।

ओसाका के यूमेशिमा द्वीप की घुमावदार सड़कों पर, जहाँ यह भविष्यवादी एक्सपो आयोजित किया गया है, दुनिया दुनिया के 150 देशों से अधिक के उत्साहित दर्शक पहुँच रहे हैं झ विशेषकर जापानी जनमानस, जिन्होंने भारत पवेलियन को, और विशेष रूप से भारतीय रेलवे की प्रदर्शनी को, अपनी जरूरी यात्रा का हिस्सा बना लिया है।

इंडिया पवेलियन - भारत में बहती ऊर्जा को नजरअंदाज करना असंभव है। वंदे भारत एक्सप्रेस के भव्य मॉडल के सामने से गुजरते हुए झ जो सफेद और नीले रंगों की चमक में सजी है झ मैं देखता हूँ कि जापानी परिवार उल्लासपूर्वक सेल्फियाँ ले रहे हैं, बच्चे हाई-स्पीड ट्रेन के मॉडल को उत्सुकता से निहार रहे हैं और तकनीकी जानकार इसकी विशेषताओं को पुस्तक की तरह पढ़ रहे हैं। ये सब कुछ शानदार है, लेकिन जो मेरी आँखें नम कर देता है। वह है झ ह्लनमस्तेह्व का आदान-प्रदान। जापानी आगंतुक मुस्कान के साथ हाथ जोड़कर भारतीय वालंटियर्स और अधिकारियों का स्वागत करते हैं। यह केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि आपसी सम्मान का भाव है।

ओसाका में रहने वाली विश्वविद्यालय की छात्रा अकीको तनाका ने वंदे भारत के सामने पोज देते हुए कहा कि ह्लमुझे नहीं पता था कि भारत में इतनी तेज ट्रेनें भी चलती हैं! यह बहुत सुंदर है।ह्व और फिर ट्रेन की सीटी जैसी आवाज निकालकर मुस्कराते हुए कहती हैं, नमस्ते!

थोड़ा आगे, लोगों की भीड़ उस मिनिएचर मॉडल के चारों ओर जमा

है झ जो दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे पुल, चिनाब ब्रिज है। कुछ लोग तो इसकी अलग-अलग एंगल से फोटो खींचने के लिए नीचे झुक जाते हैं। नागोया के एक सेवानिवृत्त इंजीनियर बताते हैं, यह एक संरचनात्मक चमत्कार है और यह हिमालय में बना है झ यह अविश्वसनीय है।

लोहे में बुनी कहानियाँ: देश को एकसूत्र में पिरोती भारतीय रेल

इंडिया पवेलियन - भारत का रेलवे खंड केवल मशीनों की प्रदर्शनी नहीं है झ यह एक जीवंत कथानक है। यह उस सिस्टम की कहानी है जो हर दिन 2.3 करोड़ लोगों को उनके गंतव्य तक ले जाती है झ और यह कहानी दिखती है ऑगमेंटेड रियलिटी, इमर्सिव प्रोजेक्शन और वर्चुअल टूर के जरिए झ जो भारत के पहाड़ों, मैदानों, जंगलों और रेगिस्तानों से होकर गुजरती है।

इस कड़ी में, हिमालय की पहाड़ियों में एक उफनती नदी के ऊपर 359 मीटर ऊँचाई पर खड़ा चिनाब ब्रिज, केवल वास्तुकला का अजूबा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। इस प्रदर्शनी का एक और आकर्षण है झ अंजी खड्ड ब्रिज झ कश्मीर के कठिन भूभाग में बना यह भारत का पहला केबल-स्टेड रेल पुल है। पर्यटक शांत भाव से चुपचाप वीडियो कवरेज देखने को खड़े हैं, जिसमें कंस्ट्रक्शन वर्कर हिमपात और भूस्खलन के बीच जूझते हुए निर्माण कार्य को पूरा कर रहे हैं।

इन इंजीनियरिंग के चमत्कारों के बीच भी, भावनात्मक कथा ही सबसे अधिक प्रभाव डालती है। प्रदर्शनी का एक हिस्सा एक भारतीय रेलवे स्टेशन जैसा सजा है झ हिंदी में उद्घोषणाएं, चायवाले की आवाजें, और इंजन की घरघराहट झ जिससे कई जापानी दर्शक भावुक हो उठते हैं। यह तकनीकी से ज्यादा एक सांस्कृतिक क्षण था।

गर्व और खोज की साझी अनुभूति : वर्ल्ड एक्सपो में, जो मैं देख रहा हूँ, वह केवल अवसंरचना की प्रदर्शनी नहीं है; यह आपसी गर्व और खोज की एक साझी अनुभूति का क्षण है। जापानी परिवार, जिन्हें आमतौर पर शांत और संयमित माना जाता है, यहाँ खुल कर भाग ले रहे हैं। वे मॉडल्स के साथ पोज कर रहे हैं, भारतीय प्रतिनिधियों से बात कर रहे हैं, और ह्यवंदे भारतह्व व ह्यचिनाबह्व जैसे शब्दों को बोलने की कोशिश कर रहे हैं झ चेहरे पर उत्साह साफ झलकता है। कुछ तो भारतीय वालंटियर्स के साथ तस्वीरें खिंचवाने की गुजारिश करते हैं और उपहार या ओरिगामी क्रेन भी देते हैं। एक मार्मिक पल तब आता है, जब स्कूली बच्चे झुक कर एकसाथ कहते हैं झ ह्लनमस्ते इंडिया!ह्व और भारतीय रेल नेटवर्क के डिजिटल मानचित्र के सामने ग्रुप सेल्फी लेते हैं। एक स्थानीय निवासी कहते हैं झ ह्लयह केवल रेल नहीं, बल्कि भारत के दिल की बात है। यह सपनों की बात है झ जो कहीं न कहीं जा रहे हैं।

विश्व के साथ कदमताल : वर्ल्ड एक्सपो 2025 की थीम है झ हमारे जीवन के लिए भविष्य के समाज का निर्माण, जिसमें ह्यजीवन को बचाना, ह्यजीवन को सशक्त बनाना, और ह्यजीवन को जोड़नाह्व जैसे उप-विषय हैं। यह थीम भारत की प्रस्तुति में स्पष्ट झलकती है। भारतीय रेलवे झ जो स्मार्ट इंजीनियरिंग, हरित तकनीक और मानव-केन्द्रित गतिशीलता का उदाहरण है झ यह बताता है कि कैसे बुनियादी ढांचे को लोगों के लिए बनाया जाना चाहिए न कि केवल बाजार के लिए।

सौर ऊर्जा से संचालित स्टेशन, एआई-आधारित ट्रैफिक कंट्रोल, जल-संरक्षण उपाय और 2030 तक पूर्ण विद्युतीकरण का लक्ष्य झ यह सब इंटरेक्टिव टचस्क्रीन और डिजिटल टाइमलाइन में प्रदर्शित है झ जिसे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सहजता से समझ सकते हैं।

जब दुनिया भर में टिकाऊ विकास की चर्चा हो रही है, तब भारत की रेल प्रणाली यह दिखाती है कि यह कैसे किया जा सकता है झ निश्चयपूर्वक और सबको साथ लेकर।

अंतिम छाप: तकनीक, स्टील और मुस्कान : जैसे-जैसे सूर्यास्त होने लगता है, रेलवे सप्ताह के अंतिम दिन भी इंडिया पवेलियन-भारत में भीड़ बनी रहती है। लोग प्रदर्शनियां देख रहे हैं, तस्वीरें ले रहे हैं, बातें कर रहे हैं और रेल थीम आधारित संग्रहालय का दौरा कर रहे हैं। पास की दुकान से मसाला चाय की खुशबू और दूर कहीं से आती ट्रेन की सीटी की ध्वनि संगीत के साथ घुलती जा रही है।

मैं वंदे भारत के मॉडल के सामने ठिठकता हूं और एक फोटो लेता हूँ झ लेकिन इस बार मेरे साथ एक जापानी बच्चा है, जिसका हाथ ऊपर हवा में उठाए ट्रेन कंडक्टर की तरह हंसते हुए। उसके माता-पिता भारतीय वालंटियर्स के सामने झुककर कहते हैं। धन्यवाद, आपने हमें भारत का यह रूप दिखाया।

इसी क्षण तकनीक, परंपरा, स्टील और मुस्कान के इस संगम में झ मुझे कुछ शाश्वत मिलता है। मैं समझता हूँ कि भारतीय रेल, जिसे अब तक केवल लॉजिस्टिक चमत्कार के रूप में देखा गया था झ आज एक सांस्कृतिक पुल बन गया है झ जो भारत को दुनिया से जोड़ता है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

'सावन ग्लोरी' का धमाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्टोरी लाइन इंडिया और आर्टिस्टिक एलायंस द्वारा रांची में सावन ग्लोरी का धमाल 13 जुलाई को होटल आदित्य में हुआ। स्टोरी लाइन इंडिया और आर्टिस्टिक एलायंस के संयुक्त तत्वावधान मे 13 जुलाई को बरियातू स्थित होटल आदित्य में सावन मिलन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए मौज-मस्ती, नाच-गाना, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गेम्स और लंच की भी विशेष व्यवस्था थी। साथ ही सावन ग्लोरी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। स्टोरी लाइन इंडिया की फाउंडर साधना कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि महिलाएं खुद के लिए जीना सीखें, सावन के इस खूबसूरत मौके को खुल कर सेलिब्रेट करें। उन्होंने यह भी बताया कि कार्यक्रम के दौरान सावन ग्लोरी अवार्ड के माध्यम से प्रतिभागियों को सावन सम्मान भी प्रदान किया गया। वहीं, आर्टिस्टिक एलायंस की संस्थापक स्वपना चटर्जी ने कहा कि जैसे मोर बरसात में अपने पंख फैलाकर नाचने लगता है, वैसे ही महिलाएं भी थोड़े से मौके में पूरी दुनिया को जी लेना चाहती हैं। इस कार्यक्रम के जरिए हम सबको एक ऐसा मंच दिए, जहां वे पूरी आजादी से खुशियां मना सकें।

कार्यक्रम की थीम भी बेहद आकर्षक था सावन ग्लोरी के रंग, आप सब के संग। इस प्रोग्राम के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी दी गयी थी वसीम आलम को, जिन्होंने अपनी टीम के साथ सारे प्रोग्राम को मैनेज किया गया। फोटोग्राफी पार्टनर के लिए सचिन सिने पिक्स थे।

कार्यक्रम में चीफ गेस्ट रांची स्मार्ट सिटी के जनरल मैनेजर राकेश कुमार नांदकेओल्यर और ऑथर और स्टेट प्रेसिडेंट (झारखंड नेशनल ह्यूमन राइट काउंसिल) डॉक्टर मेघा रानी उपस्थित थीं। अतिथि के रूप में प्रमुख रूप से सतीश कुमार, शुभाशीष चटर्जी, वसीम आलम, अरशद उबैद, साबिर हुसैन, पम्प सेन और कई लोग उपस्थित हुए।

डिटरमिनेशन, डेडीकेशन और डिसिप्लीन चाहिए : जयराम महतो

जेएलकेएम आखिरी व्यक्ति तक की उम्मीद : देवेंद्रनाथ महतो

- सैकड़ों लोगों ने 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' की सदस्यता ग्रहण की

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' ने रविवार को कार्यकर्ता सम्मेलन एवं जनसभा किया। सम्मेलन माइकल जैक्सन ऑडिटोरियम बिस्टुपुर में हुआ। सम्मेलन में केंद्रीय अध्यक्ष जयराम कुमार महतो स्वयं पहुंचे और सांगठनिक कार्यो ंकी समीक्षा व आगे के टास्क पर चर्चा की। किन्नर समाज एवं छत्तीसगढ़िया समाज सहित हजारों लोगों ने सदस्यता ग्रहण किया। इसके बाद जुगसलाई कुकडाबेडा मैदान में जनसभा हुई। जनसभा संबोधन में जयराम कुमार महतो ने कहा कि डिटरमिनेशन, डेडीकेशन और डिसिप्लीन चाहिए। डिसिप्लीन पर विशेष रूप से हमारे कार्यकर्ताओं को ध्यान देने की आवश्यकता है।

वहीं संगठन केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने अपने हाथों से नये कार्यकर्ताओं को स्वागत करते हुए कहा कि 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' आखिरी व्यक्ति तक का उम्मीद है। हमारे आंदोलन से राज्य के कई मामलों पर फिलहाल एसआइटी, सीआइडी जांच चल रही है। हम सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए पूर्ण ईमानदारी के साथ कार्य करनी होगी। कुकडूबेड़ा मैदान में लोग अपने छतरी व बरसाती ओढ़ कर भी घंटों सभा के वक्तव्य को सुनते रहे। जिला अध्यक्ष किशोरी हांसदा ने कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष द्वारा सम्मेलन से पूर्व जनता दरबार लगाया गया। इसमें नियोजन, स्वास्थ्य, जमीन विवाद आदि जन समस्याओं समाधान पर पहल किया गया। इस सभा में दमयंती मुंडा, प्रेम मारडी, बेबी महतो, विनोद संवासी, तरुण महतो, गोपेश महतो, विष्णु विद्रोही, पिंकी देवी, राम प्रसाद महतो, रामदास मुर्मू, पूनम महतो, आदित्य महतो आदि संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

महत्वपूर्ण खबरें

श्री श्याम मित्र मंडल की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। श्री श्याम मित्र मंडल की बैठक 13 जुलाई को हरमू रोड स्थित श्री श्याम उपासना भवन (श्री श्याम मंदिर) में मण्डल के सभागार में अध्यछ सुरेश सरावगी की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने किया। बैठक में सत्र 2025-2027 के लिए निर्विरोध निर्वाचित होने वाले पदाधिकारियों व कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा होनी थी। बैठक में सुझाव आया कि फिर से एक बैठक आयोजित करनी चाहिए। अजय मारू ,अनुज मोदी, राजीव रंजन मित्तल, राजकुमार केडिया आदि ने अपने विचार रखे। मंडल के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने अध्यक्ष सुरेश सरावगी से विमर्श करके फिर से जल्द से जल्द बैठक पुनः बुलाने की घोषणा की। बैठक में गोपाल मुरारका, श्रवण ढांढनिया, संजय सराफ, पंकज गाड़ोदिया, गौरव अग्रवाल, श्याम सुंदर शर्मा, कविता मित्तल, राजेश ढांढनिया, अशोक लाडिया, रोहित अग्रवाल, विष्णु चौधरी, अनिल नारनोली,रतन सिंघानिया,आदित्या लोहिया, रतन शर्मा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।चुनाव पदाधकारी विश्वनाथ नारसरिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।

बाबा विद्यापति स्मारक समिति की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। बाबा विद्यापति स्मारक समिति के कार्यालय में रविवार को जयंत झा की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। इसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पवित्र माह सावन महीने के तीसरे सोमवारी को समिति के कार्यालय में रुद्राभिषेक यज्ञ का आयोजन किया जायेगा। पंडित मुकेश झा शास्त्री के द्वारा रुद्राभिषेक यज्ञ संपन्न कराया जायेगा। इसमें यजमान के रूप में आशु झा रहेंगे। बैठक में संगठन का विस्तारीकरण करते हुए आशु झा को उपाध्यक्ष, राजेश झा को संगठन सचिव एवं मनोज झा वैध को संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति समिति के अध्यक्ष द्वारा किया गया। समिति के अध्यक्ष द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारी को फूल माला, मिथिला पाग और शॉल देकर कार्यालय में सम्मानित किया गया। मौके पर अध्यक्ष जयंत झा, संयोजक सह मीडिया प्रभारी ज्ञानदेव झा, मुख्य महासचिव मृत्युंजय झा, उपाध्यक्ष आशु झा, संगठन सचिव राजेश झा, संयुक्त सचिव वैध मनोज झा, इनके अलावा समिति के राधेश्याम यादव, उदित नारायण ठाकुर, अजय सिंह, विश्व मोहन झा, बिन्दु शेखर झा, बॉबी शर्मा, बगरून शर्मा, अशोक पांडेय, भानु कच्छप, रमेश भारती, सुनील सिन्हा, बिमल कच्छप आदि उपस्थित थे।

झारखंड साहित्य संस्कृति मंच की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक संपन्न

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हिंदी साहित्य संस्कृति मंच की कार्यकारिणी की बैठक मंच के उपाध्यक्ष निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मंच के संरक्षक विनय सरावगी के कार्यालय स्वास्तिक भवन में हुई। इसमें मंच के सचिव विनोद सिंह गहवार, कोषाध्यक्ष कृष्णा विश्वकर्मा बादल, कार्यकारिणी सदस्य सुरिंदर कौर, गुरु कमल सिंह, मुक्ति शाहदेव, असित कुमार, कामेश्वर सिंह ,'कामेश' आदि उपस्थित रहे। कार्यकारिणी की बैठक में 3 अगस्त को 11 बजे पूर्वाह्न से वाइबीएन यूनिवर्सिटी, नामकुम के सभागार में मंच का स्थापना दिवस और तुलसी जयंती मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इसके अलावा बैठक में सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित किये गये। नये सदस्यों से वार्षिक/आजीवन सदस्यता शुल्क लेकर उन्हें पंजीकृत करना, मंच के गैर हिन्दी भाषी सदस्य जिन्होंने हिन्दी भाषा में किताबें लिखी हैं, उन्हें धनराशि के साथ सम्मानित करना, प्रत्येक कार्यक्रम में मंच के दो पुरुष और दो महिला सदस्य-साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित करना, प्रतिवर्ष 25 सितंबर को मंच के संरक्षक विनय सरावगी के साहित्यानुरागी एवं साहित्यकारों के परम हितैषी पिता के जन्म दिवस पर मंच की ओर से काव्य गोष्ठी का आयोजन करना, मंच की वार्षिक स्मारिका का प्रकाशन करवाना तथा प्रत्येक सदस्य के लिए आइडी कार्ड बनवाना है। बैठक का समापन मंच के कोषाध्यक्ष कृष्णा विश्वकर्मा के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

बंगाली एसोसिएशन रांची की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अल्बर्ट एक्का चौक रांची स्थित श्री दुर्गा बाड़ी के अतिथि शाला में रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे बंगाली एसोसिएशन झारखंड रांची की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष डॉ शेखर चौधरी ने की एवं संचालन रथिंद्र चटर्जी ने किया। उपरोक्त बैठक को संबोधित करते हुए पूरे झारखंड से आये आगंतुकों का बंगाली एसोसिएशन झारखंड रांची की ओर से विभाष सरकार ने सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात उक्त सभा में उपस्थित राज्यसभा सांसद डॉ महुआ मांझी एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के सर्वमान्य सुप्रियो भट्टाचार्य का विशेष स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय कमेटी के सुजीत घोष ने अपने वक्तव्य में कहा कि समस्त झारखंड में हमारी संस्था बांग्ला भाषा-भाषी को लेकर विभिन्न जिला प्रखंड एवं अंचल के माध्यम से लगभग 41 जगह पर हमारा क्रियाकलाप सुचारू रूप से चल रहा है।

राज्यसभा सांसद डॉ महुआ मांझी ने अपने वक्तव्य में बतलाया कि हम सभी बांग्ला भाषा भाषी किसी और प्रदेश या किसी और देश से आये हुए प्रवासी नहीं है, बल्कि हमारा वजूद आज झारखंड नामित राज्य में है, जबकि यहां रचने बसने वाले एवं बोलने लिखने वाले बांग्ला भाषा भाषी चिर परिचित बंगाली हैं। साथ ही हमारे पूर्वजों के द्वारा दिये गये ज्ञान, संस्कृति, सभ्यता एवं विचार को हम लोग आगे बढ़ने का काम करने का संकल्प लिया है।

समिति के सचिव असिम सरकार ने कहा कि आज बांग्ला समाज अर्थात बंगाली झारखंड में अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहा है, जबकि चाहे वह झारखंड निर्माण की बात हो चाहे वह देश में स्वतंत्रता की बात हो, बंगाली समाज ने अपना भरपूर योगदान दिया है। इसी के मद्देनजर आज हमारे पुरोधा पुरुष रविंद्र नाथ टैगोर को विश्व गुरु के रूप में जाना जाता है। साथ ही आजादी स्वरूप भारत के राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत दोनों को सुसज्जित करने में बंगालियों का ही सर्वोच्च स्थान रहा है। इसके बावजूद झारखंड जैसे प्रदेश में बांग्ला भाषा भाषी अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। अध्यक्ष डॉ शेखर चौधरी ने कहा कि आपस में एक-दूसरे के विषय में बातें ना कर बांग्ला समाज हित में क्या किया जाये, यह चिंता का विषय है एवं आगे एक रणनीति बनाकर समाज के हम सभी सदस्यों को एक झुकता दिखाने के साथ-साथ कुछ कार्य रूप देने की आवश्यकता है, तभी हम अपने समाज को किसी ऊंचे स्थान पर रख सकते हैं।

झामुमो के सुप्रिया भट्टाचार्य ने बतलाया कि बिना एक जूता के किसी भी कोई काम को अंजाम नहीं दिया जा सकता है, मैं झारखंड सरकार की ओर से आप सभी को अस्वस्थ करना चाहता हूं कि चाहे वह बांग्ला भाषा की पढ़ाई हो चाहे बांग्ला टीचर की बात हो जब तक हम में एक जूता नहीं होगी बंगाल के प्रति रुचि नहीं होगी हमारे आने वाले पीढ़ी को बंगाल के प्रति कोई रुचि नहीं होगी तब तक हम बांग्ला को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं इसमें सबसे बड़ी कमी हम जैसे बंगालियों की है जिस आने वाली पीढ़ी के लिए कुछ अच्छा करने की आवश्यकता है, अंत में केंद्रीय कमेटी के भास्कर दत्ता ने सभा को धन्यवाद ज्ञापन देते हुए अपने संबोधन में बतलाया कि झारखंड सरकार को यह जानना चाहिए कि समस्त झारखंड में सभी बांग्ला भाषा भाषी एक झूठ है जिसका प्रतिनिधित्व हम कुछ जिला के लोगों के साथ मिलकर बंगाली समाज के पुनरुत्थान हेतु जहां भी आवश्यकता होगी दिन-रात एक कर हम पूरे समाज के साथ खड़े हैं एवं जहां भी मेरी जरूरत होगी मैं समस्त बंगाली परिवार के साथ एक मंच पर खड़ा रहुंगा।

इस सम्मेलन सफल बनाने में सिद्धार्थ ज्योति राय,सेतांक सेन, राजा सेन गुप्ता, भास्वती मिश्रा, निलेश गुप्ता, मंतोष मजूमदार,प्रदीप राय, राथिंद्र चटर्जी, विभाष सरकार, सजल बनर्जी, सत्यजीत दास गुप्ता, मौसमी भट्टाचार्य एवं अजाना मित्रा ने अपना भरपूर सहयोग दिया।

महत्वपूर्ण खबरें

झारखंड कांग्रेस के विधायकों और सांसदों के साथ राहुल गांधी आज करेंगे बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। दिल्ली में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी झारखंड कांग्रेस के नेताओं के साथ सोमवार 14 जुलाई को बैठक करेंगे। हेमंत सोरेन सरकार में कांग्रेस कोटे से सभी मंत्री और विधायकों को विशेष रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं। झारखंड में संगठन विस्तार के साथ-साथ गठबंधन की सरकार की परफॉर्मेंस और जनता में वर्तमान सरकार के प्रति सोच को जानने की कोशिश राहुल गांधी करेंगे। सोमवार को दिल्ली में राहुल गांधी द्वारा ली जाने वाली बैठक की जानकारी देते हुए झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हम लोगों ने ही राहुल गांधी से समय मांगा था। हर दो-तीन महीने पर इस तरह की बैठक होती रहती है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 14 जुलाई की बैठक में संगठन सृजन कार्यक्रम के साथ-साथ वर्तमान महागठबंधन सरकार की अभी तक की उपलब्धियों की जानकारी भी कांग्रेस नेतृत्व को दी जायेगी। उन्होंने कहा कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल रहेंगे।

उत्थान संगठन जनहित सेवा की ओर से 20 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

रांची (आजाद सिपाही)। उत्थान संगठन जनहित सेवा की ओर से अध्यक्ष रेणु सिंह के नेतृत्व में रविवार को रांची के पुराना विधानसभा के समीप काली मंदिर में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 20 जोड़ों ने वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया और मुकेश नायक और विजय कुशवाहा उपस्थित थे। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए संगठन के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। मुकेश नायक ने कहा कि उत्थान संगठन ने दबे-कुचले, असहाय और गरीब परिवारों के बेटा-बेटियों का विवाह करा कर एक सराहनीय कार्य किया है। झारखंड सरकार को भी ऐसे कार्यों से प्रेरणा लेकर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि ऐसे महिला संगठनों को सरकारी सहयोग मिलना चाहिए, ताकि वे और बेहतर काम कर सकें। वहीं, विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से उत्थान संगठन समाजहित में निरंतर काम कर रहा है, चाहे वह महिलाओं को रोजगार दिलाने की बात हो या जरूरतमंदों की हर प्रकार से मदद। यह संगठन 24 घंटे समाज सेवा के लिए तत्पर रहता है।रहम सरकार से गोहार करते हुए मदद का आश्वासन देते है। समारोह में सभी नवविवाहित जोड़ों को उपहार भी भेंट किये गये और सामाजिक सद्भाव का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में विजय नायक, सतीश तिर्की, कृष्णा नायक, बलू सिंह, केसू सिंह, अनिता सिंह, देवानंद नायक, राजू नायक और राहुल सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे।

बिरला हनुमान मंदिर में रुद्राभिषेक का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची बरियातू के जोड़ातलाब स्थित बिरला हनुमान मंदिर प्रांगण में शंकर भगवान की प्रतिमा के पास रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व बिरला हनुमान मंदिर के प्रधान संरक्षक दयानंद प्रसाद सिंह ने किया। वहीं कार्यक्रम भूषण तिवारी के देखरेख में रुद्राभिषेक संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 200 पुरुष और महिलाएं शामिल हुए। रुद्राभिषेक के दौरान ढोल बजाया गया और कई पुजारियों ने पूजा-अर्चना की। इसके बाद खीर का भोग आम श्रद्धालुओं के बीच में वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूषण तिवारी, ओम पांडेय, मनजीत सिंह, आशुतोष अजय मिश्रा, रमाकांत सिंह, चिंटू कुमार, खगेश महतो, सुधीर कुमार आदि उपस्थित रहे। शंकर भगवान की आरती और वंदना की गयी। सोमवार से श्रावणी मेला का आयोजन किया जायेगा।

दिव्य ज्योति जागृति संस्था ने दिव्य उत्सव मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के रांची आश्रम में रविवार को गुरु पूर्णिमा का दिव्य उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वेद-मंत्रों के उच्चारण के साथ हुई। जनकल्याण की भावना व भक्ति मार्ग पर आत्मा को पुष्ट करते मधुर भजन गाये गये। सत्संग विचारों एवं भजनों के माध्यम से समझाया गया कि भगवान वेदव्यास के अवतरण का दिवस गुरु पूर्णिमा जीवन को पूर्णता की ओर बढ़ाने वाले सद्गुरु के प्रति आभार प्रकट करने का दिवस है। ईर्ष्या-द्वेष, क्रोध, वैमनस्य आदि अवगुण ही धर्म को समाप्त करते हैं। इन्हीं अवगुणों का विनाश करने के लिए संत-महापुरुष मानव को ईश्वरीय प्रकाश से जुड़ने के लिए प्रेरित करते है, क्योंकि जब तक आप ईश्वरीय प्रकाश से नहीं जुड़ेंगे, तब तक अवगुणों का अन्धकार समाप्त नहीं हो सकता। दिव्य गुरु आशुतोष महाराज जी का भी कथन है कि ब्रह्मज्ञान की वर्षा ही मानव के कलुषित मन को धोकर पाश्विकता में सने समाज को रहने योग्य बना सकती है। ब्रह्मज्ञान अर्थात ईश्वर का साक्षात दर्शन कर मानव के मन को परिवर्तित किया जा रहा है। साथ ही, दिव्य गुरुदेव की कृपा से अनेक सामाजिक प्रकल्पों द्वारा समाज में परिवर्तन हो रहा है। हमें भी इसमें अपना पूर्ण सहयोग देना है।

सत्संग विचारों के उपरांत गुरुदेव की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद एक मन, एक स्वर से आरती गयी गयी। दिव्य गुरु की दिव्य स्मृति में प्रेरक विचार प्रस्तुत किए और सभी को गुरुदेव के मार्गदर्शन और निर्देशों का ईमानदारी से पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सद्गुरु आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी स्वाति भारती, साध्वी पीतांबरा भारती, साध्वी अमृता भारती, स्वामी धनंजयानंद ने गुरु महिमा पर विस्तार से बताया।

गायक गोपालजी, गायिका लक्ष्मी जी, शोभाजी और प्रीति भारती ने सुमधुर भजनों के द्वारा गुरु महिमा का गायन किया, जिनका तबले पर पप्पू और पैड पर अभिषेक ने संगत दिया।

कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य रूप से सुभाष मुखोपाध्याय, राजकुमार पोद्दार, प्रेम शंकर प्रेमी, ललन प्रसाद साहू, संजय सिंह, अजय, सतीश गुप्ता, दिनेश सोनी, शिव शंकर शाह, बबलू , राजेश, इंद्रजीत यादव, सर्वेश कुमार सहित अन्य लोगों की भूमिका रही।

शपथ पत्र

शपथ पत्र संख्या 935 दिनांक 07.03.2025 के अनुसार मैं, सुन्दर प्रसाद, पिता मानिकचंद महतो उम्र लगभग 44 वर्ष, धर्म हिन्दू पेशा-गृहणी, राष्ट्रीयता भारतीय निवासी ग्राम-शिव नगर, चिकोर, पो० भदानीनगर, थाना-पतरातू जिला-रामगढ़ (झारखण्ड) शपथ पूर्वक निम्नलिखित ब्यान करता हूँ कि :-

1. यह कि, मेरी पुत्री का सत्य व सही नाम रितिका रंजन (RITIKA RANJAN) है जो उसके शैक्षणिक प्रवेश पत्र मैट्रिक में दर्ज है जिसका रजि० नं०-27014-02313-21 और नामांकन पत्र संख्या 2224037 है।
2. यह कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में मेरी पुत्री का नाम शुबू कुमारी (SHUBU KUMARI) देन है। जिसका आधार कार्ड संख्या 5588 6068 4081 है।
3. यह कि, रितिका रंजन (RITIKA RANIAN) एवं शुबू कुमारी (SHUBU KUMARI) दोनों नाम एक ही लड़की का है जो कि मेरी पुत्री है।
4. यह कि, यह शपथ-पत्र मैं संबंधित विभाग में देने हेतू निष्पादित कर रहा हूँ।
5. यह कि उपरोक्त कथन सत्य एवं सही है।

'शिक्षा के मंदिर'

अध्यापक ही बच्चों को सही शिक्षा देकर ज्ञानवान बनाते हैं, परंतु आज चंद अध्यापक-अध्यापिकाएं अपनी मयार्दा को भूल कर बच्चों पर अमानवीय अत्याचार कर रहे हैं। हद तो यह है कि कुछ स्कूलों में अध्यापक-अध्यापिकाएं तलाशी के नाम पर छात्राओं के कपड़े उतारने जैसे अमानवीय कृत्यों में संलिप्त पाये जा रहे हैं जिनके चंद उदाहरण इस प्रकार हैं। 12 जनवरी को धनबाद (झारखंड) के एक स्कूल के प्रिंसीपल ने स्कूल में एक समारोह के दौरान दसवीं कक्षा की 80 छात्राओं को अपनी शर्ट उतार कर केवल ब्लेजर में घर जाने को मजबूर किया जिस पर छात्राओं के परिजनों ने स्कूल में आकर भारी हंगामा किया। 12 मार्च को रायसेन (मध्य प्रदेश) के उदयपुरा में एक अध्यापिका ने 10वीं कक्षा की बोर्ड की परीक्षा देने आई एक छात्रा की तलाशी के नाम पर भरी क्लास में उसके कपड़े उतरवा दिये और छात्रा के विरोध करने पर उसे क्लास से बाहर निकाल दिया। घटना से स्तब्ध छात्रा स्कूल परिसर में ही गिर गयी और अपने पिता तथा भाई को फोन करके सूचित किया। 30 मार्च को अमेठी (उत्तर प्रदेश) में बहादुरपुर स्थित एक स्कूल में एक छात्र के 30 रुपये गुम हो जाने की शिकायत मिलने पर एक अध्यापिका द्वारा सातवीं कक्षा की एक छात्रा के कपड़े उतरवा कर तलाशी लेने और पैसे नहीं मिलने पर जातिसूचक गालियां देकर धमकाने से आहत पीड़िता डिप्रैशन में आ गयी और 2 दिनों तक डरी-सहमी रही। किसी तरह बच्ची की मां ने उसे दिलासा देकर उसकी खामोशी का कारण पूछा तो उसने अपनी मां को सारी बात बताई जिस पर बच्ची की मां ने पुलिस में स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई। और अब 9 जुलाई को ठाणे (महाराष्ट्र) स्थित एक निजी स्कूल की छात्राओं को मासिक धर्म हो रहा है या नहीं इसका पता लगाने के लिए 10 लड़कियों के कपड़े उतरवाने के आरोप में पुलिस ने स्कूल की प्रिंसीपल तथा एक अन्य कर्मचारी को गिरफ्तार करने के अलावा 4 अध्यापिकाओं व 2 ट्रस्टियों के विरुद्ध पोक्सो अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि स्कूल के कर्मचारियों ने 8 जुलाई को टायलैट में खून के धब्बे देख कर इसकी सूचना अध्यापिकाओं और प्रिंसीपल को दी थी। इसके पीछे कौन जिम्मेदार है यह जानने के लिए पांचवीं से दसवीं कक्षा तक की छात्राओं को बुला कर पूछा गया कि कौन-कौन मासिक धर्म में है। अध्यापिकाओं ने हाथ उठाने वाली छात्राओं के अंगूठे के निशान सहित सभी विवरण दर्ज किये और अन्य लड़कियों को टायलेट में ले जाकर उनके कपड़े उतरवा कर जांच की। तलाशी के नाम पर छात्राओं को इस प्रकार लज्जित करने के मामलों का सामने आना गंभीर चिंता का विषय है, जो अध्यापक-अध्यापिकाओं के एक वर्ग में घर कर गयी संवेदनहीनता का परिणाम है। इस तरह का आचरण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की तुरंत आवश्यकता है।

तलाशी के नाम पर छात्राओं को इस प्रकार लज्जित करने के मामलों का सामने आना गंभीर चिंता का विषय है, जो अध्यापक-अध्यापिकाओं के एक वर्ग में घर कर गयी संवेदनहीनता का परिणाम है।

अभिमत आजाद सिपाही

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (इएलआइ) योजना देश की श्रमशक्ति के लिए एक स्वागत योग्य राहत है। एक मजदूर संगठन (ट्रेड यूनियन) के तौर पर, हम इसे एक ऐसे दीर्घकालिक मांग के रूप में देखते हैं, जोकि आखिरकार साकार हो रही है। यह एक ऐसी सक्रिय नीति है, जो रोजगार सृजन, कौशल विकास और औपचारिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम इस अनूठी पहल की शुरुआत करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं।

अधिकारों और गरिमा से लैस श्रमशक्ति का निर्माण: इएलआइ योजना की भूमिका

हिरण्मय पंड्या

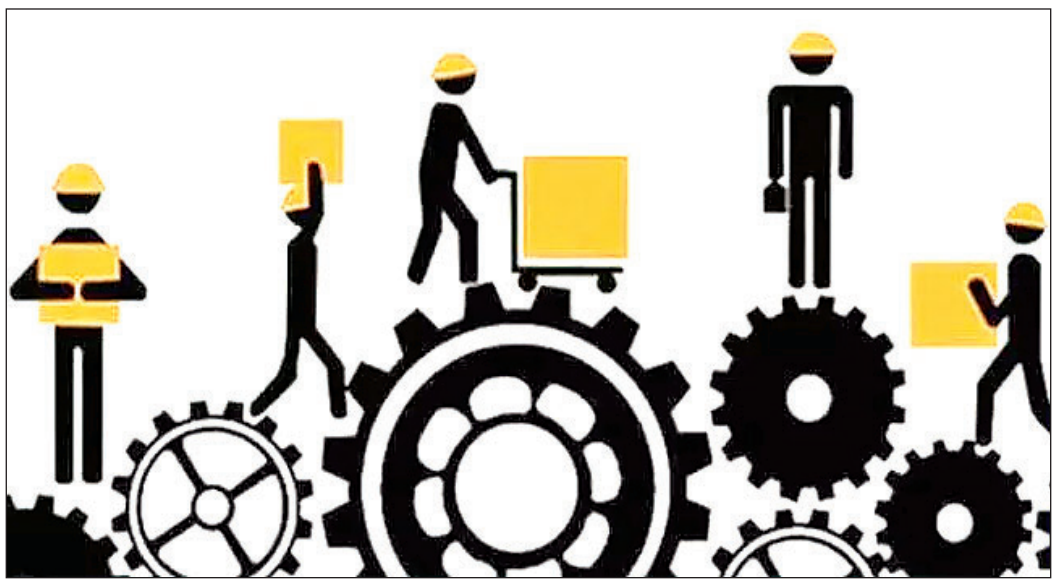

भारत सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकृत की गयी बहुप्रतीक्षित रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (इएलआइ) योजना देश की श्रमशक्ति के लिए एक स्वागत योग्य राहत है। एक मजदूर संगठन (ट्रेड यूनियन) के तौर पर, हम इसे एक ऐसे दीर्घकालिक मांग के रूप में देखते हैं, जोकि आखिरकार साकार हो रही है। यह एक ऐसी सक्रिय नीति है, जो रोजगार सृजन, कौशल विकास और औपचारिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम इस अनूठी पहल की शुरुआत करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। इससे 3.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों में 1.9 करोड़ से अधिक पहली बार काम करने वाले श्रमिक भी शामिल हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस योजना को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में श्रमिकों को प्राथमिकता देने की सरकार के इरादे की पुष्टि के रूप में देखता है।

इएलआइ योजना एक ऐसे व्यापक रोजगार सहायता ढांचे का हिस्सा है, जो पिछले वर्ष शुरू की गयी सरकार की इंटर्नशिप एवं कौशल विकास योजनाओं जैसी मौजूदा पहलों का पूरक है। कुल मिला कर इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विशेष रूप से नौकरी की सुलभता और सामाजिक सुरक्षा कवरेज के मामले में ऐतिहासिक रूप से पिछड़े श्रेणी 2 और श्रेणी 3 वाले शहरों के युवाओं के लिए रोजगार क्षमता को बेहतर बनाना, औपचारिक रोजगार की राह तैयार करना तथा श्रम सुरक्षा को मजबूत करना है।

इएलआइ योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत के कौशल एवं रोजगार के व्यापक ढांचे के अनुरूप ढली हुई है।

कर्मचारियों के खातों में सीधे योगदान देकर, यह योजना नियोक्ताओं के लिए औपचारिकीकरण की लागत को कम करती है और युवाओं एवं पहली बार काम करने वाले कर्मियों को औपचारिक श्रमशक्ति का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। इससे पेंशन, स्वास्थ्य सेवा और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा लाभों की सुलभता सुनिश्चित होती है। इसके अलावा, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमइ) को अतिरिक्त सहायता प्रदान करके, यह योजना रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी इलाकों और समुदायों में समान आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का वादा भी करती है।

यह योजना न केवल श्रमिकों के लिए एक नया अवसर पेश करती है, बल्कि सम्मानजनक, स्थिर और समावेशी रोजगार की दिशा में एक सार्थक बदलाव को भी दर्शाती है।

श्रमशक्ति में प्रवेश और औद्योगिक संबंधों को ठोस बनाना

इएलआइ योजना का सबसे सराहनीय पहलू यह है कि यह औपचारिक रोजगार और वित्तीय साक्षरता से जुड़े 15,000 रुपये तक के प्रत्यक्ष प्रोत्साहन के जरिए नौकरियों में प्रवेश करने वाले नये लोगों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। कई लोगों के लिए, यह अनौपचारिक से हट कर अधिकार-आधारित व गरिमापूर्ण रोजगार की दिशा में बढ़ते हुए अनुबंधों, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा से लैस कामकाज के व्यवस्थित माहौल से उनका पहला परिचय है।

बीएमएस लंबे समय से श्रमिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले ऐसे बदलावों की हिमायत करता रहा है।

औपचारिकीकरण केवल वेतन-भुगतान से संबंधित अनुपालनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नियोक्ता-कर्मचारी के बीच के संबंधों की प्रकृति को भी मौलिक रूप से बदल देता है। सुरक्षा और सम्मान पाने वाले कर्मचारी अधिक योगदान देते हैं, लंबे समय तक टिके रहते हैं और भरोसे का निर्माण करते हैं। यह कर्मचारियों के लिए पेंशन, चिकित्सा संबंधी लाभ, भविष्य निधि से जुड़ी बचत और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता की सुलभता सुनिश्चित करता है।

यह योजना ट्रेड यूनियन के साथ सार्थक जुड़ाव, संस्थागत शिकायत निवारण और कार्यस्थल से जुड़े विवादों में कमी लाने की गुंजाइश बनाती है।

इस दृष्टि से इएलआइ योजना का आशय केवल रोजगार सृजन से ही नहीं है, बल्कि पारस्परिक सम्मान एवं साझा विकास पर आधारित एक अपेक्षाकृत अधिक न्यायसंगत एवं सहभागी कामकाज की दुनिया को आकार देने से भी है।

कौशल निर्माण, गतिशीलता और सतत रोजगार

इएलआइ योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत के कौशल एवं रोजगार के व्यापक ढांचे के अनुरूप ढली हुई है। इससे ऐसा रोजगार सुनिश्चित होता है, जो टिकाऊ और सशक्त दोनों हो। वित्तीय साक्षरता, अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों, आइटीआइ सुधारों और भर्ती से जुड़े कौशल (प्लेसमेंट लिंक्ड स्किलिंग) को जोड़ कर, यह योजना कौशल हासिल करने से लेकर गरिमापूर्ण काम पाने तक का एक स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करती है। इसका ध्यान केवल नौकरी में प्रवेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने और करियर में प्रगति पर भी केंद्रित है। इससे युवा श्रमिकों को औपचारिक श्रम बाजारों के साथ जुड़े रहने में मदद मिलती है।

खासकर, महामारी के बाद की अनिश्चितताओं और तेजी से बदलते तकनीकी बदलावों की पृष्ठभूमि में। इससे दीर्घकालिक रोजगार और विकास सुनिश्चित होता है।

राष्ट्रीय प्रगति की साझा जिम्मेदारी

इएलआइ योजना सही साधन प्रदान करती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि यूनियन, राज्य और अन्य संगठनों जैसे सभी हितधारक इसके साथ किस प्रकार जुड़ते हैं। यह योजना ट्रेड यूनियनों को नए औपचारिक श्रमिकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और अपने कार्यस्थलों को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सकें। रोजगार सृजन के साथ-साथ कार्यस्थल पर मजबूत लोकतंत्र, बेहतर श्रम-प्रबंधन संवाद और समस्याओं के समाधान में सहयोगात्मक रवैये को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

भविष्य में इएलआइ योजना भारत के विकास से जुड़े दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। जैसे-जैसे हम विकसित भारत@2047 के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य विकास या औद्योगिक विस्तार से परे जाकर एक कुशल, संरक्षित, प्रेरित तथा अर्थव्यवस्था में औपचारिक रूप से समन्वित श्रमशक्ति का निर्माण करना होना चाहिए।

इएलआइ योजना इसी दृष्टिकोण के अनुरूप है और यह एक ऐसे भविष्य की नींव रखती है जहां युवा सशक्त और औद्योगिक संबंध सहयोगात्मक हों।

बीएमएस इस दूरदर्शी कदम की सराहना करता है और श्रमिकों एवं राष्ट्र की बेहतरी के लिए इसके प्रति अपना रचनात्मक समर्थन व्यक्त करता है।

(लेखक : भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष हैं।)

कोल्हान की खबरें

जमशेदपुर में शेफाली जरीवाला को दी गयी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर में अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की मौत पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जमशेदपुर कलाकार मंच के द्वारा कचहरी रोड स्थित आरती प्रसाद के आवास पर आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा में कई लोग मौजूद थे। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रदेश मंत्री सह प्रदेश प्रवक्ता सपना गुप्ता और कुमारी शिल्पा नामता के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कई लोग मौजूद थे, जिन्होंने शेफाली जरीवाला को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में शकुंतला देवी बाग, सीमा नामता, वापी नामता, प्रिंस कुमार नामता, गायत्री नामता, रीना बत्ती, मनीषा बत्ती, रूबिनी भूमि, पुष्प लता वाला भूमिज, डिंपल जायसवाल, सीमा जयसवाल, पपाई चक्रवर्ती, सजना चक्रवर्ती, ज्योति दास, शिखा दुबे, रिया महतो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई जारी रखने की मांग पूरी होने पर निकाला विजय जुलूस

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। राज्यपाल के आदेश पर डिग्री कॉलेजों में 12वीं कक्षा को हटाने और 11वीं में नामांकन बंद करने के फैसले के खिलाफ चल रहे एक महीने लंबे छात्र आंदोलन को आंशिक सफलता मिली है। छात्रों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने 12वीं की पढ़ाई को यथास्थान जारी रखने की घोषणा की। रविवार को इंटरमीडिएट बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले सैकड़ों छात्रों ने साकची आम बागान मैदान से साकची गोलचक्कर तक विजय जुलूस निकाला और सभा का आयोजन किया।विजय जुलूस में विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के साथ छात्र प्रतिनिधि भी शामिल रहे।सभा को संबोधित करते हुए समिति के सदस्य शुभम झा ने कहा ह्लयह आंदोलन की आंशिक जीत है। इसका श्रेय हर उस छात्र-छात्रा, अभिभावक, शिक्षक, बुद्धिजीवी और समाज के लोगों को जाता है जिन्होंने संघर्ष को समर्थन और सहयोग किया।उन्होंने कहा आगे भी अन्य मांगों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर रिंकी बांसियार, अमन सिंह, सोनीसेन गुप्ता, झरना महतो, सबिता सोरेन, कामेश्वर प्रसाद, पूजा, दीपा गोराई, दीपन्निता आचार्य, ठाकुर प्रसाद बास्के, मनीषा, राखी, सीता, रोशनी, सचिन, अनुज, जयंत, समीर महतो सहित दर्जनों कॉलेजों से सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

आशियाना अनंतारा में सावन महोत्सव, नेहा गुप्ता बनी क्वीन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। शहर के मानगो स्थित आशियाना अनंतारा सोसाइटी में महिलाओं ने हरे रंग की साड़ी और चूड़ियों के साथ पारंपरिक अंदाज में सावन महोत्सव मनाया।रविवार को कार्यक्रम में मेहंदी,चूड़ी पहनना, म्यूजिकल चेयर, सावन गीत और शिव वंदना जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। नेहा गुप्ता को ओवरऑल विजेता घोषित कर सावन क्वीन का खिताब दिया गया। कार्यक्रम में प्रियंका सिंह, चंचल कुमारी, सोना सिंह, पूजा सिंह, ज्योति गुप्ता, अंजलि गुप्ता, दीपा सिंह, हिना गुप्ता, सुमन देवी, माधवी वर्मा और खुशबू सिंह समेत कई महिलाएं शामिल रहीं।

को-ऑपरेटिव कॉलेज में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का अभ्यास वर्ग संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। को-ऑपरेटिव महाविद्यालय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास जमशेदपुर विभाग के द्वारा एक दिवसीय अभ्यास वर्ग आयोजित की गयी। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य आथिति डॉ पीके पाणी (कुलपति, नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय) विशिष्ट अतिथि डॉ अंगद तिवारी (उपकुलपति, अर्का जैन विश्वविद्यालय), सम्मानित अतिथियों में डॉ बीएन प्रसाद (पूर्व प्राध्यापक, एनआइटी), डॉ अमर सिंह (प्राचार्य, को-ऑपरेटिव महाविद्यालय), विद्यासागर लाभ (विभाग सह-कार्यवाह, आरएसएस), मनोज कुमार सिंह (पूर्व सदस्य, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग), डॉ राजीव कुमार (प्राध्यापक, भौतिकी विभाग को-ऑपरेटिव महाविद्यालय) सहित अन्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। डॉ कविता परमार ने सभी अतिथियों का परिचय कराए और डॉ अमर सिंह ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा अभ्यास वर्ग में नई शिक्षा नीति, भारतीय ज्ञान परंपरा और संगठन विस्तार पर सारगर्भित विचार रखे गये। मौके पर कोल्हान प्रमंडल के विभिन्न महाविद्यालयों से 50 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता दी। मौके पर डॉ विजय कुमार सिंह, डॉ पियूष रंजन, महेन्द्र सिंह, डॉ रंजीत प्रसाद, डॉ कविता परमार,श्रीमन नारायण त्रिगुण, डॉ रागिनी भूषण ने अभ्यास वर्ग की गरिमा बढ़ाई। प्रथम सत्र की शुरूआत डॉ अमर सिंह के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार प्रकट की। तत्पश्चात डॉ रंजीत कर्ण ने विषय प्रवेश कराते हुए अभ्यास वर्ग की संकल्पना और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। डॉ विजय कुमार सिंह ने न्यास की स्थापना यात्रा और 2004 के शिक्षा बचाओ आन्दोलन से 2007 में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना तक की कथा साझा की।

शिविर में 151 यूनिट रक्त संग्रह, दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति ने जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति के तत्वावधान में आमबगान स्थित बंगाल क्लब सभागार में एकदिवसीय महारक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रविवार को सुबह 9 बजे से संध्या 4 बजे तक चले शिविर में शहर के सैकड़ों रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में कुल 151 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। शिविर में सैकड़ों रक्तदाताओं के साथ पूर्व राज्यपाल रघुवर दास, राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, सांसद विद्युत वरण महतो,पूर्व विधायक अरविंद सिंह व कुणाल षाड़ंगी, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, उपाध्यक्ष पंकज सिंहा, सदस्य डॉ परितोष सिंह व डॉ कविता परमार, समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामबाबू तिवारी, नंदजी प्रसाद, दिनेश कुमार, कुलवंत सिंह बंटी, शिवशंकर सिंह, आजसू जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, रविंद्र झा,गुंजन यादव, संजीव कुमार,शंकर रेड्डी, भूतपूर्व सैनिक परिषद के प्रतिनिधि सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे। रक्तदान शिविर में शहर की विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और सेवा कार्य को अपना समर्थन दिया। समिति की ओर से सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में बंगाल क्लब, प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन और जमशेदपुर ब्लड सेंटर का विशेष सहयोग रहा। मौके पर समिति के अध्यक्ष अचिंतम गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं, दुर्गा पूजा समिति के प्रतिनिधियों और शहरवासियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अचिंतम गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, महासचिव आशुतोष सिंह, सचिव रामबाबू सिंह, वरीय उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, उपाध्यक्ष नीरज सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, अशोक सिन्हा, गौतम प्रसाद, परमात्मा मिश्रा, संयोजक प्रमोद तिवारी, शंभू मुखी, सत्येंद्र कुमार, अंकेक्षक प्रदीप दास और अन्य मौजूद रहे।

झामुमो नेता पर जमीन कब्जा करने का आरोप

आदित्यपुर (आजाद सिपाही)। आदित्यपुर थाना क्षेत्र के जमीन विवाद ने अब राजनीतिक रंग ले लिया। रविवार को नगीनापुर निवासी विवेक उपाध्याय ने झामुमो नेता गणेश महाली पर जबरन जमीन कब्जा करने और सीसीटीवी कैमरा तोड़ने का आरोप लगाया। विवेक का कहना है बीते 11 जुलाई को महाली ने अपने समर्थकों के साथ विवादित जमीन पर झामुमो का झंडा लगाकर बाउंड्री वॉल को रंगवा दिया। वही दूसरी ओर गणेश महाली ने जमीन को वैध बताते हुए सभी दस्तावेज थाना में पेश किए। उन्होंने आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया। जानकारी मिलने पर आदित्यपुर थाना प्रभारी विनोद तिर्की ने दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच करने की बात कही।

सीपी समिति मध्य विद्यालय प्रबंधन समिति का विस्तार, पदाधिकारियों ने ली शपथ

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। केबुल बस्ती स्थित सीपी समिति मध्य विद्यालय प्रबंधन समिति के नव निर्वाचित अध्यक्ष दिनेश कुमार ने कमिटी विस्तार किया। रविवार को विधायक पूर्णिमा साहू और भूपेंद्र लोधी (चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर, आरकेएफएल) ने माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।मौके पर विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा विद्यालय छत्तीसगढ़ी समाज की अमूल्य विरासत है। जिसे सहेजना सबकी जिम्मेदारी है।भूपेंद्र लोधी ने कहा शिक्षित समाज ही राष्ट्र निर्माण में सहायक है। संरक्षक खेमलाल चौधरी ने विद्यालय की गौरवशाली उपलब्धियां गिनायी। मौके पर अध्यक्ष दिनेश कुमार ने समाज से मिली जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस अवसर पर नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। साथ ही सभी को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन महासचिव परमानंद कौशल और स्वागत भाषण प्रधानाध्यापक अमित कुमार सिंह ने दी। इस अवसर पर संरक्षक विधायक पूर्णिमा साहू, खेमलाल चौधरी समेत समाज के कई वरिष्ठजन, शिक्षकगण और सैकड़ों समाज के लोग उपस्थित रहे।

कांवर यात्रा के लिए पंजीयन शुरू, 25 को एक हजार शिवभक्त सुल्तानगंज के लिए होंगे रवाना

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बाबा बैधनाथ सेवा संघ के बैनर तले इस वर्ष भी निशुल्क कांवर यात्रा का आयोजन किया गया। कांवर यात्रा के लिए पंजीयन की जारही है। संघ के विकास सिंह ने बताया कांवर यात्रा के लिए सोनारी, कदमा और मानगो के विभिन्न केंद्रों पर पंजीयन जारी है। 25 जुलाई को 1000 शिवभक्त जमशेदपुर से सुल्तानगंज के लिए रवाना होंगे। यात्रा में डॉक्टर, नर्स और एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गयी है। यात्रा पूरे आठ दिनों की होगी।

संघर्ष और आंदोलन से ही विकास संभव : अभय सिंह

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पूर्वी सिंहभूम के श्यामसुंदरपुर प्रखंड में भाजपा नेता अभय सिंह के नेतृत में एक बैठक का आयोजन किया गया। रविवार को बैठक में अभय सिंह ने कार्यकताओं संग जनजातीय क्षेत्र की समस्याओं और मौलिक सुविधाओं के अभाव पर चर्चा की। मौके पर उन्होंने कहा संघर्ष और आंदोलन के जरिए ही क्षेत्र में विकास संभव है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए नये कार्यकर्ताओं को जोड़ने की सलाह दी। इस दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। मौके पर ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव, जिला सदस्यता प्रभारी लखन मार्डी समेत कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रारो गांव में जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी झड़प, आधा दर्जन घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई । डंडई थाना क्षेत्र के रारो गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडे से जमकर मारपीट हो गयी, जिसमें दोनों पक्ष के करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गये। जानकारी के अनुसार घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक पक्ष के मंतु यादव प्रमोद यादव नन्हकी देवी मंती देवी कमोदा देवी तथा दूसरे पक्ष के उषा देवी सुखन यादव सहित कई का नाम शामिल है। एक पक्ष की रामाधार यादव ने बताया कि 44 डिसमिल जमीन को लेकर गांव के ही सुखन यादव मुखन यादव, लालमोहन यादव, नंदू यादव, नंदकुमार यादव, धर्मेंद्र यादव, कमला कुंवर, उषा देवी, मनिका देवी के द्वारा लाठी डंडे और कुल्हाड़ी से हम लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया। उसने बताया कि 44 डिसमिल जमीन में मेरा पूर्वजों के समय से ही जोत कोड होते आ रहा है और उसमें घर भी है। लोगों के द्वारा उक्त जमीन को अपना बताते हुए एक राय होकर लाठी डंडे से लैस होकर घर को तोड़ने के लिए दबाव बनाया गया। जब हम लोग घर नहीं तोड़ने का विरोध किया, तो उक्त लोग मारपीट कर हम लोगों को घायल कर दिया। तो वहीं दूसरा पक्ष के नंदकुमार यादव का कहना है कि 10 फीट लंबी हमारी जमीन को मंटू यादव, प्रमोद यादव वगैरह के द्वारा कब्जा किया जा रहा था, जिसको लेकर विवाद बढ़ी थी। जब हम लोग उसका विरोध किये, तो उक्त लोग मारपीट पर उतारू हो गये और हम लोगों को लाठी डांटे से जमकर मारपीट कर घायल कर दिया गया। न्याय को लेकर स्थानीय थाना में हम लोगों ने आवेदन दिया है। मामले में थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर मारपीट की घटना घटी है, जिसमें एक तरफ के तीन और दूसरे तरफ के दो लोग घायल हुए हैं। घायलों का इंजरी काटकर इलाज के लिए भेज दिया गया है। वहीं दोनों तरफ से मामले को लेकर आवेदन मिला है।

मंडल डैम से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर उपायुक्त ने किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। मंडल डैम परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव ने रंका प्रखंड के विश्रामपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम विश्रामपुर स्थित बरवाहा टोला में चिन्हित पुनर्वास स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, अनुमंडल पदाधिकारी रंका रुद्र प्रताप, प्रखंड विकास पदाधिकारी रंका शुभम बेला टोपनो तथा अंचल अधिकारी रंका शिवपूजन तिवारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त श्री यादव ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि इस स्थान को समग्र विकास की दृष्टि से विकसित किया जायेगा। यहां पुर्नस्थापित होने वाले परिवारों के साथ-साथ पहले से निवास कर रहे ग्रामीणों के लिए भी सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, स्वच्छता सहित अन्य मूलभूत एवं विकासपरक योजनाओं को सुनिश्चित किया जायेगा। उपायुक्त ने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसी को भी विस्थापन के कारण कठिनाई न हो और सभी को बेहतर जीवन-स्तर उपलब्ध कराया जाये। पुनर्वास स्थल पर समुचित आधारभूत संरचना विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

प्रशासन का यह प्रयास है कि मंडल डैम परियोजना के सफल क्रियान्वयन के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक पुनर्वास मिले।

आइटीआइ की वार्षिक परीक्षा को लेकर केंद्राधीक्षक एवं दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त

गढ़वा (आजाद सिपाही)। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड, रांची द्वारा राज्य के विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में आयोजित होने वाली वार्षिक परीक्षा (जुलाई 2025) के सफल एवं कदाचारमुक्त संचालन हेतु गढ़वा जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। परीक्षा 17 जुलाई से 22 जुलाई 2025 तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव द्वारा जिले के सात परीक्षा केंद्रों-औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गढ़वा; औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भंडरिया; औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, झगराटांड़; महिला प्राइवेट आईटीआई, कल्याणपुर; प्राइवेट आईटीआई, रंका खुर्द रंका; गांधीयन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अचला नावाडीह, शाहपुर रोड, सोह; एवं ओम प्राइवेट आईटीआई, औरेया, मेराल में केंद्राधीक्षक एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गय है। परीक्षा की अवधि के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा, रंका एवं श्रीबंशीधर नगर अपने-अपने क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था की निगरानी करते हुए प्रशासनिक सतर्कता बनाए रखेंगे।

कसौधन वैश्य महिला मंच ने पौधरोपण किया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। कसौधन वैश्य समाज महिला मंच गढ़वा के द्वारा समाज के उपाध्यक्ष सुरेंद्र कश्यप के चिनिया रोड स्थित चारदिवारी के अंदर वृक्षारोपण का कार्य किया गया। मौके पर महिला मंच के अध्यक्ष कंचन कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर एक पेड़ मां के नाम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जा रहा है। यह कार्य अब लगातार किया जायेगा। महिला मंच के द्वारा हर वर्ष वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है। हम लोग समाज के ही सदस्य के खाली पड़े बाउंड्री के अंदर वृक्षारोपण का कार्य करते हैं। जिससे पौधा लगाकर उस की देख भाल हो सके उसे बचाने का कार्य किया जाये। हम सभी महिलाओ से आग्रह करते है ।आप भी अपने घर के हर ऐक सदस्य के हाथों हाथो पौधारोपण कराये जिससे पर्यावरण संतुलित रहे। इस पुनीत कार्य में शामिल हो कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहभागी बने महिला मंच के संरक्षक शोभा कश्यप, सचिव अर्चना कश्यप, सदस्य विनीता कश्यप, प्रमिला कश्यप, उषा कश्यप, उन्नति, अनन्या, सिखा कुमारी उपस्थित थे।

आजसू नेता की पत्नी का हृदयाघात से निधन

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत अरसली उतरी गांव निवासी सह आजसू पार्टी के केंद्रीय समिति सदस्य रविंद्रनाथ शर्मा की पत्नी किरण देवी (उम्र 41 वर्ष) का रविवार सुबह हृदयाघात से निधन हो गया। परिवारिक सूत्रों के अनुसार किरण देवी खेत से मुंग तोड़कर बटेदार के घर मे खटिया पर बैठीं थी, इसी दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर ले जाया गया, जहां डॉ. रंजन कुमार दास ने जांचोपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी असामयिक मृत्यु की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मुखिया प्रतिनिधि तासबीन अंसारी, समाजसेवी जयराम पासवान, अरुण गुप्ता, उदय गुप्ता, डोमन चंद्रवंशी, मुना शर्मा, जावेद अंसारी समेत कई गणमान्य लोग अस्पताल पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी।

अज्ञात वाहन के धक्के से लक्कड़बग्घा घायल

रंका (आजाद सिपाही)। रंका थाना पूर्वी वन क्षेत्र अंतर्गत संभवतः चुतरू मुख्य सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन के धक्के से लक्कड़बग्घा घायल हो गया। घायल होने की व्याकुलता में लक्कड़बग्घा गिरते पटकाते किसी तरह सड़क के किनारे स्थित एक नाले में जाकर रात भर बेसुध पड़ा रहा।सुबह में घुरते फिरते कुछ लोगों की नजर उस लक्कड़बग्घे पर पड़ी तो इसकी सूचना वन विभाग के पदाधिकारी व कर्मचारियों को दी गई किन्तु खबर लिखे जाने तक किसी वन कर्मियों को खोज खबर लेने की सूचना नहीं है। इस लक्कड़बग्घे को देखने के लिए भीड़ लगी थी।

दीदी बाड़ी योजना नहीं करें स्वीकृत : शुभम बेला तोपनो

रंका (आजाद सिपाही)। वर्षाकाल में मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित दीदी बाड़ी योजना को लेकर रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनों ने मनरेगा कर्मियों को 11 जुलाई 2025 के बाद नये दीदी बाड़ी योजना स्वीकृत नहीं करने का आदेश दिया है। उप विकास आयुक्त के आदेश पत्र के आलोक में रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनों ने कोई भी नयी दीदी बाड़ी योजना ओनगोइंग नहीं करने का आदेश सभी मुखिया, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक को दिया है। जिसमें कहा है कि अब कोई भी दीदी बाड़ी योजना स्वीकृत नहीं करेंगे और नहीं नया वर्क कोड जेनरेट करेंगे।इसकी प्रतिलिपि कनिय अभियंता, सहायक अभियंता और प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को भी दे दी गयी है।

पीएलवी ने दिव्यांग को मुहैया कराया व्हीलचेयर और दिव्यांग प्रमाण पत्र

रंका (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा के अंतर्गत रंका प्रखंड पीएलवी कृष्णानंद दुबे के नेतृत्व में विश्रामपुर पंचायत के पीएलवी राजेश कुमार चौधरी और मानपुर पंचायत के पीएलवी समाजसेवी अमरेन्द्र कुमार के संयुक्त प्रयास से 12 जुलाई 2025 को दिव्यांग जन खोज संपर्क अभियान चलाकर ग्राम रंकाकला के शिवनाला निवासी सकेन्द्र राम के दिव्यांग पुत्र यस कुमार (13 वर्ष) को व्हीलचेयर और दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर दिव्यांग के माता - पिता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

सगमा से दर्जनों कांवरियों का दल देवघर रवाना

सगमा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सगमा से पंचायत प्रतिनिधियों के नेतृत्व में दर्जनों कांवरिया दल देवघर के लिए प्रस्थान। सावन का महीना सुरु होते ही प्रखण्ड छेत्र से प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में भोले भंडारी के भक्त देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ पर जलाभिषेक करने जाते है इसी कड़ी में पहला कांवरिया दल हर हर महादेव बोल बम के उदघोष करते हुए सगमा पंचायत के मुखिया तेज लाल राम उप मुखिया मंगलेश यादव उप प्रमुख अर्जुन पासवान के नेतृत्व में नैद्यनाथ धाम के लिए प्रस्थान किया। उक्त कांवरिया दल में अन्य के अलावा मुख्यरूप से मुकेश बम, प्रमोद बम, हरिहर बम, कमलेश बम, राजा राम बम, रविरंजन बम, बिंदेस बम, धनंजय बम, अभिमोचन बम, फूलेंद्र बम का नाम शामिल है।

प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर शुगर लेवल की जांच करानी चाहिए : डॉ पातंजली केशरी

आरपी सेवा सदन में निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लायंस क्लब गढ़वा के तत्वावधान में रविवार को निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया । इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये लगभग 120 मरीजों के शुगर जांच की गयी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए लायंस क्लब के अध्यक्ष जयशंकर ब्रेजियर ने कहा कि मधुमेह मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है। जिसे शुगर एवं डायबिटीज के नाम से जानते हैं। शरीर में पर्याप्त इंसुलिन नहीं बन पाने के कारण यह बीमारी होती है। इंसुलिन रक्त में मिलकर ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करता है। रक्त में मौजूद अतिरिक्त शुगर मधुमेह का रूप धारण कर लेता है। इसलिए मरीज की समय अनुसार जांच, दवा और उचित देखभाल की जरूरत है। जोन अध्यक्ष रविंद्र जायसवाल ने कहा कि जो भी हम खाना खाते हैं उससे हमें ग्लूकोज मिलता है। इंसुलिन नामक हार्मोन ग्लूकोज को ब्लड के माध्यम से शरीर में पहुंचाता है। डायबिटीज किसी भी उम्र में हो सकता हैं। अतः अपने खान-पान और दिनचर्या के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। डॉक्टर पातंजली केशरी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर अपने शुगर लेवल की जांच कराते रहना चाहिए। इसके प्रति जागरूक रह कर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसमें जीवन शैली में बदलाव और दवा शामिल है। फास्ट फूड से परहेज करना चाहिए। सब्जी, फल और फाइबर वाले पौष्टिक भोजन का सेवन करना फायदेमंद है। उन्होंने नशा, चिंता तनाव से दूर रहने की सलाह दी। मौके पर चंदन केशरी, हर्ष अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, आनंद जायसवाल, नीरज कुमार, दीपाली अग्रवाल, विनिता आनंद, गीता ब्रेजियर, लियो अध्यक्ष अनमोल अग्रवाल, अनूप ठाकुर, अंकेश गुप्ता, सौम्या श्रेष्ठ, हिमांशु कुमार, शुभम जायसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मनरेगा मिट्टी मोरम कार्यों पर रोक के बावजूद डंडई में डोभा योजनाओं का हुआ भुगतान

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। डंडई प्रखंड में मनरेगा योजनाओं को लेकर जारी दिशा-निर्देशों की खुलेआम अवहेलना सामने आयी है। वरीय अधिकारियों के निर्देश के आलोक में डंडई प्रखंड विकास पदाधिकारी देवलाल करमाली ने 15 जून 2025 से मनरेगा के तहत संचालित सभी मिट्टी और मोरम आधारित कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। इसके संबंध में बीडीओ ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर प्रखंड क्षेत्र के सभी मुखिया, बीपीओ, कनीय अभियंता, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक और मनरेगा ऑपरेटरों को स्पष्ट निर्देश दिये थे। उस पत्र में यह साफ तौर पर उल्लेख किया गया था कि अगले आदेश तक किसी भी प्रकार के मिट्टी-मोरम कार्य की स्वीकृति, ऑनलाइन डिमांड और भुगतान नहीं किया जायेगा। बीडीओ द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया था कि यदि कोई कर्मी इस आदेश की अवहेलना करता है, तो उसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जायेगी। इन सख्त निदेर्शों के बावजूद, तसरार पंचायत में मनरेगा नियमों की खुली अनदेखी सामने आई है। पंचायत निवासी लाभुक जैनुल बीबी के नाम से डोभा योजना संख्या 7080903732598 के अंतर्गत 20 जून को मिट्टी-मोरम से संबंधित कार्य का डिमांड मनरेगा पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। इसके अलावा, लाभुक प्रमोद तुरिया (योजना सं. 7080901683628), प्यारी सिंह (योजना सं. 7080901544640), राजेश कुमार तिवारी (योजना सं. 7080903763176) और एस. कुमार यादव (योजना सं. 7080903716409) उक्त सभी योजनाओं में 15 जून के बाद डिमांड लगाया गया। इतना ही नहीं सभी का भुगतान भी कर दिया गया है। यह मामला न केवल बीडीओ के आदेश की खुली अवहेलना है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और सरकारी नियमों की अनदेखी का गंभीर मामला भी बन गया है। इस मामले के उजागर होने के बाद स्थानीय स्तर पर यह चर्चा का विषय बन गया है कि जब बीडीओ द्वारा स्पष्ट रूप से मिट्टी-मोरम कार्यों पर रोक का आदेश पहले ही जारी किया गया था, तो फिर संबंधित योजना का डिमांड किसके निर्देश पर लगाया गया और भुगतान कैसे स्वीकृत हुआ।

पक्ष : इधर इस मामले में पूछे जाने पर बीडीओ देवलाल करमाली ने कहा कि 15 जून के बाद मनरेगा के तहत मिट्टी-मोरम कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था। अगर इसके बावजूद डिमांड या भुगतान हुआ है, तो यह स्पष्ट रूप से आदेश की अवहेलना है। मामले की जांच की जा रही है, और जो भी कर्मी या पदाधिकारी दोषी पाए जायेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। प्रखंड अंतर्गत बलिगढ़ मध्य विद्यालय के विद्यार्थियों को रविवार को प्रखंड क्षेत्र के परसोडीह लउदर झरना के लिए शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया। इस शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के शिक्षक नरेंद्र कुमार सिंह ने अपने निजी खर्च से किया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर से की गयी, जहां मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन प्रसाद गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर विद्यार्थियों को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस तरह की गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास में सहायक होती हैं।

शिक्षक नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बच्चों को विद्यालय के पाठ्यक्रम के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक महत्व और सामाजिक अनुभव से जोड़ना जरूरी है। यह भ्रमण बच्चों के लिए सीखने और आनंद उठाने का एक सुनहरा अवसर है।छात्रों में भ्रमण को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। शिक्षकों और ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की। शैक्षणिक भ्रमण में प्रधानाध्यापिका जागृति कुमारी रमेश राम समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। थाना पुलिस द्वारा शनिवार को एक चिट फंड कंपनी के नाम पर लाखों रुपये का ठगी करने वाला फरारी अभियुक्त के घर एवं सार्वजनिक स्थल पर इश्तेहार चिपकाए गया है। थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि मेराल थाना कांड संख्या 421/ 2019 के नामजद अभियुक्त गुड्डू उर्फ फैजान अंसारी पिता उस्मान अंसारी बहुत दिन से फरार चल रहा है। पुलिस द्वारा लगातार दबिश देने बाद भी पुलिस के गिरफ्त में नहीं आने पर न्यायालय के आदेश पर उक्त अभियुक्त के घर तथा सार्वजनिक स्थल पर इश्तेहार चिपकाने की करवाई की गयी है। अगर निर्धारित समय सीमा के अंदर आरोपी पुलिस या न्यायालय के समक्ष पेश नहीं होता है तो अभियुक्त के खिलाफ कुर्की-जप्ती की कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि मेराल थाना क्षेत्र के भीमखांड निवासी कीर्णानंद कुमार गौतम पिता निहोरा राम से आरोपी ने चिट फंड कंपनी आयाम मल्टी ट्रेड में 9 लाख 88 हजार 5 सौ रुपये जमा कराया था। पैसा जमा कराने के कुछ ही महीनो बाद कंपनी फरार हो गयी थी।

अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण एक अनिवार्य कार्यक्रम : अलखनाथ

डीपीएससीसी ने शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति (डीपीएससीसी) द्वारा रविवार को निजी विद्यालय के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आरकेवीएस बीएड कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय, सीबीएसई से आए प्रशिक्षक चीन्शु सिंह, केआरझा, समिति के सचिव एम पी केशरी अशोक विश्वकर्मा आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सचिव एमपी केशरी ने कार्यक्रम में आये शिक्षकों और विद्यालय के निदेशकों को स्वागत करते हुए कहा कि जिले के सभी निजी विद्यालय शिक्षा के विकास के लिए भरपूर मेहनत कर रहे हैं। परिणाम और बेहतर हो इसी उद्देश्य से प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय ने कहा कि निजी विद्यालय का शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान है। राष्ट्रीय स्तर पर किए गये सर्वे भी इस बात को प्रमाणित करता है। श्री पांडे ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में पूरे जिले के से 52 विद्यालयों के करीब 260 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सीबीएसई से आये प्रशिक्षक चींशु सिंह ने कहा कि समन्वय समिति शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का यह पहल प्रसंसनीय है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से अप्रशिक्षित शिक्षकों को प्रशिक्षित कर आज के वातावरण के हिसाब से ढाला जा रहा है तथा प्रशिक्षित शिक्षकों को अपग्रेड किया जा रहा है। शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के दौरान श्रीमती सिंह ने कहा कि शिक्षकों को ध्यान रखना चाहिए कि क्लास रूम का वातावरण भय मुक्त, तनाव मुक्त तथा आनंददायक हो, ताकि बच्चे जिज्ञासा के साथ शिक्षा ग्रहण कर सके। इसके लिए शिक्षकों को क्या करना चाहिए इसके बारे में उन्होंने विस्तार से जानकारी दी।

दूसरे प्रशिक्षक आरके झा ने कहा कि जब शिक्षक का व्यवहार निष्पक्ष हो और बच्चों को पढ़ाते समय समान व्यवहार हो तो बच्चे बेहतर तरीके से सीख पाते हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षकों का व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि विद्यार्थियों के आत्म सम्मान पर कोई ठेस भी न पहुंचे और वह बेहतर तरीके से शिक्षा ग्रहण कर सके। प्रशिक्षण का कार्यक्रम दो सत्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महेंद्र विश्वकर्मा सुधीर पाठक अशोक दुबे ललन साहू धर्मेंद्र देव पंकज कुमार आनंद मुजीबउद्दीन खान आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। मौके पर समिति के उपाध्यक्ष सिस्टर रोशना, सुशील केशरी, कोषाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, ब्रजेश मिश्रा, राहुल सिंह, अमरेंद्र पाठक, मोजीब खान, पवन तिवारी, तौहीद अंसारी, प्रदीप दुबे, रामानुज सिंह, संजय सोनी, यासीन मल्लिक, धर्मेंद्र देव, प्रमोद झा, संजय कुशवाहा आदि उपस्थित थे।

नवनिर्मित सड़क की जल्द मरम्मत नहीं करायी गयी तो क्षेत्रीय विधायक से करेंगे शिकायत : डॉ लालमोहन

मार्च में 831.488 लाख से बनकर तैयार हुई सड़क तीन माह में ही गड्ढों में हुई तब्दील, पांच वर्ष की कैसी गारंटी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल । प्रखंड के पढुआ मोड़ से भंडार भाया पढुआ सिकनी पथ निर्माण के तीन महीना बाद ही कई जगह गड्ढों में तब्दील होने लगा है जिसको लेकर लोगों में रोष व्याप्त है। नयी चमचमाती दिखने वाली सड़क का हाल आगे पाठ पीछे सपाट वाली है। नवनिर्मित सड़क में उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहबरिया के समीप बने पुलिया के पास कालीकरण सड़क में काफी दूर तक पक्की सड़क में दरार पड़ने एवं टूटना बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है।

मेराल के विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन ने कहा है कि 831.488 लाख रुपये की लागत से बने नवनिर्मित सड़क कई जगह क्षतिग्रस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के कहने पर रविवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों के साथ सड़क का निरीक्षण किया। सड़क का निर्माण ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के वित्त पोषित परियोजना द्वारा पारित 9.600 किलोमीटर का अनु लागत 831.488 लाख तथा 5 वर्ष तक सामान्य अनुरक्षण की लागत 48.194 लाख है। 6 सितंबर 2023 से प्रारंभ हुई निर्माण कार्य के पूर्ण होने की तिथि 5 मार्च 2025 था। मौके पर उन्होंने कहा कि प्रशासन तथा कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा सड़क को जल्द ठीक नहीं कराया गया तो मामले को लेकर क्षेत्रीय विधायक से शिकायत की जायेगी।

गुणवत्ता पूर्ण नहीं हुआ है कार्य : ग्रामीण

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण नहीं किया गया है जिसकी वजह से सड़क कई जगह गड्ढों में तब्दील हो रहा है तथा सड़क में दरार पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि सड़क निर्माण में नई मिट्टी डालने के बाद ठीक से रोलर नहीं चलाया गया। ग्रोटिंग बाद ठीक से मिट्टी की सफाई किए बिना पिचिंग कर देने से सड़क पूरी तरह टूट रहा है। उस मौके पर मुखिया मनदीप सिंह भाजपा उत्तरी मंडल अध्यक्ष रूपू महतो, मनोज जायसवाल, रोहित कुमार, हरिहर मेहता, नथुनी चंद्रवंशी, जनकधारी चौधरी सहित कई ग्रामीण थे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in
08

पिपरवार के न्यू बिजैन के विस्थापित ग्रामीणों ने अशोका प्रबंधन को सौंपा 22 सूत्री मांग पत्र

मांग पूरी नहीं होने पर विस्थापित ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के पुर्नवास केंद्र न्यू बिजैन के विस्थापित ग्रामीणों ने रविवार को अशोक परियोजना पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह से मुलाकात कर उन्हें 22 सूत्री मांग पत्र सौंपा है। ग्रामीणों की मुख्य मांगों में ग्राम बिजैन के सत्यापित जमीन पर लंबित नौकरी और मुआवजा देने, पुर्नवास केंद्र में पार्क एवं स्टेडियम का निर्माण करने, पुर्नवास स्थल मे स्थापित मंदिर एवं मेला टांड़ में भूमि समतलीकरण, सुंदरीकरण एवं चाहरदीवारी करने, पुर्नवास स्थल मे नियमित रूप से साफ सफाई एवं दवा का छिड़काव करने, खाली पड़े सभी जगह पर फलदार पौधा लगाने,प्लॉट के एवज मे एकमूस्त राशि का भुगतान करने, मेलाटांड़ मे मंच एवं भवन

प्रबंधन को मांग पत्र सौंपते विस्थापित ग्रामीण।

का निर्माण करने, पुर्नवास स्थल मे सभी जर्जर पोल को बदलने व स्ट्रीट लाईट लगाने,पुर्नवास स्थल के तीन अलग-अलग जगह पर टावर लाइट लगाने, पुर्नवास स्थल के सार्वजनिक जगह पर सीसीएल द्वारा बोर्ड लगाने, सामुदायिक भवन एंव विवाह भवन बनाने, सिलाई सेंटर और पुस्तक लाइब्रेरी की स्थापना करने, स्वास्थ्य चिकित्सा उप केंद्र स्थापित करने, पेयजल के लिए जल मीनार का निर्माण करने, बिजैन पुर्नवास स्थल से कल्याणपुर जाने के लिए सड़क का निर्माण करने, तीन मुख्य मार्ग का स्वागत द्वार बनाने, पुर्नवास स्थल में बनाये गये टू लेन रोड के बीच में डिवाइड एवं बीच में पुल पुलिया का निर्माण करने, आंगनवाड़ी भवन का निर्माण करने, पुर्नवास स्थल के जर्जर सड़क नाला पुलिया की मरम्मति करने, सीसीएल द्वारा उपलब्ध कराये गये पूर्नवास स्थल में सड़क, नाला, बिजली, पानी आदि मूलभूत सुविधा बहाल करने,रैयतों के बचे हुए नौकरी, मुआवजा,पेड़ का मुआवजा आदि का भुगतान जल्द करने सहित अन्य मांगे शामिल है। विस्थापित ग्रामीणों ने प्रबंधन को चेतावनी दी है कि यदि मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो ग्रामीणों के द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा। मांग पत्र सौंपने वालों में मुख्य रूप से रंथु गंझु, राहुल राम, बाबूलाल राम, कुलदीप राम, पच्चु गंझु, सुरेंद्र राम, संतोष कुमार गंझु, अजीत कुमार मुंडा, चरका गंझु, राजू मुंडा, सोनू कुमार गुप्ता, संजय गंझु, देवनारायण राम सहित अन्य विस्थापित ग्रामीणों का नाम शामिल है।

रैयत विस्थापित मोर्चा ने सात सूत्री मांगों को लेकर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते मोर्चा के लोग।

पिपरवार (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा के द्वारा सात सूत्री मांगों को लेकर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गयी है। रविवार को बचरा स्थित मोर्चा के कार्यालय में मोर्चा के पिपरवार क्षेत्रीय सचिव रामचंद्र उरांव एवं रोहिणी ओसीपी शाखा अध्यक्ष शिवनारायण लोहरा ने प्रेसवार्ता कर बताया कि मोर्चा ने सात सूत्री मांगो को लेकर 30 जून को राजधर साईडिंग को अनिश्चितकालीन के लिए बंद किया गया था, जिसके बाद प्रबधंन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हुई थी, जिसमें प्रबधंन द्वारा मांगो को पुरा करने का भरोसा दिया था। प्रबंधन के आश्वासन के बाद मोर्चा ने बंदी को स्थगित कर दिया था, लेकिन अभी तक प्रबंधन के द्वारा एक भी मांगों को पूरा नहीं किया गया है। जिससे मोर्चा के लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। मोर्चा द्वारा चेतावनी दी गयी है कि यदि जल्द मोर्चा की मांगों को पूरा नहीं किया जायेगा, तो आने वाले दिनों में मोर्चा के द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा।

खूंटी के सांसद ने सीएम हेमंत से मुलाकात की

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा ने रविवार को दिल्ली के नये झारखंड भवन में सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। सांसद ने सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती गुरुजी शिबू सोरेन का हालचाल जाना। हेमंत सोरेन ने उन्हें बताया कि अब पहले की तुलना में सुधार है। चिकित्सकों द्वारा दिये गये निर्देश के अनुसार अभी गुरुजी से किसी के मिलने पर प्रतिबंध है। 24 घंटे में एक बार सीएम हेमंत सोरेन उनसे मिलने जाते हैं। कालीचरण मुंडा ने गुरुजी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज पहुंचेंगी ओड़िशा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर ओड़िशा आ रही हैं। राष्ट्रपति के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। कमिश्नरेट पुलिस ने कारकेड रिहर्सल की है। राष्ट्रपति 14 तारीख शाम 5:10 बजे वायुसेना के विमान से भुवनेश्वर पहुंचेंगी। शाम को भुवनेश्वर एम्स के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। 15 तारीख को वे मुख्य अतिथि के रूप में रेवेंसा विश्वविद्यालय के तेरहवें वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। राज्यपाल समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इसी प्रकार, वे रेवेंसा गर्ल्स हाई स्कूल के तीन भवनों का शिलान्यास करेंगी। इसके अलावा वह कवि शारला दास की 600वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी और कलिंग रत्न पुरस्कार-2024 प्रदान करेंगी।

एबीवीपी की खूंटी नगर इकाई का गठन

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय स्थित परिसदन भवन में राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य दिशा दित्या, प्रांत मीडिया प्रमुख गुड्डू राय एवं विभाग संयोजक प्रकाश टुटी की उपस्थिति में रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), खूंटी की नगर इकाई का गठन किया गया। इस अवसर पर नई कार्यकरिणी की घोषणा की गयी, जिसमें राजेश कुमार महतो को नगर अध्यक्ष और अशोक टूटी को नगर मंत्री बनाया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नवगठित खूंटी नगर इकाई में नगर अध्यक्षरू राजेश कुमार महतो, नगर मंत्रीरू अशोक टूटी, सह मंत्रीरू दीपक लोहरा, कंचन कच्छप, असरिता तानिश, पूनम सोरेन, सोशल मीडिया संयोजक योगेश कुमार सिंह, एसएफएस संयोजक सौरभ कुमार कश्यप, एसएफसीसी संयोजक हर्षवर्धन कुमार सिंह, एनसीसी संयोजक रजनी सांगा, एनएसएस संयोजक करुणा मुक्त को बनाया गया। इनके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विकास, अनमो, प्रियेश को शामिल किया गया। एबीवीपी संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नयी टीम छात्रों के बीच एबीवीपी के उद्देश्यों को मजबूत करने और विभिन्न सामाजिक व शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभायेगी।

सदाचार और शाकाहार से हम जीवन को और सुंदर बना सकते हैं : स्वामी गंगाधर

खूंटी (आजाद सिपाही)। महर्षि में हीं आश्रम मलियादा मुरहू में रविवार को विशेष सत्संग और ध्यान-भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्संग में अपने प्रवचन के दौरान ऋषिकेश आश्रम के स्वामी गंगाधर जी महाराज ने कहा कि सावन माह में हम देवों के देव महादेव की पूजा अर्चना करते हैं। सभी नशा पान और मांसाहार का त्याग कर भक्ति करते हैं, जिससे उनका जीवन सुखमय बनता है। भोलेबाबा की महिमा अपरम्पार है, वे सर्व मनोकामना पूरी करते हैं। सामुहिक सत्संग और ध्यानाभ्यास में सैकड़ों सत्संगियों ने भाग लिया, और सत्संग ध्यान की विधि जानी। मौके पर डॉ डीएन तिवारी, मूचीराय मुंडा, विष्णु मुंडा, चमरा मुंडा, रामहरि साव, नंदिनी देवी सुरेश पंडित आदि उपस्थित थे।

जेल की हवा खानेवाले खूंटी जिला परिषद के दूसरे अध्यक्ष हैं मसीह गुड़िया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। नयी पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बाद खूंटी जिले में तीन पंचायत चुनाव हो चुके हैं और जिला परिषद के तीन अध्यक्ष भी चुने गये, लेकिन जिले का दुर्भाग्य कहें या कुछ और, इनमें दो जिला परिषद अध्यक्ष को जेल की हवा खानी पड़ी और दोनों के जेल जाने का कारण लगभग एक समान है। खूंटी जिला परिषद के वर्तमान अध्यक्ष मसीह गुड़िया को चुटिया थाना(रांची) की पुलिस ने शनिवार को जिला परिषद के चौबर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके पूर्व 2011 में निवर्तमान जिलाध्यक्ष अगस्तुस गुड़िया को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जिला परिषद अध्यक्ष के पद पर बैठे मसीह गुड़िया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार 12 जुलाई को चुटिया थाने की

पुलिस ने खूंटी पुलिस के सहयोग से मसीह गुड़िया को जिला परिषद कार्यालय स्थित उनके चौम्बर से गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मसीह गुड़िया के खिलाफ चुटिया थाने में भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 85, 352, 351(2), 318(2), 3(5) और दहेज उत्पीड़न अधिनियम के तहत एक युवती ने मामला दर्ज कराया है। जिला परिषद अध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद खूंटी जिले की राजनीति में हलचल मच गयी है। आमजन से लेकर राजनीतिक गलियारों तक में इस विषय पर तरह-तरह की चर्चा तेज हो गयी है। यहा बता दें कि मसीह गुड़िया के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए दस में से सात जिला परिषद सदस्यों ने मुख्य कायार्री अधिकारी को आवेदन दिया था, पर कोरम पूरा नहीं होने के कारण इसे निरस्त कर दिया गया। लोगों में इस बात को लेकर चर्चा है कि अब परिषद के अध्यक्ष की जिम्मेदारी किसको दी जायेगी। वैसे तो अध्यक्ष की अनुपस्थिति में प्रावधान अनुसार अध्यक्ष की जिम्मेदारी जिला परिषद उपाध्यक्ष मंजू देवी को सौंपी जा सकती है और दोबारा अध्यक्ष का चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर होगा। जानकारों का कहना है कि जिला परिषद अध्यक्ष का पद रिक्त होने का असरश विकास कार्यों पर पड़ना तय है।

युवती की आत्महत्या के मामले में अगस्तुस गुड़िया की हुई थी गिरफ्तारी : वर्ष 2010 में हुए पंचायत चुनाव में अगुस्तुस गुड़िया जिला परिषद अध्यक्ष बने थे। एक वर्ष तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन 11 नवंबर 2011 को एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में अगुस्तुस गुड़िया को आरोपी बनाया गया और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उनके जेल जाने के बाद उपाध्यक्ष संगीता कुमारी ने कार्यभार संभाला था। अगस्तुस गुड़िया के त्यागपत्र देने के बाद अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में मायलीना टोपनो जिला परिषद की अध्यक्ष चुनी गयी थीं।

सोनाहातू से बाबानगरी देवघर के लिए कांवरियों का जत्था रवाना

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। सावन माह के पावन अवसर पर सोनाहातू प्रखंड से दर्जनों शिवभक्तों का जत्था रविवार को बाबानगरी देवघर के लिए रवाना हुआ। सभी कांवरिया भक्त सुल्तानगंज जाकर पवित्र गंगाजल भरकर कांवर के साथ देवघर स्थित प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक करेंगे। रवाना होने से पूर्व सोनाहातू बाजार चौक पर श्रद्धालुओं को झंडा दिखाकर विदा किया गया। इस अवसर पर चारों ओर ₹जय भोलेनाथ₹ के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं में भारी उत्साह और भक्ति भाव देखा गया। जत्थे में रविंद्र कोईरी, जितेंद्र कोईरी, संजय कुमार यादव, निखिल जयसवाल, पियूष जायसवाल, दीपक प्रजापति, गुड्डू प्रजापति सहित अनेक भक्त शामिल हैं। यह कांवर यात्रा श्रद्धा, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है, जिसमें हर साल हजारों की संख्या में भक्त शामिल होते हैं।

जयपाल साहू बने सोनाहातू डीलर संघ के अध्यक्ष

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन इकाई रांची जिला के तत्वाधान में सोनाहातू प्रखंड डीलर संघ की बैठक रविवार को सोनाहातू में ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनोद महतो के अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से सोनाहातू प्रखंड डीलर संघ का पुनर्गठन किया गया।इसमें संघ के अध्यक्ष जयपाल साहु, सचिव रामेश्वर मछुवा, कोषाध्यक्ष तपन कुमार तिवारी का चयन किया गया। उपस्थित सभी डीलर ने चयनित संघ को बधाई दी। मौके पर धनंजय मुंडा, हरे कृष्णा चौधरी, राम प्रताप महतो, लखीदास महतो, भारत महतो, सच्चिदानंद महतो आदि मौजूद थे।

दोकाद गांव में बारिश से 23 कच्चे मकान ध्वस्त

राहे (आजाद सिपाही)। लगातार हुई बारिश ने आम लोगों के जीवन में काफी नुकसान कर दिया है। रविवार को बारिश थम गया था, लेकिन बारिश ने तबाही मचा दी है। प्रखंड के सिर्फ दोकाद गांव में 23 कच्चे मकान ध्वस्त हुआ है। इन परिवार को रहने में काफी परेशानी हो रही है। प्रशासन के द्वारा अभी तक कोई राहत की पहल नहीं किया गया है। लेकिन राहे बीडीओ अशोक कुमार ने कहा है कि आपात स्थिति में गांव के स्कूल में लोग रह सकते है। उन्हें स्कूल की मध्याह्न भोजन से भोजन की व्यवस्था की जायेगी। इधर गांव में भारी तबाही की जानकारी पर विधायक अमित महतो ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और सीओ राहे को तत्काल राहत की व्यवस्था करने को कहा है। जिन लोगों का मकान ध्वस्त हुआ है, उनमें दरहा टोली के अरुणा देवी, बुला महतो, कृष्णा अहीर, दोकाद गांव के सुधि देवी, झालोवाती देवी, हरिहर सिंह मुंडा, निराला देवी, अजान लोहारा, अर्जुन लोहारा, शारदा देवी, रमेश चंद्र महतो, कृति महतो, मन्ना देवी, उमेश चंद्र महतो, मृत्युंजय महतो, श्री राम महतो, कांतो महतो, कामेश्वर महतो, घनश्याम महतो, भजन पातर, मंगल पातर, अभिमन्यु पातर, रामवृक्ष महतो आदि के कच्चे मकान ध्वस्त हुये है।

बाबा आम्रेश्वर धाम में भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़

खूंटी (आजाद सिपाही)। पवित्र सावन महीने के प्रथम सोमवारी से पूर्व रविवार को छुट्टी के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी में बाबा का जलाभिषेक व पूजन अर्चन किया। रविवार को पूरे दिन यहां जलार्पण व पूजन करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। देर शाम बाबा आम्रेश्वर धाम के पवित्र स्वयंभू शिवलिंग का श्रृंगार पूजन विधिवत संपन्न हुआ। बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति द्वारा आयोजित इस परंपरागत श्रृंगार पूजन कार्यक्रम में प्रबंध समिति के लोग शामिल हुए। विधि विधान से संपन्न श्रृंगार पूजन के दौरान पवित्र शिवलिंग सहित बाबा के दरबार को रंग बिरंगे फूलों से सुंदर ढंग से सजा दिया गया है। दूसरी ओर सावन के प्रथम सोमवारी को बाबा का जलाभिषेक करने के लिए रविवार देर रात से दूर दराज के लोग बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंचने लगे हैं। सावन के प्रथम सोमवारी को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां जलार्पण करेंगे।

कल्याण गुरुकुल खूंटी बना बेरोजगार युवाओं की उम्मीद

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। प्रेझा फाउंडेशन, कल्याण विभाग झारखंड सरकार की विशेष प्रयोजन वाहिनी के रूप में कार्यरत है, जो कल्याण गुरुकुल के माध्यम से युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। इस संबंध में कल्याण गुरुकुल के वरीय प्राचार्य केशव चन्द्र मोहंती ने बताया कि पिछले 14 वर्षों से प्रेझा फाउंडेशन ने 40,000 से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाकर उनकी पारिवारिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार किया है। वर्तमान में झारखंड राज्य में 27 कल्याण गुरुकुल, आठ एएनएम नर्सिंग कॉलेज, और एक आईटीआई कौशल कॉलेज का संचालन हो रहा है। इस संदर्भ में, प्रेझा फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित कल्याण गुरुकुल, खूंटी (चंद्रपुर, तोरपा) प्रदेश में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन का प्रेरणास्रोत बन चुका है। वर्ष 2018 में जिला प्रशासन द्वारा प्रेझा फाउंडेशन को सौंपे गए इस बहु-कौशल गुरुकुल ने अब तक 82 बैचों के माध्यम से देश और विदेश में 2187 से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाया है। इनमें से 2092 उम्मीदवारों को देश में और 195 उम्मीदवारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, विशेष रूप से खाड़ी देशों जैसे दुबई, अबूधाबी में सफलतापूर्वक प्लेसमेंट मिला है। हाल ही में बैच संख्या 81 (टाइल मेसन ट्रेड) के 29 युवाओं गत 11 जुलाई को दुबई स्थित शोभा ग्रुप में रोजगार के लिए रवाना हुए। यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है बल्कि पूरे राज्य के लिए प्रेरणा है। वरिष्ठ प्रधानाचार्य श्री किशोर चंद्र मोहंती के नेतृत्व में यह आवासीय गुरुकुल शटरिंग कारपेंटर, बार बेंडर, टाइल मेसन, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन और मैन्युफैक्चरिंग ट्रेड्स में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण जो हमरे अनुभवी प्रशिक्षक द्वारा प्रदान किया जाता है। साथ ही 100 प्रतिशत प्लेसमेंट की दिशा में अग्रसर है। गुरुकुल की कुल क्षमता 150 है, जो झारखंड के 28 गुरुकुलों में सर्वाधिक है। यह संस्थान विशेष रूप से एसटी, एससी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर व स्कूल छोड़ चुके युवाओं को प्रशिक्षण और आवासीय सुविधा प्रदान करता है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने परिवार को एक बेहतर जीवन दे सकें। अब तक गुरुकुल से 1689 एसटी, 83 एससी, 360 ओबीसी, 47 जनरल और 08 टाना भगत समुदाय के कुल 2187 युवक रोजगार पा चुके हैं जिसमें 328 युवक तोरपा प्रखंड के है। वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया जारी है, जो इच्छुक उम्मीदवारों के लिए सुनहरा अवसर है। सीनियर प्रिंसिपल ने कहा, आइए, गुरुकुल से जुड़िए, कौशल पाइए और राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनिये, क्योंकि हुनर है तो कदर है।

मंत्री गोकुलानंद मल्लिक ने पुरी जिले में बर्ड फ्लू से प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर जायजा लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल ने 11 जुलाई को पुष्टि की कि पुरी जिले के डेलांग प्रखंड के बड़ा अंकुला गांव में मुर्गियां बर्ड फ्लू से संक्रमित हुई हैं। खबर मिलते ही राज्य सरकार ने इस बीमारी को अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोकने और इसके निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठायें। रविार को मत्स्य पालन एवं पशुधन विकास मंत्री गोकुलानंद मल्लिक ने क्षेत्र का दौरा किया और प्रभावित क्षेत्र की स्थिति का जायजा लिया। श्री मल्लिक ने रोग नियंत्रण की समीक्षा की और क्षेत्रीय अधिकारियों एवं जिला प्रशासन को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

श्री मलिक ने मीडिया को बताया कि मत्स्य पालन एवं पशुधन विकास विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में मुर्गियों को मारने, बिशोधन, स्वच्छता और रोग नियंत्रण के लिए 7 रैपिड रिस्पॉन्स दल गठित किये गये हैं। 12 जुलाई 2025 से मुर्गियों को मारने का अभियान शुरू हो गया है। इसके लिए रैपिड रिस्पॉन्स दलों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है और विशेषज्ञ पशु चिकित्सक इसकी निगरानी कर रहे हैं।

12 और 13 जुलाई को प्रभावित क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में 6,756 मुर्गियों का मानवीय तरीके से मारा गया। यह कार्य बहुत शीघ्रता से पूरा किया गया और मारे गये मुर्गियों को जैव सुरक्षा नियमों के अनुसार खोदे

गये गहरे गड्ढों में वैज्ञानिक तरीके से दफनाया गया और चूने से ढक दिया गया। भारत सरकार द्वारा जारी नियमों के अनुसार, जिन मुर्गी पालकों को उनकी आजीविका और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए दो दिनों के भीतर मुआवजे का भुगतान किया जायेगा।

संक्रमित से 10 किलोमीटर के दायरे में कड़े जैव-सुरक्षा उपाय किये गये हैं। बर्ड फ्लू वायरस के प्रसार को रोकने के लिए, क्षेत्र के पोल्ट्री फार्मों में वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गयी है और कीटाणुशोधन का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पोल्ट्री क्षेत्र के महत्व, पोल्ट्री किसानों के हितों और जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बर्ड फ्लू को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठा रही है।

मंत्री के दौरे के दौरान पिपिली विधायक आश्रित पटनायक, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा निदेशक विजय अमृता कुलांगे और राज्य एवं जिला स्तर के पशुपालन अधिकारी उपस्थित थे।

जेएलकेएम ने हुटार गांव में चलाया सदस्यता अभियान

खूंटी (आजाद सिपाही)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के बैनर तले शनिवार को खूंटी प्रखण्ड की गुटजोरा पंचायत केंद हुटार गांव में सदस्यता अभियान चलाया गया। मौके पर पार्टी कार्यकताओं ने आरोप लगाया तक लोगों का कहना था कि राज्य सरकार के पास न तो नियोजन नीति है और न ही कोई और नीति। आदिवासी और मूलवासी समाज के लोगों को अभी तक जितनी भी सरकारें आईं, सभी ने सिर्फ छलने का काम किया है। टाईगर जयराम महतो की कार्यशैली और विचारधारा से प्रभावित होकर कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहमण की। मौके पर सुरेश टोपनो को एसटी मोर्चा का खूंटी प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष बजरंग साहू ने किया। मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष सुमन पटेल, जिलाध्यक्ष कुमार ब्रजकिशोर, जिला महासचिव विक्रम महतो, संगठन मंत्री विश्वकर्मा उरांव, जिला मंत्री बिरेंद्र महतो, उपाध्यक्ष पवन कुमार, सोनू पोद्दार, रीना लाकड़ा, करन मुंडा,सुरेश टोपनो, अनिल साहू, रबिंद्र, कृष्णा कुमार, बिरेंद्र लुगुन, भदवा प्रधान, भीमा, रवि, दानियल, हरिनाथ सांगा, सुनील, प्रहलाद, गणेश, विजय महली, निलेश मुंडा, सोनू, भोला, सूरज आदि उपस्थित थे।

अनियंत्रित कार ने खड़े ट्रेलर में मारी टक्कर, महिला की मौत, पति गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम/बेड़ो। खरसीदाग ओपी क्षेत्र के मालती रिंगरोड में सीएनजी पंप के समीप रविवार को एक अनियंत्रित कार सड़क पर खड़े ट्रेलर को टक्कर मारते हुए पलट गई। दुर्घटना में घायल कार सवार दंपती को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रिम्स अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के क्रम में महिला की मौत हो गई। जबकि उसके पति का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार दोनों रामपुर रिंगरोड होते हुए तुपुदाना की ओर जा रहे थे। तभी सीएनजी पंप के समीप तेज गति एवं घुमावदार सड़क की वजह से कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराते हुए पलट गई। ओपी प्रभारी भवेश कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया गया है। दूसरी ओर, बेड़ो थाना क्षेत्र के साईं मंदिर मार्ग पर जामटोली ओवर ब्रिज के समीप रविवार की रात 7.30 बजे एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार केशा मोड़ निवासी सुशील उरांव (26) गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे पीसीआर पुलिस ने बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉ विनिता प्रसाद ने घायल प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। उधर, घायल सुशील उरांव ने बताया कि वह रांची से बाइक से हुलसी जा रहा था। इसी दौरान यह घटना हुई। इधर, दुर्घटना की जानकारी मिलने पर मुखिया पंकज महतो सीएचसी पहुंच गये। उन्होंने बताया कि उनकी खाद बिज की दुकान है, जिसमें सुशील काम करता है।

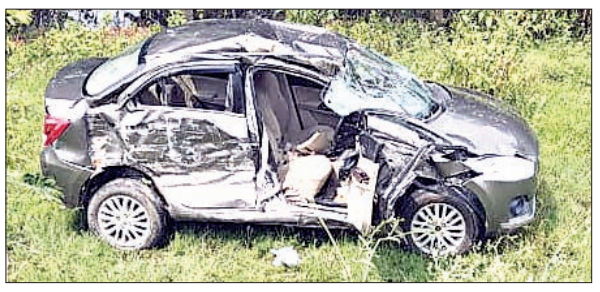

नामकुम खरसीदाग के मावती रिंगरोड में दुर्घटनाग्रस्त कार।

रंगामाटी गांव में सर्पदंश से वृद्धा की मौत

सिकिदीरी (आजाद सिपाही)। अनगड़ा प्रखंड अंतर्गत नवागढ़ पंचायत के रंगामाटी गांव में सर्पदंश से एक महिला की मौत हो गई। उसकी पहचान बीरोबाला देवी (60) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार बीरोबाला शनिवार की रात नौ बजे के आसपास अपने घर में कुछ समान खोज रही थी। तभी पहले से मौजूद जहरीले सांप ने उसे काट लिया। इसकी जानकारी परिवार के सदस्यों को दी। घर के सदस्य उसे लेकर तुरंत अस्पताल पहुंचने का प्रयास किये, लेकिन रास्ते में वृद्धा ने दम तोड़ दिया। उधर, घटना की जानकारी पाकर भाजपा अनुसुचित जनजाति मोर्चा के रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष बुधवार बेदिया पीड़ित परिवार को संतावना देने पहुंचे। साथ ही सीओ से मुवाजा दिलाने की मांग की।

मछली उत्पादन किसानों के लिए साबित होगा वरदान : जुगेश उरांव

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव में रविवार को झारखंड सरकार के मत्स्य विभाग की ओर से अनुदान में आठ लाभुकों के बीच मछली पालन के लिए स्पॉन जीरा मछली का वितरण सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव, सहकारिता विभाग के प्रतिनिधि प्रो करमा उरांव एवं मुखिया नीरज कुजूर ने किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव ने कहा कि प्रखंड के तालाब में मछली स्पॉन उत्पादन यहां के मत्स्य किसानों के लिए वरदान साबित होगा। वहीं, प्रो करमा उरांव ने कहा कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है। जबकि नीरज कुजूर ने कहा कि मछली पालन से महिलाओं और पुरुषों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यह मांडर विधानसभा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

24 दिनों के बाद मिला जोन्हा फॉल में डूबे शिक्षक का शव

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। जोन्हा फॉल मे डूबे रांची डीपीएस स्कूल के म्यूजिक टीचर माईकल घोष का शव 24 दिनों के बाद रविवार को बरामद हुआ। वे विगत 19 जून को दोस्तों के साथ जोन्हा फॉल घूमने गए थे। जहां सेल्फी लेने के क्रम में पैर फिसल जाने से पानी के तेज बहाव में बह गये थे। वारदात के समय भारी बारिश के कारण फॉल उफान पर था। रविवार को माइकल घोष का शव जोन्हा फॉल से चार किलोमीटर दूर सीता फॉल खीरबेड़ा के पास एक झाड़ी में फंसा मिला। बताते चलें कि पिछले 24 दिनों से राहत टीम और पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी थी। थानेदार हीरालाल शाह ने बताया कि शव मिलने की सूचना परिजनों को दे दी गई है।

यातायात नियमों को लेकर किया गया जागरूक

रांची (आजाद सिपाही)। रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथा दिन रविवार को यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी अभिषेक कुमार पांडेय, शिवानी कुमारी, सुनीति बाला चंद्रा और सुरेश के नेतृत्व में चलाया गया। सत्र 2024-26 के बीएड के प्रशिक्षुओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षुओ ने लोगों को जागरूक किया एवं स्लोगन देकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई। जो वाहन चालक हेलमेट नहीं पहने थे उन्हें जागरूक किया और यातायात नियमों को बताया। साथ ही साथ गाड़ियों में रेडियम स्टिकर लगाया गया। इसमें महाविद्यालय के सभी व्याख्याता-प्रशिक्षु उपस्थित रहें।

समाजसेवी अनुप महतो को पितृशोक

कांके (आजाद सिपाही)। मनातू गांव के समाजसेवी सह कुरमी विकास मोर्चा के केंद्रीय महासचिव अनुप कुमार महतो के पिता भरत नाथ महतो का रविवार को निधन हो गया। वह पिछले कई महीनों से बीमार थे। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को बजे मनातू कांके मुक्ति धाम में होगा। उधन, निधन पर विधायक सुरेश बैठा, विधायक प्रतिनिधि महेश कुमार मनीष, मदन कुमार महतो, गौरी शंकर महतो, राजकुमार महतो, राजेंद्र महतो, महेंद्र महतो, अशोक गोप आदि ने शोक प्रकट किया है।

स्वयं सेवकों ने किया भगवा ध्वज पूजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम रविवार को चाणक्य नगर सिदरौल स्थित पंचायत भवन में हुआ। जिसमें उपस्थित स्वयं सेवकों ने भगवा ध्वज को गुरु मानते हुए पूजन किया। इसके बाद श्याम सिंह जी ने बौद्धिक दिया। उन्होंने गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाने के महत्व, भगवा ध्वज को गुरु मानने का कारण, संघ के प्रमुख कार्यक्रमों एवं संघ के शताब्दी वर्ष पूरे होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। स्वयं सेवकों ने ध्वज के समक्ष गुरु दक्षिणा समर्पण किया। अंत में संघ प्रार्थना के बाद प्रसाद वितरण किया गया। मौके पर संघ चालक मनोज सिंह, सह कार्यवाह सुनील साहू, बस्ती प्रमुख डॉ रमेश शर्मा, दिनेश सिंह, रामाशंकर सिंह, अजित पासवान, गोरखनाथ सिंह, तुलसी गोप, परमानंद सिंह आदि उपस्थित थे।

कुटे, आनि, तिरील, लाबेद और मुड़मा में सरकार के किसी भी निर्माण कार्य का करेंगे विरोध: पंकज शाहदेव

विकास के नाम पर रैयत को बेदखल कर आदिवासी-मुलवासी को उजाड़ने का हो रहा प्रयास

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। हटिया विस्थापित परिवार समिति की बैठक रविवार को कुटे में हुई। जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव ने की। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भविष्य में कोर कैपिटल क्षेत्र कुटे, आनि, तिरील, लाबेद और मुड़मा में सरकार जो भी निर्माण कार्य करने का प्रयास करेगी उसका ग्रामीण विरोध करेंगे। अपने संबोधन में पंकज शाहदेव ने कहा कि सरकार बार-बार विकास के नाम पर यहां के रैयत को जमीन से बेदखल कर आदिवासी-मुलवासी को उजाड़ने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि आज झारखंड की संस्कृति और पहचान धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। विवेकानंद स्कूल से लेकर नया सराय फ्लाई ओवर तक सड़क चौड़ीकरण के नाम पर लोगों को फिर से बेघर करने का प्रयास किया जा रहा है। पहले भी इस क्षेत्र में कई सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं का निर्माण कर लोगों को जमीन से बेदखल किया जा चुका है। सरकार ने कहा था कि जमीन के बदले लोगों को आवास, मुआवजा एवं रोजगार देगी, पर आज तक सरकार ना तो आवास, रोजगार दी ना ही मुआवजा ही दिया। इसलिए आने वाले समय में हमें एक जुट होकर सरकार के सभी निर्माण कार्यों का विरोध और उसे बाधित करना होगा। आने वाले समय में हमें एक ब्रों आंदोलन के लिए तैयार रहना है। शाहदेव ने कहा कि विस्थापितों के प्रति सरकार के अन्याय पूर्ण रवैया के खिलाफ अब आरपार की लड़ाई लड़नी होगी। वहीं, महावीर मुंडा ने कहा कि आने वाले समय में सड़क के साथ ही ताज होटल का भी हम विरोध करेंगे। किसी भी हालत में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर लोगों को उजाड़ने नहीं दिया जाएगा।कहा कि हम लोग पहले भी आंदोलन की बदौलत सरकार को फैसले बदलने के लिए मजबूर कर चुके हैं। भविष्य में भी ऐसा करेंगे। इस मौके पर विनय उरांव, तरुण नाथ शाहदेव, विजय सिंह, प्रभात शाहदेव, कालीचरण लोहार, रामेश्वर महतो, धीरंजय शाहदेव, विनोद सिंह, संजय लोहार ने भी अपने-अपने विचार रखे। इस मौके पर बाहा उरांव, महावीर नायक, जय प्रकाश साहू, पारस शाहदेव, अर्जुन महतो, राहुल बैठा, रिशी सिंह देव, रवि लोहार, सरजू महतो शोनु कुमार, जय नारायण सिंह, सुमित कुमार, मृत्युंजय लोहार, नीरज लोहार, रामेश्वर सिंह, ध्रुव सिंह, दीपक महतो, विशाल गुप्ता, सुरेंद्र बैठा, मोनू बैठा, सत्यम बैठा, संजू महतो आदि उपस्थित रहे।

सुपर स्पीड खो-खो बालक-बालिका प्रशिक्षण केंद्र का किया गया उद्घाटन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को एलइबीबी उच्च विद्यालय में प्रथम रांची जिला बालक-बालिका सुपर स्पीड खो-खो प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ हुआ। जिसका उद्‌घाटन प्राचार्य संजय कुमार महतो के अलावा एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय झा ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। यह प्रशिक्षण केंद्र नियमित रूप से मुख्य प्रशिक्षक नितेश कुमार साहू एवं प्रशिक्षक शुभम सिंह की देखरेख में चलेगा। केंद्र में आठ से 17 वर्ष तक के इच्छुक बालक-बालिका निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर बालक बालिक का मैत्रीपूर्ण मैच भी खेला गया। जिसमें बालक वर्ग में बीएसपी उवि धुर्वा ने जिला स्कूल रांची को और बालिका मैच में जिला स्कूल ने एलईबीबी उवि को पराजित किया। मैच के निर्णायक राष्ट्रीय खिलाड़ी निखिल कुमार, सन्नी कुमार, अभिषेक उरांव एवं शिवम नायक थे। इस मौके पर एसोसिएशन के महासचिव विवेक कुमार, संचालक कोषाध्यक्ष नितेश कुमार साहू, रांची जिला रेफरी बोर्ड के चेयरमैन संजय कुमार, विज्ञान शिक्षक अमित लोहरा, समाजसेवी दीपक मरांडी, खो-खो खेल के विशेषज्ञ सनातन उरांव, अमिका कुमार, निखिल कुमार, अभिषेक कुमार, शुभम सिंह, कौशल कुमार आदि उपस्थित थे।

समस्याओं को लेकर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और विधायक से मिले ग्रामीण

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। रांची-लोहरदगा रेलवे लाइन पर नगड़ी महतो टोली में पोल संख्या 434-5/6 के समीप रेलवे प्रशासन की ओर से पोल लगाकर आने-जाने का रास्ता पूरी तरह बंद कर दिये जाने से किसानों को भारी पेरशानी हो रही है। किसान रेलवे लाइन के दूसरी ओर अपने खेतों में नहीं जा पा रहे हैं। इस जटिल समस्या को लेकर नगड़ी, नारो, देवरी, चिपरा, तुसमू, उपरदाहा सहित दर्जनों गांवों के किसान स्थानीय भाजपा नेता एवं रांची जिला मंत्री चूड़ामणि महतो के नेतृत्व में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, हटिया विधायक नवीन जायसवाल और रांची रेलवे विभाग के डीआरएम से भेंट कर किसानों की समस्या से अवगत कराया। लगे हाथ पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा। किसानों ने कहा कि अगर रेलवे विभाग ने जल्द ही अंडरपास नहीं बनाया तो आंदोलन को मजबूर होंगे। इस पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने तुरंत डीआरएम से किसानों की समस्या को लेकर बातचीत की और शीघ्र निदान करने को कहा। साथ ही किसानों से कहा कि वे उनकी सभी समस्याओं को लेकर गंभीर हैं। इसका शीघ्र निदान करने के लिए वरीय अधिकारियों से बात करेंगें। इधर, विधायक नवीन जायसवाल ने भी किसानों को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस मौके पर चुडामनी महतो, रामवरण महतो, रघुनंदन महतो, प्रभात महतो, राजेश महतो, रितश राज, देवकुलीश महतो, अनिल गोप, सत्येन्द्र महतो, रन्यू महतो, जलधर महतो आदि उपस्थित थे।

सड़क हादसे में घायल अमित मिश्रा से मिलने पहुंचे सांसद

नामकुम (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे मंडल महामंत्री अमित कुमार मिश्रा बीते दिनों सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। उनका हालचाल जानने रविवार को राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा टाटीसिलवे मिश्रा टोली स्थित उनके आवास पहुंचे। सांसद ने उनका हाल-चाल जाना और जल्द स्वास्थ्य होने की कामना की। बताते चले की तिरंगा यात्रा की तैयारी के दौरान अमित टाटीसिलवे स्थित एसआरएस पार्क के समीप सड़क पर अपनी ही बाइक से गिर गए थे, जिससे उनके कंधे और छाती की तीन हड्डियां टूट गई थी। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें दो महीने के पूर्ण बेड रेस्ट की सलाह दी थी। मौके पर टाटीसिलवे मंडल अध्यक्ष राजेंद्र महतो, टाटी पंचायत प्रभारी गिरिधर मिश्र, डॉ अभिषेक रंजन, विजय नाथ मिश्रा, पुष्पेंद्र आदि उपस्थित थे।

लगातार बारिश से इटकी में ढहे दर्जनों ग्रामीणों के आशियाने, खेती पर भी आफत

आजाद सिपाही संवाददाता

इटकी। प्रखंड क्षेत्र में पिछले 25 दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश से दर्जनों गरीबों के आसियाना ढह चुके हैं। वहीं, खेत में किसानों के अरमान भी डूब गये है। असमय जरूरत से ज्यादा बारिश ने लोगों को काफी नुकसान पहुंचाया है। शनिवार की रात भंडरा गांव निवासी रबिया प्रवीन, इटकी पोखर टोली के रूणा देवी और कुल्ली गांव के जसमुद्दीन अंसारी के मिट्टी के मकान ढह गये। लगातार बारिश से अबतक मकानों के गिरने का आकड़ा 20 पहुंच गया है। प्रखंड में अब तक कुल्ली डहूटोली निवासी मंगरी महली, रानीखटंगा के निमित मिंज और गंगी उराईन तरगड़ी के प्रदीप महतो, जनार्दन महतो, कुल्ली के सुनील उरांव, वरुण गोप और राखी केशरी, मोरो गांव के महेन्द्र गोप, पुरियो निवासी राजू गोप, इटकी सियार टोली की श्रीमति देवी, कुन्दी के एतवा केरकेट्टा और मल्टी मंगरा कुजूर के मकान गिर चुके है। ग्रामीणों ने बताया कि भारी बारिश से हुए जल जमाव के कारण गांव के दर्जनों कच्चे मकान के नींव कमजोर हो गये हैं जिससे मकानों का गिरना लगातार जारी है। मकान के क्षतिग्रस्त होने से पीड़ित परिवार दूसरों के घर पर आश्रय लेने को विवश है। वहीं, किसानों के खेतों में लगी फसलों पर भारी बारिश से तबाही मची हुई है। किसानों को लाखों रुपये की क्षति उठानी पड़ी है। एकड़ के एकड़ में लगी सिमला, बैगन, फुल गोभी, कद्दू, कैरेला, फ्रेंचबीन, धनिया, हरी मिर्च और बंधा गोभी सहित अन्य फसल जलमग्न हो कर सड़-गल गये हैं। नीचले खेतों के कई एकड़ के फसलों को पानी बहा ले गया। वहीं, लगातार बारिश से मजदूरों का काम काज भी बंद हो गया है। जिससे उनके समक्ष रोजमर्रा घरेलू वस्तुओं का अभाव होने से जीवन यापन में संकट खड़ा हो गया है।

सरकार फसल की क्षतिपूर्ति प्रति हेक्टर 8,500 और मकानों पर दे रही चार हजार

इटकी सीओ मो अनीश ने किसान और गृह स्वामी के ढहे मकान का फोटो के साथ आवेदन अंचल मुख्यालय में जमा करने का आग्रह किये है। ताकि समय पर पीड़ितों को क्षतिपूर्ति दिया जा सके। अधिकृत विभागीय जानकारी के अनुसार सरकार ने किसानों के फसलों की क्षतिपूर्ति के लिए प्रति हेक्टयर 8,500, जबकि प्रत्येक मकान 4000 रुपये निर्धारित किया है। अब तक अंचल मुख्यालय की ओर से किसानों की फसल क्षतिपूर्ति के लिए 66 कृषकों के आवेदन स्वीकृत कर जिला प्रशासन भेज चुका है। जिला से स्वीकृति मिलने के बाद किसानों के बीच कुल दो लाख 30 हजार 730 रुपये की क्षतिपूर्ति दी जायेगा।

लगातार बारिश से बेड़ो के किसान भी परेशान, धान की रोपनी पर लगा ब्रेक

बेड़ो (आजाद सिपाही)। मानसून किसानों को खुशी देती है, लेकिन इस वर्ष की मानसून में हो रही लगातार वर्षा ने धान रोपाई पर ब्रेक लगा रखी है। वहीं पहले से रोपे गए धान को भी बारिश का पानी बर्बाद कर रहा है, जिससे किसान हताश और निराश हैं। इस साल मानसून में शुरूआती समय से ही लगातार बारिश हो रही है, जिससे किसानों को बिचड़ा लगाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी है। वहीं, धान की रोपनी में भी परेशानी हो रही है। किसानों को लग रहा था कि इस बार धान की खेती अच्छी होगी। लेकिन मानसून ने किसानों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। लगातार वर्षा से जहां प्रखंड मुख्यालय सहित क्षेत्र में धान रोपनी थम सी गई है। जबकि पहले से लगी फसल डूब गई है। किसानों का कहना है कि लगातार बारिश ने खेती को चौपट कर दिया है। क्षेत्र में नीचले हिस्से की खेतों में बारिश का पानी जमा हो गया है। जिससे रोपाई का पूर्ण रूप से ठप है। इधर, जुलाई का महीना लगभग आधा होने को है। बिचड़ा भी बड़ा हो रहा है। यदि इन बिचड़ों को खेतों में जल्द से जल्द नहीं रोपे गए तो इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ेगा। प्रखंड के किसान संजय उरांव, विशेश्वर उरांव, राम उरांव, पंकज कुजुर, गंदुर कुजूर, सोहराई उरांव, ब्रजेश महतो, पवन कुमार और चंदन कुमार ने बताया कि इस वर्ष मानसून के जल्दी दस्तक देने से वे लोग धान की फसल को लेकर काफी उत्साहित थे। लग रहा था कि धान की पैदावार इस वर्ष बंपर होगी। लेकिन लगातार बारिश होते रहने से पहले ऊंची जमीन की रोपाई कर ली। उम्मीद थी की वर्षा रुकेगी तो फिर गहरे खेतों की रोपाई कर ली जाएगी, लेकिन पानी घटने का नाम नहीं ले रहा है जिससे रोपाई ठप पड़ी है। फसल लगे खेतों में भी पानी लगे रहने के कारण उसमें खाद का छिड़काव संभव नहीं हो पा रहा है जिससे पौधों का विकास रुक सा गया है। ऐसे में यदि वर्षा नहीं रुकती है तो शेष खेतों की रोपाई हो पाएगी यह फिलहाल संभव नहीं दिख रहा है।

राजेश कच्छप ने नियुक्त किये विभागों के विधायक प्रतिनिधि

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने रविवार को अनगड़ा प्रखंड में विभिन्न विभागों के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त करते हुए सूची जारी की। साथ ही विधायक प्रतिनिधियों के बीच विभागों का बंटवारा कर जनता तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का निर्देश दिया। नियुक्त विधायक प्रतिनिधियों में कुछ पुराने तो कुछ नये चेहरों को जगह दी गई है। विधायक ने अजय करमाली को खाद्य आपूर्ति विभाग, छोटेलाल महतो को ऊर्जा विभाग, संजय नायक को मत्स्य विभाग, जयपाल हजाम को औद्योगिक विभाग, सुनिता देवी को महिला बाल विकास विभाग, दुतीलाल बेदिया को स्वास्थ्य विभाग एवं सफिक अंसारी को खनन विभाग का प्रतिनिधि नियुक्त किया है। विधायक ने नवनियुक्त सभी विधायक प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दी और अपने दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करने का निर्देश दिया। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी शिवदास गोस्वामी, एतवा उरांव, राजेन्द्र मुण्डा, साकिर अंसारी, राज पांडेय, एतवा बेदिया, अजय उरांव, सन्तोष राम, पंचू तिर्की आदि उपस्थित थे।

ऑटो पलटने से तीन घायल, चालक गंभीर

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला रायडीह मार्ग स्थित मिल मिली मोड में ऑटो के पलटने से ऑटो चालक गुमला के बड़ाइक मोहल्ला निवासी कारण दुबे उसका एक साथी व रायडीह की एक युवती घायल हो गये। तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायडीह ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद ऑटो चालक और उसके साथी को सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के मुताबिक ऑटो चालक गुमला से रायडीह जा रहा था ऑटो में कई लोग सवार थे सभी रास्ते में ही अपने गंतव्य पर उतर गये। एक को रायडीह जाना था वह ऑटो में बैठी थी। तभी मिल मिली फुल के मोड में ऑटो में ब्रेक नहीं लगा और ऑटो सड़क पर ही पलट गया। घटना में युवती को पैर चालक को सर में चोट लगी साथ ही चालक का एक पैर भी टूट गया। चालक के साथी को पैर में चोट लगी है।

चटकपुर में मवेशी लदे पिकअप को ग्रामीणों ने पकड़ा, चालक फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। रायडीह प्रखंड के सुरसांग थाना क्षेत्र अंतर्गत कोंडरा पंचायत के रामरेखा धाम रोड स्थित चटकपुर गांव के समीप रविवार की अहले सुबह 4 बजे पिकअप वाहन पर 13 गोवंशीय पशुओं को ठूंस ठूंस कर वध हेतु ले जा रहे वाहन को ग्रामीणों ने घेराबंदी कर पकड़ा। ग्रामीणों को सूचना मिली थी कि एक पिकअप में गोवंशीय पशुओं को लोड कर छत्तीसगढ़ से लोहरदगा तस्करी के लिए ले जाया जा रहा है। ग्रामीण जब रामरेखा धाम रोड पर अवरोधक लगाकर जमा हुए। तब चालक भीड़ देखकर वाहन मोड़ने लगा लेकिन ग्रामीण सड़क के दोनों ओर घेराबंदी कर चुके थे। जिससे पिकअप चालक सड़क के बीच में ही वाहन को छोड़कर अंधेरे का लाभ उठाते हुए फरार हो गया। ग्रामीणों ने सुरसांग थाना को फोन कर घटना की जानकारी दी। मौके पर थाना से पुलिस घटना स्थल पहुंची पिकअप और 13 पशुओं को जप्त कर लिया। वही आवश्यक कार्रवाई के बाद सभी पशुओं को ग्रामीणों के बीच जिम्मेनामा पर वितरण कर दिया गया। सुरसांग थाना प्रभारी मुकेश टुडू ने कहा किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी की सूचना थाना को दे त्वरित कार्रवाई की जायेगी।

रंगदारी मांगने के मामले का फरार अभियुक्त गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला थाना की पुलिस ने पीएलएफआइ के सदस्य वारंटी व फरार अभियुक्त सिमडेगा जिला के फरसा बेड़ा निवासी 33 वर्षीय अनिल बाड़ा पिता कल्याण बाड़ा को रविवार की अपराह्न 3 बजे गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है। अभियुक्त के विरुद्ध 2023 में गुमला थाना में रंगदारी मांगने के आरोप में केस दर्ज था। इस कांड में कुल पांच लोग शामिल थे। जिसमें बसिया के दो व सिमडेगा जिला के तीन अभियुक्त थे।सभी को 2023 में ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। अनिल बाड़ा जमानत पर जेल से बाहर आया था। लेकिन लंबे समय से कोर्ट में गवाही के लिए उपस्थित नहीं हो रहा था। जिसके बाद कोर्ट द्वारा वारंट निर्गत किया गया था। पांच अपराधियों ने गुमला के एक व्यवसायी से 5 लाख की लेवी की मांग की थी। अनिल बाड़ा 2012 में पीएलएफआई के लिए काम करने के आरोप में जेल जा चुका है।

बिनोद कुमार बने अग्रहरि वैश्य समाज के अध्यक्ष

रायडीह (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के छतरपुर सामुदायिक भवन मे अग्रहरि वैश्य समाज की बैठक समाज के कार्यकारी अध्यक्ष बिनोद कुमार गुप्ता के अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमे समाज के लोगों ने सर्व सहमति से विनोद गुप्ता को अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष मोतीलाल प्रसाद अग्रहरि एव उप कोषाध्यक्ष के रूप मे कोमता प्रसाद अग्रहरि को मनोनीत किया गया। बताते चले की अग्रहरि वैश्य समाज रायडीह के अध्यक्ष प्रेम प्रसाद अग्रहरि के निधन के बाद से समाज का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष बिनोद कुमार अग्रहरि के नेतृत्व मे किया जा रहा था।जिसे समाज ने बैठक कर सर्व सहमति से श्री अग्रहरि गुप्ता को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी।वही अध्यक्ष बनने के श्री अग्रहरि ने कहा कि वे समाज को नई ऊचाईयों मे लें जाने मे अपना योगदान देंगे साथ ही उन्होंने कहा की उनकी टीम की पूरी कोशिश रहेगी की युवाओं को नशा से दूर रखते हुए शिक्षा एव स्व रोजगार के क्षेत्र मे आगे बढ़ाये जिससे की अग्रहरि वैश्य समाज उन्नति के पथ पर चले सके।

भरनो में अलग-अलग जगहों पर वज्रपात से एक की मौत, चार घायल

भरनो (आजाद सिपाही)। अलग अलग गांव में रविवार की सुबह 10 बजे बारिश के दौरान आसमानी बिजली गिरा। पहली घटना जौली करंज थाना अंतर्गत जौली गांव में घटी। यहां कुछ लोग धान रोपाई कर रहे थे। इस दौरान बारिश हुई और अचानक वज्रपात हुआ। जिससे 45 वर्षीय सुका उरांव एवं 50 वर्षीय गंदूर मुंडा बुरी तरह झुलस गये। परिजनों ने दोनों घायलों को सिसई अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को सदर अस्पताल गुमला रेफर किया गया। परंतु रास्ते में सुका उरांव की मौत हो गयी। जबकि गंदूर मुंडा का इलाज सदर अस्पताल गुमला में चल रहा है। इधर दूसरी घटना भरनो थाना क्षेत्र के कुम्हरों,भगतटोली गांव में हुई। यहां इस गांव के सूरज महली 22 वर्ष वज्रपात से घायल हुआ। वह बारिश के दौरान पड़ोसी जगरे उरांव के घर में था। इस दौरान वज्रपात हुआ जिससे घर के अंदर ही सूरज महली को तगड़ा झटका लगा। जगरे उरांव को भी हल्का झटका लगा। परिजनों ने उसे भरनो अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर किया गया। वहीं तीसरी घटना भरनो के खरवागढ़ा में हुई। यहां खेत पर धान रोपाई करने के दौरान वज्रपात से बीरेंद्र उरांव की 10 वर्षीय बेटी अंकिता घायल हो गयी। उसके एक पैर में झटका लगा। उसे भी भरनो अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

गुमला लायंस क्लब ने डायबिटीज और बीपी जांच शिविर का किया आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब गुमला द्वारा आयोजित डायबिटीज और बीपी जांच शिविर अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर रांची के पूर्व जिला पाल कमल जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करायी। लायंस क्लब गुमला के अध्यक्ष मुरली मनोहर प्रसाद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया। शिविर में लगभग 32 व्यक्तियों का ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच की गयी और उन्हें स्वास्थ्य सलाह प्रदान की गयी। मुख्य अतिथि कमल जैन ने अपने संबोधन में लायंस क्लब गुमला की प्रशंसा करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला पाल शंकर लाल जाजोदिया को बैनर पैच और अवार्ड प्रदान किया गया। अध्यक्ष मुरली मनोहर प्रसाद ने सभी को बधाई दी, और रीजन चेयरपर्सन अशोक कुमार जायसवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में अध्यक्ष मुरली मनोहर प्रसाद, सचिव योगेंद्र प्रसाद साहू, रीजन चेयरपर्सन अशोक कुमार जायसवाल, जॉन चेयरपर्सन शंकर लाल जाजोदिया, राजकुमार अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सत्येंद्र प्रसाद गुप्ता, दामोदर कसेरा, अशोक आनंद, अनिल अग्रवाल, ब्रजकिशोर फोगला, राजलक्ष्मी आनंद, मनोरमा प्रसाद और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सचिव ला. योगेंद्र प्रसाद साहू ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया। लायंस क्लब गुमला का यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज सेवा के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

गुमला बाजार टांड़ में वन विभाग और बज्म-ए-रब्बानी ने किया पौधरोपण

गुमला (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय के बाजार टांड़ में लगने वाली हाट में आए सब्जी विक्रेताओं, व्यापारियों और बाजार में खरीददारी करने वालों को भीषण गर्मी और धूप से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से बज्मे रब्बानी ट्रस्ट ने वन विभाग के द्वारा प्रदत पौधा लगवाया। पिछले एक साल से पेड़ लगवाने के लिए प्रयासरत थी और अंततः रविवार को ट्रस्ट का सपना पूरा हुआ और ट्रस्ट के संरक्षक गौसिया मोती मस्जिद के ईमाम हाफिज जाहिद रब्बानी, इब्राहिम रब्बानी और पत्रकार अमरनाथ कश्यप ने संयुक्त रूप से पेड़ लगाकर इसकी शुरूआत की। वहीं ट्रस्ट के खजांची तहसीन रब्बानी ने बताया पूरे बाजार टांड़ परिसर में रब्बानी ट्रस्ट के पहल पर वन विभाग के द्वारा कुल तीन सौ फलदार और छायादार पेड़ लगाये जाने की योजना है। उन्होंने यह भी बताया पेड़ की देखभाल बज्मे रब्बानी ट्रस्ट करेगी क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि हजारों हजार पेड़ लगाए जाते हैं लेकिन बहुत कम संख्या में पेड़ सही सलामत रहते हैं। इसका एक मात्र वजह है कि आमजन सरकारी संपति को अपना संपति मानते ही नहीं। लेकिन बाजार टांड़ में लगाए गए पेड़ो की निगरानी ट्रस्ट के दो सौ युवक करेंगे ताकि कोई पेड़ को क्षति न पहुंचा पाएं चाहे वह इंसान हो या जानवर दोनो से बचाने के बाद ही पेड़ सुरक्षित रह सकता है। वहीं नगर परिषद पूर्व उपाध्यक्ष कलीम अख्तर,अंजुमन इस्लामियां के नाजिम ए आला खलील अशर्फी समेत कई लोगों ने अपने हाथों से पेड़ लगाये। इधर ट्रस्ट के राज्य सचिव शादाब रब्बानी (गुलाब)ने बताया कि बहुत जल्द बाजार टांड़ में प्याऊ की शुरूआत की जायेगी जो फिलवक्त निर्माणाधीन है। उक्त प्याऊ से ठंडा और गरम दोनों तरह के पानी नि:शुल्क मिलेंगे। मौके पर सदर पप्पू रब्बानी,रिंकू रब्बानी,शाहजहां रब्बानी, साजिद रब्बानी, रागिब रब्बानी, साबिर रब्बानी,उबैद रब्बानी,मो.कौसर आलम,शादाब रब्बानी, पिंटू रब्बानी, मुजाहिद रब्बानी, सादिक रब्बानी, सरफरज हाफिज साहब, खलील अशरफी, मिनहाज खान, सोनू रब्बानी, नियाज रब्बानी, सैफ खान रब्बानी, डब्लू कुरैशी रब्बानी, कौशर प्रेस समेत कमेटी के दर्जनों लोग पौधा रोपण किये।

टोल प्लाजा पर हो रही है मनमानी का चेंबर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने किया विरोध

गुमला (आजाद सिपाही)। चेंबर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी ने टोल प्लाजा पर हो रही मनमानी के विरुद्ध तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बिना सड़क के पूर्ण निर्माण किए ही टोल टैक्स लेना कहीं से भी उचित नहीं है। नगड़ी टोल प्लाजा में 35 रूपए टैक्स लिया जाता है। जबकि यहां 105 रूपए की वसूली की जा रही है। जो सरासर गलत है। अभी भी रोड का निर्माण पूरा नहीं किया गया है। किंतु एजेंसी को लाभ पहुंचाने के लिए वसूली आरंभ कर दी गयी है। डीसी इसपर हस्तक्षेप करें अन्यथा आंदोलन किया जायेगा।

पकरा में वृद्ध ने लगायी फांसी

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव पकरा निवासी बालचंद लोहरा उम्र 60 वर्ष रविवार को दोपहर में दिन के लगभग दो बजे के आसपास फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।बताया जा रहा कि मृतक बालचंद लोहरा का मानसिक स्थित कुछ दिन खराब था।वह रविवार की सुबह में चुपचाप गांव के आसपास घुम रहा था। इसी बीच दोपहर मे वह अचानक पकरा पहाड़ व वन क्षेत्र की ओर घुमने चला गया और एक पेड़ मे रस्सी के सहारे फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

पीठ पर बच्चे, सिर पर राशन... मंगरुताला की महिलाएं आज भी जंगल के पथरीले रास्तों से चलने को मजबूर

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। झारखंड के गुमला जिले के जारी प्रखंड अंतर्गत जरडा पंचायत का सुदूरवर्ती गांव मंगरुताला आज भी विकास की धारा से कोसों दूर है। यह गांव चारों ओर से जंगल और पहाड़ों से घिरा हुआ है, जहां लगभग 25-30 परिवार रहते हैं।लेकिन आज तक गांव में पक्की सड़क,बिजली, पीने का स्वच्छ पानी और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं पहुंची हैं।

राशन लाने में जान का खतरा: यहां की महिलाएं हर महीने राशन लाने के लिए पीठ पर अपने छोटे बच्चों को बांधकर और सिर पर राशन लादकर, कई किलोमीटर दूर सरकारी राशन केंद्र तक फिसलन भरे, पथरीले और जोखिमभरे जंगलों के रास्तों से होकर जाती हैं।

परसा में सड़क नहीं बनने से पैदल चलना भी मुश्किल

गुमला। रायडीह प्रखंड के हजारो की आबादी वाला ग्राम परसा जो गुमला हेडक्वार्टर के करमटोली रोड से महज आठ किलोमीटर की दूरी पर है। वहां गांव घुसने वाला मुख्य सड़क में दो पहिया - चार पहिया गाड़ी घुसना तो दूर लोगों को पैदल चलना मुश्किल है। लोग कहते है कि पिछले बीस वर्षों से इस सड़क का निर्माण के लिए आमसभा कर जनप्रतिनिधि के माध्यम से प्रखंड और जिला प्रशासन तक गुहार लगायी गयी लेकिन अब तक करमटोली - चैनपुर जाने वाला मुख्य पक्की सड़क से परसा गांव घुसने वाला सड़क नहीं बना जिससे बरसात में ग्रामीणो को भारी दिक्कत होती है। एक ग्रामीण आनंद उरांव ने बताया कि पिछले वर्ष इस गांव का सड़क बनने के लिए ग्राम सड़क योजना के तहत योजनां स्वीकृत हुई लेकिन ठेका लेने में गांव वालों का आपसी तु तु मैं मैं के कारण सड़क नहीं बना और फंड की राशि वापस हो गया।

वही पीठ पर बच्चा और सिर पर राशन लिए कार्मिला कुमारी ने बताती है कि हमें हर बार इसी रास्ते से जाना पड़ता है।कई बार गिरते हैं, चोट लगती है।लेकिन कोई ध्यान नहीं देता। यह वही क्षेत्र है जहां 1971 के युद्ध नायक शहीद लांस नायक अल्बर्ट एक्का और आदिवासी समाजसेवी डॉ. सोना झरिया जैसे महापुरुषों का जन्म हुआ। लेकिन यह वीरभूमि आज भी एक पक्की सड़क और मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। गांव में बिजली के खंभे और तार वर्षों पहले लगाए गए, लेकिन आज तक एक भी बल्ब नहीं जला। रात होते ही गांव घुप अंधेरे में डूब जाता है।गांव में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है।ग्रामीण जानवरों द्वारा खोदे गए गड्ढों और गंदे जलस्रोतों से पानी भरते हैं। नल,हैंडपंप या टंकी जैसी कोई सुविधा नहीं है।

लाबावार में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

डुमरी (आजाद सिपाही)। लाबावार गांव के आर्मी जवान हेरमन एक्का ने छूटी में घर आने पर रविवार को बच्चों के उत्साह हेतु खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें बिस्किट रेस, 100, 200 मीटर दौड़, सुई धागा रेस, बुजुर्गों के लिए मटका फूड,महिला पुरुष के लिए फुटबॉल, बम गिरा रेस प्रतियोगिता खेलाया गया सभी विजेताओं को अलग अलग पुरस्कार दिया गया। इसके पश्चात खेल के महत्व के बारे में बताया कि युवाओ को अभी से ही खेलकूद में शामिल होना चाहिए जिससे शारीरिक और मानसिक विकास के बहुत आवश्यकता है। मौके पर तेरेस एक्का, सुरेन्द्र बड़ाइक सहित ग्राम के लोगो उपस्थित थे।

परिजनों ने युवक की खोजबीन की लगायी गुहार

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव बुरुहातू आमटोली निवासी पवन दास उम्र 17 वर्ष नामक एक युवक विगत 27 जून से है लापता। परिजनों ने कामडारा थाना मे कराया गुमशुदगी का मामला दर्ज। लापता युवक के पिता महादेव दास ने बताया कि उसका पुत्र पवन दास विगत 27 जून को घर मे बताया था कि वह रथ मेला देखने पकरा जा रहा है। परंतु देर रात तक वापस घर नहीं लौटा। उसके बाद आसपास मे सभी सगे संबंधी व रिश्तेदारों के घर पर भी खोजबीन की गयी। लेकिन आज तक पता नहीं चल पाया है। वहीं लापता युवक के पास एक मोबाइल भी है। जिसका नं 9234984105 है। लेकिन वह भी स्वीच्ड ऑफ बता रहा है। घर से निकलते वक्त लापता पवन दास काला रंग का फूलपैंट और काला टी शर्ट पहना हुआ था।

सोलह दिवसीय हैंडबॉल प्रशिक्षण के लिए स्पोर्ट्स एकेडमी के दीपक कुमार का चयन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। स्पोर्ट्स एकेडमी के खिलाड़ियों ने पुनः अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। जुन्नु रैन स्पोटर्स एकेडमी गुमला के होनहार युवा नेशनल हैंडबॉल खिलाड़ी दीपक कुमार का चयन देश के प्रसिद्ध खेल प्रशिक्षण केंद्र पटियाला (पंजाब) में सोलह दिवसीय हैंडवाल प्रशिक्षण के लिए हुए हैं। पूर्वाहन गुमला से पटियाला (पंजाब) जाने के क्रम में स्पोर्ट्स एकेडमी के प्रशिक्षु खिलाडियों और समाज सेवियों ने फूलमाला और मिठाई खिलाकर गर्म जोशी के साथ विदाई दिया। इस मौके पर स्पोर्ट्स एकेडमी गुमला के मशहूर क्रिकेटर अशर आब्दीन बेडमिंटन के नेशनल खिलाड़ी अरिब अब्दीन, समाज सेवी निर्मल गोयल, मांगू उरांव के साथ -साथ एकेडमी के प्रशिक्ष खिलाडी उपस्थित थे। इस मोके पर एकेडमी के संस्थापक सैयद जुन्नू रेन 'जो आल इंडिया फुटबाल के गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी रहे है' ने कहा वर्तमान में हमें अपने खिलाडियों पर गर्व है कि खेल के क्षेत्र में जिला, राज्य और राष्ट्रिय स्तर पर विभिन्न खेलों में गुमला का नाम रौशन करते हुए अब ये देश के क्रिडा संस्थानों में प्रशिक्षण दे रहे है और प्रशिक्षण करा भी रहे है और राष्ट्रिय स्तर के हैंडबाल खेलों में अम्पायरिंग (रेफरी) की भूमिका को अंजाम दे रहे है। जैसे प्रमोद कुमार साहू, बीएचयू (बनारस) जवकि निशीकांत भगत महाराष्ट्र, श्वेता कुमारी (छत्तीसगढ़) सभी हैंडबाल, अमित महतो, पटियाला (पंजाब) कुश्ती (पहलवानी) में एनआइएस प्रशिक्षण में गये हुए है। गायत्व्य हो कि इन्हीं प्रतिभावान खिलाड़ियों में नवीन असुर बिशनपुर, वायु सेना, अमित कुमार कमांडो, विक्रानी कुमारी, इनामुल अंसारी आदि अनेकों खिलाड़ी सेना, आर्मी एवं बड़ी तादाद में झारखंड पुलिस में अपनी सेवा दे रहे हैं। इस पर जुन्नु रेन ने कहा कि बच्चों का आत्म निर्भारता ही हमारे जीवन का संतुष्टि का प्रतीक है।

सरकार की गलत नीति का परिणाम है टोल प्लाजा पर मनमानी टैक्स वसूली : जेएनडी

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड नवनिर्माण दल ने कहा है कि गुमला फोरलेन के नागफेनी में बने टोल प्लाजा में मनमाने टैक्स सूली को लूट बताते हुए कहा है कि केंद्र सरकार की मनमानी रवैया के कारण इस तरह से भारी भरकम टैक्स के नाम पर लूट मची हुई है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दल ने यह भी कहा है कि टोल टैक्स के नाम पर लोगों से भारी भरकम राशि लूटी जा जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों से भी पास बनने पर सालाना करीब 4200 की वसूली सीधे तौर पर डकैती है। केंद्र व राज्य सरकार इस मसले का हल जल्द नहीं निकालती है तो झारखंड नवनिर्माण दल बहुत जल्द इस मामले को लेकर आंदोलन की रणनीति बनायेगी।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

आरंगी में वज्रपात से मवेशी की मौत

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के आरंगी गांव में वज्रपात से शिवपूजन गोप के एक मवेशी की मौत हो गयी। वही पीड़ित शिवपूजन गोपन आंचल प्रशासन से मुआवजा की मांग की है। वही पीड़ित शिवपूजन गोप ने बताया कि शनिवार की देर रात बारिश के साथ वज्रपात हुई। जिससे घर के बाहर मवेशी घर में बंधे एक बैल की मौत हो गयी। वही घटना की सूचना मिलने पर पंचायत समिति सदस्य जितेंद्र उरांव पीड़ित से मिले। अंचल प्रशासन से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। साथ उन्होंने कहा कि शिवपूजन किस है। उसकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है।

श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर बैठक

घाघरा (आजाद सिपाही)। श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर देवाकी बाबा धाम मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में थाना प्रभारी पुनीत कुमार मिंज ने प्रबंधन समिति के साथ तैयारी का जायजा लिया। बैठक में मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा श्रावणी मेला की तैयारी की समीक्षा की। मंदिर परिसर में विधि व्यवस्था, साफ सफाई, पार्किंग, सुरक्षा संबंधित कई जानकारी थाना प्रभारी ने लिया। इस क्रम में सदस्यों ने प्रत्येक सोमवार को अत्यधिक भीड़ भाड़ होने की बात कही। जिसे लेकर सुरक्षा और भीड़ भाड़ पर नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन की उपस्थिति और चौकीदार को ड्यूटी में लगाए जाने का बात कही। जिसपर थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहेगी। भीड़-भाड़ नियंत्रण को लेकर पुलिस टीम रहेगा। मौके पर एसआई उपेंद्र पाठक, दिलीप साहू, बिपिन बिहारी सिंह, प्रदीप प्रसाद, विजय कुमार साहू, प्रेम जैसवाल, शिव सिंह, किशोर जायसवाल, अजय जायसवाल, आजाद साहू, संजय शर्मा सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

डॉ संजय जैन को बेस्ट प्लेयर के खिताब से नवाजा गया। रनरअप प्लेयर रहे पंकज साबू व रनरअप टीम रही रोशन और जया मोदी की टीम सुपर शटलर।

जेसी बैडमिंटन प्रीमियर लीग सीजन 2 का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेसीआई रांची ने रविवार 13 जुलाई को ठाकुर विश्वनाथ सहदेव इनडोर स्टेडियम, खेलगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेलगांव में आयोजित किया जेसी बैडमिंटन प्रीमियर लीग सीजन 2। इस बैडमिंटन प्रतियोगिता में कुल 12 टीम व कुल 60 लोगों ने हिस्सा लिया। इस एक दिवसीय आयोजन में सिंगल्स और डबल्स के कई बैडमिंटन मुकाबले हुए जिसमें सृजन हेतंसरिया की टीम म्यूचुअल स्मैशर्स ने प्रतियोगिता में जीत दर्ज की। डॉ संजय जैन को बेस्ट प्लेयर के खिताब से नवाजा गया। रनरअप प्लेयर रहे पंकज साबू व रनरअप टीम रही रोशन और जया मोदी की टीम सुपर शटलर। डबल्स गेम के विजेता रहे ऋषभ जालान व विभोर चौधरी की टीम रही। महिला सिंगलस गेम में प्रिशा जैन विजेता रही और मधु जालान रनरअप रही।

इस कार्यक्रम का संचालन जेसी डॉ संजय जैन की अगुवाई में जेसी ऋषभ जैन, ऋषभ जालान, विभोर चौधरी और अग्निश मित्रा ने सफलता पूर्वक किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतीक जैन, मोहित वर्मा, आनंद धानुका, विजय पटेल, सौरभ साबू, सिद्धार्थ जयसवाल, अभिषेक जालान, तरुण अग्रवाल, अभिषेक जैन, साकेत अग्रवाल, संकेत सरावगी और अन्य उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संकुल स्तरीय कार्यशाला में शिक्षा में नवाचार पर जोर

गुमला (आजाद सिपाही)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर गुमला में आयोजित एक भव्य संकुल स्तरीय कार्यशाला ने शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए। इस कार्यशाला में संकुल के विद्यालयों में सरस्वती विद्या मंदिर गुमला, रंजीत नारायण सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुदरा, सीताराम साव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर भरनो, सरस्वती शिशु मंदिर मुर्गो, सरस्वती शिशु मंदिर ठेठईटागँर तथा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय बसिया के आचार्यो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस आयोजन का प्राथमिक लक्ष्य आचार्य को आधुनिक शिक्षण तकनीकों से लैस करना और विद्यार्थियों के लिए अधिक प्रभावी व प्रेरणादायक सीखने का माहौल तैयार करना था। कार्यशाला का शुभारंभ विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, प्रबंधन समिति के सचिव विजय बहादुर सिंह, सह सचिव,कोषाध्यक्ष प्रभात कुमार दास, प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिंहा ने दीप प्रज्वलन कर किया। आचार्य को संबोधित करते हुए विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार ने कहा कि एकाग्रता और गतिविधि आधारित शिक्षण बालकों के विकास में सहायक है। उन्होंने अपने संबोधन में बुद्धि, मन और चित्त की एकाग्रता पर विशेष जोर दिया तथा कहा कि शिक्षण केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है, बल्कि यह भैया बहनों के सर्वांगीण विकास की नींव रखना है।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in
11

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

धनबाद से चोरी की छह बाइक बरामद, गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

बाइक गिरोह के पकड़े गये सदस्यों की जानकारी देती पुलिस।

चोरों के पास से जब्त की गयी बाइक।

बोकारो। वाहन जांच अभियान के दौरान पकड़े गए एक आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से चोरी की छह बाइक भी बरामद की है। जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर हरला थाना क्षेत्र के बसंती मोड पर 12 एवं 13 जुलाई की रात लगाए गए जांच अभियान के क्रम में भागते हुए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। उसकी निशानदेही पर एसपी हरविंदर सिंह द्वारा गठित विशेष टीम ने धनबाद के गोंदूडीह ओपी क्षेत्र में छापामारी कर चोरी की छह बाइक बरामद की। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि वाहन जांच के क्रम में पकड़े गए आरोपी सहित कुल चार लोग पुलिस के हत्थे चढ़े है। उनकी पहचान अविनाश कुमार पांडेय उर्फ जट्टा, प्रकाश कुमार पासी उर्फ सबूमा, अंकित कुमार उर्फ चंगु और कुंदन यादव के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि चोरी की बाईकों का उपयोग कोयले की अवैध ढुलाई में किया जाता था।

धनबाद राउंड टेबल 342 के नये चेयरमैन बने सूरज सारिया

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद राउंड टेबल 342 का छठवां वार्षिक आमसभा रविवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन के नए कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा की गई और औपचारिक रूप से उन्हें पदभार सौंपे गये। सूरज सारिया को वर्ष 2025-26 के लिए चेयरमैन नियुक्त किया गया। सामाजिक कार्यों और संगठनात्मक नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सूरज अब टेबल की कमान संभालेंगे। वहीं, नयी कार्यकारिणी में रोहित अग्रवाल को वाइस चेयरमैन, अभिषेक गुप्ता को सचिव, अंकित उपाध्याय को कोषाध्यक्ष (ट्रेजरर) और अनूप गोयल को इमीडिएट पास्ट चेयरमैन घोषित किया गया। अनूप गोयल को उनके पिछले कार्यकाल में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए धन्यवाद एवं सम्मान दिया गया। एजीएम के दौरान सदस्यों और उनके परिवारों ने एक साथ मिलकर संगठन की उपलब्धियों को साझा किया और आने वाले वर्ष के लिए योजनाएं बनाईं। नई टीम ने शिक्षा के माध्यम से स्वतंत्रता के मूल उद्देश्य को आगे बढ़ाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

मारवाड़ी महिला समिति की सरायढेला शाखा ने आयोजित किया सावन मेला

धनबाद (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति की सरायढेला शाखा ने रविवार को हीरापुर अग्रसेन भवन में सावन मेला आयोजित किया। समिति की अध्यक्ष नीलिमा अग्रवाल ने बताया कि यह मेला पिछले 10 वर्षों से आयोजित हो रहा है। इसमें राखी, कपड़े, गिफ्ट्स, होम डेकोरेशन, खाने पीने के समान एवं खेल कूद के कुल 20 स्टाल लगाए गए हैं। श्रावण माह के साथ ही तीज और राखी पर्व आने वाले हैं। जिसे देखते हुए महिलाएं जमकर खरीददारी करती है। इसी को देखते हुए यह मेला लगाया गया है, ताकि उन्हें एक ही छत के नीचे सभी सामान उपलब्ध हो सके। इस मेले के आयोजन के पीछे मकसद नारी शक्ति को बढ़ावा देना है। सबसे खास बात यह है कि इस मेले से जो भी कमाई होती है उसे गरीबों-जरूरतमंदों की सहायता में खर्च किया जाता है जिसमें वृद्धाश्रम, अनाथ आश्रम, गौशाला आदि शामिल है। मारवाड़ी महिला समिति की सदस्यों का कहन है कि गरीब कन्या के विवाह में भी आर्थिक मदद के अलावा लोगों को नेत्रदान और अंगदान के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। इस मौके पर नीलिमा अग्रवाल, मीतू तुलस्यान, एकता गांगेसरिया, रंजू गोयल, ज्योति अग्रवाल, बिना भरतीया, मंजू सांवरिया, आशा, संध्या, उर्मिला, श्वेता, रेखा, निशा, संगीता, सुमन, चेरी, बीना, पूनम, किरण, नीला, शशि, अनीता, उपासना, ललिता, मीनू आदि मौजूद थीं।

रेलवे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिब्बों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

- बेहतर सुरक्षा के लिए सभी 74,000 डिब्बों और 15,000 इंजन में सीसीटीवी कैमरे
- रेलवे प्रत्येक डिब्बे में चार सीसीटीवी कैमरे और लोकोमोटिव में छह कैमरे लगायेगा
- 100 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति और कम रोशनी में भी उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी फुटेज सुनिश्चित किये जायेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। यात्री डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रायोगिक परिणाम के सकारात्मक परिणाम के आधार पर, रेलवे ने सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। इस कदम से यात्री सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होगा। बदमाश और संगठित गिरोह भोले-भाले यात्रियों का फायदा उठाते हैं। कैमरे लगने से ऐसी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। यात्रियों की निजता बनाए रखने के लिए, दरवाजों के पास सामान्य आवागमन क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने इंजनों और डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रगति की समीक्षा की। शनिवार 12 जुलाई, 2025 को आयोजित बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

360-डिग्री व्यापक कवरेज

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि उत्तर रेलवे के लोको इंजन और डिब्बों में सफल परीक्षण किए जा चुके हैं। केंद्रीय रेल मंत्री ने सभी 74,000 डिब्बों और 15,000 इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति दे दी है। प्रत्येक रेलवे डिब्बे में 4 डोम सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे - प्रत्येक प्रवेश मार्ग पर 2 और प्रत्येक लोकोमोटिव में 6 सीसीटीवी कैमरे होंगे। इनमें लोकोमोटिव के आगे, पीछे और दोनों तरफ 1-1 कैमरा शामिल होंगे। प्रत्येक कैब (आगे और पीछे) में 1 डोम सीसीटीवी कैमरा और डेस्क पर 2 माइक्रोफोन लगाये जाएंगे।

समस्याओं के लिए आधुनिक निगरानी

अधिकारियों ने साझा किया कि सीसीटीवी कैमरे नवीनतम मानकों वाले होंगे और एसटीक्यूसी प्रमाणित होंगे। केंद्रीय रेल मंत्री ने सर्वश्रेष्ठ उपकरणों को इस्तेमाल करने पर जोर दिया। उन्होंने रेलवे अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि 100 किमी प्रति घंटे से अधिक गति और कम रोशनी की स्थिति में चलने वाली ट्रेनों के उच्च गुणवत्ता वाले फुटेज उपलब्ध हों। केंद्रीय रेल मंत्री ने अधिकारियों को इंडियाएआई मिशन के सहयोग से सीसीटीवी कैमरों द्वारा लिए गए डेटा पर एआई के उपयोग का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

डेटा गोपनीयता मूल में

डिब्बों के सामान्य आवागमन क्षेत्रों में कैमरे लगाने का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा में सुधार लाना है। निजता का ध्यान रखते हुए, ये कैमरे शरारती तत्वों की पहचान करने में भी मदद करेंगे। भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण के प्रयास, सुरक्षित, संरक्षित और यात्री-अनुकूल यात्रा अनुभव के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

आज सदर अस्पताल के मेडिसिन में रहेंगे डॉ पीपी पांडेय, फिजियोथेरेपी में डॉ दीपाली रॉय

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन के निर्देश पर सदर अस्पताल में सोमवार को सदर अस्पताल के मेडिसिन विभाग में डॉ पीपी पांडेय और डॉ शीला रहेंगे। जबकि हड्डी रोग में डॉ मुकेश प्रसाद, सर्जरी में डॉ संजीव गोलाश, नेत्र में डॉ सरोजिनी मुर्मू, दंत रोग में डॉ अनुपमा, शिशु रोग में डॉ पल्लवी, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में डॉ रूमा प्रसाद और फिजियोथेरेपी में डॉ दीपाली रॉय रहेंगे। वहीं, गायनी इमर्जेंसी में सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक डॉ सुमन, दोपहर दो बजे से रात 8 बजे तक डॉ सुरभि और रात 8 बजे से मंगलवार सुबह आठ बजे तक डॉ अपूर्व दत्ता रहेंगे। जनरल इमर्जेंसी में सुबह नौ बजे से अपराह्न तीन बजे तक डॉ मंगेश, उसके बाद से रात नौ बजे तक डॉ नीलम बाला और रात नौ बजे से अगले दिन मंगलवार सुबह 9 बजे तक डॉ राकेश रंजन रहेंगे।

निर्दोष ग्रामीणों पर लाठीचार्ज करने वाले दोषी अधिकारियों पर हो कड़ी कार्रवाई: अनुपमा सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोरापोखर। आसनबनी गांव में जमीन अधिग्रहण के दौरान रैयतों पर सेल के संवेदक केटीएमपीएल कंपनी के इशारे पर अधिकारियों एवं केटीएमपीएल के लठैतों द्वारा किये गये लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। उक्त बातें कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं को जिस प्रकार से घसीट कर मारा पीटा गया वह अति निंदनीय ही नहीं, बल्कि मानवता को शर्मसार करने वाला है। बारिश के इस मौसम में कृषि भूमि योग्य जमीन में रैयत अपने पूरे वर्ष की धान की फसल उगाकर अपना भरण पोषण करते हैं। ऐसे में बिना सभी रैयतों से जमीन के बदले उन्हें उचित मुआवजा एवं सूचना दिए इतनी बड़ी संख्या में सेल प्रबंधन की ओर से पुलिस मंगवाकर ग्रामीणों की फसल को रौंदा गया। यह नहीं से स्वीकार योग्य नहीं है। खेती और घरों को उजाड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने संयम बनाए रखा अन्यथा बहुत बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर तासरा प्रोजेक्ट के विस्थापितों के लिए रिहैबिलिटेशन की ओर से 41 एकड़ जमीन की आड़ में बलपूर्वक दबाने की कोशिश की जा रही है। उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। जिन ग्रामीण रैयतो को मुआवजा नहीं दिया गया उनकी जमीन भी जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। कहा कि अभी मैं दिल्ली में हूं। यहां से लौटने पर बलियापुर के आसनबनी के पीड़ितों से मिलकर प्रशासन से दोषियों के खिलाफ उजित कार्वाई की मांग करूंगी।

बरनवाल युवा मंच महिला समिति ने धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव

धनबाद (आजाद सिपाही)। बरनवाल युवा मंच महिला समिति की ओर से रविवार को सावन महोत्सव का आयोजन जोड़ा फाटक रोड स्थित होटल कृतिमान में धूमधाम से किया गया। इसमें समाज की सैकड़ों महिलाए उपस्थित रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं महिला समिति की कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से सर्वप्रथम अहिवरन जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि सुभद्रा गुप्ता को भगवत गीता, बुके,मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी कार्यकारिणी की महिला सदस्यों ने शानदार आयोजन किया जिसमें महिलाओं के लिए झूले, डांस, सोलो डांस, हाऊजी गेम्स, फ्लोर डांस, क्विज प्रतियोगिता के साथ ही नाश्ता और खाने का आयोजन किया गया था। प्रतिभा कुमारी ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनीता बरनवाल, रजनी बरनवाल, रंजना बरनवाल, प्रतिभा कुमारी और प्रियंका बरनवाल ने किया। वहीं, सावन महोत्सव को सफल बनाने में सुनीता बरनवाल, रंजना बरनवाल, सरिता बरनवाल, कंचन बरनवाल, लवली बरनवाल, रूबी बरनवाल, सुमन बरनवाल, सुषमा बरनवाल, रूबी कुमारी आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन सुनीता बरनवाल ने किया।

सामाजिक कार्यों के लिए उदय प्रताप सिंह सम्मानित

धनबाद (आजाद सिपाही)। श्रीराम शोभा यात्रा कमेटी की ओर से श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह को सामाजिक कार्यों के लिए उनके आवासीय कार्यालय में रविवार को अंग वस्त्र ओढाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उदय प्रताप सिंह ने कहा कि समाज में श्रीराम शोभायात्रा जैसा संगठन बहुत जरूरी है, क्योंकि संगठन लोगों में बहुत ही भव्य श्रीराम यात्रा निकालकर धार्मिक संस्कारिक जागरूकता लाती है। जिसका सीधा सकारात्मक लाभ हमारे युवाओं पर पड़ता है। लोगों के हर दुख और सुख में यह संगठन खड़ा रहता है। मैं इस सम्मान के लिए उनका आभार प्रकट करता हूं। इस मौके पर आयुष तिवारी, अंकित पांडेय, नीरज निखिल, स्वेतभा सिंह, अजय पांडे थे।

जागृत मंदिर से निकली विशाल कलश शोभायात्रा

धनबाद (आजाद सिपाही)। चिरागोड़ा जागृत मंदिर में रविवार की सुबह सात बजे विशाल कलश शोभा यात्रा निकाली गयी। तीन दिवसीय (13 से 16 जुलाई) तक आयोजित होने वाले प्रथम प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ उत्सव को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। इसकी जानकारी देते हुए समिति के सह सचिव बिल्लू गुप्ता ने बताया कि यज्ञ के प्रथम चरण में रविवार कजली तृतीया के दिन विशाल कलश शोभा यात्रा जागृत मंदिर परिसर से नगर भ्रमण को निकाली गयी। श्रावण माह के 14 जुलाई को पहली सोमवारी पर आचार्य सुबोध पांडेय की ओर से देवता अर्चन, पूजन, बेदी पूजन, रुद्राभिषेक एवं संध्या में 101 महिलाओं द्वारा सुंदर कांड पाठ एवं भजन कीर्तन किया जाएगा। 15 जुलाई को सुबह से आचार्य सुबोध पांडे के नेतृत्व में वैदिक ब्राह्मणों द्वारा चंडीपाठ, वेदी पूजन एवं हवन होगी। इसी दिन रात नौ बजे से विशाल भगवती जागरण का आयोजन होगा जिसमें आकर्षक झांकी पेश की जाएगी। जबकि 16 जुलाई को विशाल भंडारा होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता अयोध्या प्रसाद (मुनमुन बाबू), अमरेंदर सहाय, मनोज मालाकार, विजय तिवारी, आशिष कुमार, संतोष मिश्रा, आशीष आनंद, कुणाल सिंह, अध्यक्ष रविंद्र कुमार, उपाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिन्हा, अजय कुमार भट्ट, महासचिव राजेश कुमार सिन्हा, सह सचिव बिल्लू कुमार गुप्ता, अनूप कुमार सहाय, कोषाध्यक्ष कुमार अरविंद, राजमणी देवी, कार्यकारिणी सदस्य अरुण दुबे, सुबोध कुमार, नीतीश सिंह, रंजीत साहू आदि जुटे हुए हैं।

नशे के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस ने कसा शिकंजा

18 किलो गांजा और विदेशी शराब जब्त, दो गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। नशा के गोरख धंधे में शामिल तस्करों-कारोबारियों के खिलाफ पुलिस की दबिश लगातार जारी है। इसी कड़ी में बीएस सिटी पुलिस ने गांजा की बड़ी खेप जब्त की है। साथ ही 192 बोतल अवैध विदेशी शराब भी बरामद की है। लगे हाथ दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। उनके पास से 18 किलो गांजा,103 बोतल बीयर, 89 बोतल विदेशी शराब, एक कार एवं दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। उक्त कारवाई एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने की। जानकारी के मुताबिक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने दुग्गल गेट इलाके में छापामारी की। इस दौरान एक कार में छिपाकर ले जाये जा रहे नौ किलो गांजा एवं शराब की बोतलों को बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से ही आरोपी अनिल यादव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि यह गांजा उसे मिथिलेश यादव ने बेचने के लिए दिया था। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर मिथिलेश को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मिथिलेश की निशानदेही पर चास थाना क्षेत्र स्थित प्रभात कॉलोनी में टिकू उर्फ. सुनील महतो के किराए के मकान से नौ किलो गांजा एवं विदेशी शराब की बोतलें जब्त की। एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बोकारो में अवैध गांजा एवं शराब की तस्करी का नेटवर्क सक्रिय हो रहा है। इसी सूचना पर कार्रवाई की गई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी अनिल यादव पर अवैध शराब बिक्री के तीन मामले बीएस सिटी थाना में पहले से ही दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस नशे के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए कृतसंकल्प है।

झारखंड वन श्रमिक यूनियन ने दी धरना-प्रदर्शन की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। झारखंड वन श्रमिक यूनियन की बैठक रविवार को बेतला मे की गई। जिसकी अध्यक्षता वन यूनियन के अध्यक्षता सिद्धार्थ झा ने की। बैठक में श्रमिक यूनियनों की समस्या पर चर्चा की गई। इस दौरान यूनियन के अध्यक्ष सिद्धिनाथ झा ने कहा कि 10 जुलाई को बैठक कर अपनी समस्या का 6 सूत्री मांग पत्र मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेश पलामू व्याघ्र परियोजना कार्यालय डालटनगंज में सौंपा गया था पर हमारी मांगों पर अब तक अधिकारी द्वारा कोई मंतव्य नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बैठक में निर्णय लिया है कि अधिकारियों को दिए गए मांग पत्र पर 28 जुलाई तक हमारी मांग पुरी नही होती है।

तो सभी झारखंड वन श्रमिक यूनियन 29 जुलाई को मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेश पलामू व्याघ्र परियोजना डालटनगंज के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी पूरी जिम्मेवारी विभाग के अधिकारियों की होगी। बैठक में झारखंड वन श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष सिद्धिनाथ झा, उपाध्यक्ष सुधीर कुमार तिवारी, संयुक्त सचिव मुकुट स्टेफन तिर्की, क्षेत्रीय मंत्री छिपादोहर बेनेदिक लकड़ा, उपाध्यक्ष सुरेंद्र मेहता, सदस्य ललित उरांव, क्षेत्रीय मंत्री कुटकू मनोज कुमार पासवान, क्षेत्रीय अध्यक्ष जीतवाहन सिंह, सदस्य फैज अंसारी अशोक सिंह सुनिता देवी निर्मल सिंह सुरेंद्र कुमार समेत यूनियन के कई लोग मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

तमिलनाडु में मालगाड़ी पटरी से उतरी, 18 बोगियां जली

52 बोगियों में डीजल था, 40 अलग की गयी

तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन का इलाका खाली कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास मनाली से जोलारपेट होते हुए कर्नाटक जा रही एक डीजल मालगाड़ी पटरी से उतर गयी। इसके बाद उसमें आग लग गयी। शुरुआत में पांच बोगियों में आग लगी। बाद में यह 18 बोगियां आग की चपेट में आ गयीं। घटना रविवार सुबह 5.30 बजे हुई। मालगाड़ी में 52 बोगियां थीं।

जिला कलेक्टर एम प्रताप ने बताया कि 40 बोगियों को जलती हुई ट्रेन से अलग कर लिया गया है। वहीं, रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

फायर ब्रिगेड की कई टीमें बुलायी गयीं। दोपहर तक मिली जानकारी के मुताबिक 10 गाड़ियों की मदद से आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इधर, रेलवे और पुलिस घटना वाली जगह से 100 मीटर दूर पटरी पर मिली दरार की भी जांच कर रहे हैं।

रेलवे का बयान- तीसरे डिब्बे में सबसे पहले लगी थी आग : रेलवे ने एक बयान में बताया कि मालगाड़ी के तीसरे डिब्बे में आग लगने की खबर मिलते ही, लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाये। तिरुवल्लूर के स्टेशन मास्टर ने ओवरहेड (ओएचइ) बिजली आपूर्ति बंद रोक दी। हालांकि, जब तक ट्रेन रोकी गयी, आग 19वें डिब्बे तक फैल गयी थी। इस हादसे के कारण चेन्नई को बैंगलोर, केरल और रेणुगुंटा/तिरुपति से जोड़ने वाले चेन्नई अरकोणम सेक्शन में रेल परिचालन स्थगित करना पड़ा। चेन्नई सेंट्रल से शुरू होने वाली या वहां तक जाने वाली 12 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, और कई अन्य ट्रेनों का या तो रूट बदल दिया गया या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया।

आग की घटना से ट्रेनों के समय में हुआ बदलाव

ट्रेन हादसे के कारण डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल स्टेशन से रवाना होने वाली ट्रेनों सहित कई ट्रेनें रद्द कर दी गयीं या प्रभावित हुईं। दक्षिण रेलवे ने एक बयान में कहा कि तिरुवल्लूर के पास आग लगने की घटना के कारण सुरक्षा उपाय के तौर पर ओवरहेड पावर बंद कर दिया गया है। इसके कारण ट्रेनों के समय में बदलाव किये गये हैं।

शुभांशु समेत चारों अंतरिक्ष यात्रियों की आइएसएस से विदाई की तैयारी शुरू

अंतरराष्ट्रीय भोज संपन्न, आज शुरू होगी वापसी की यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। अंतरिक्ष में 18 दिनों तक वैज्ञानिक प्रयोग करने के बाद अब भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और उनके तीन अन्य साथी पृथ्वी पर वापस आने की तैयारी में जुट गये हैं। इनकी वापसी यात्रा सोमवार को शुरू होगी।

एक्सिओम-4 मिशन में कुल चार अंतरिक्ष यात्री हैं। इनमें क्रू कमांडर पेगी व्हिटसन, पायलट शुभांशु शुक्ला, पोलैंड के निवासी और मिशन विशेषज्ञ स्लावोस्ज उज्नांस्की-विस्निवस्की, हंगरी के निवासी और मिशन विशेषज्ञ टिबोर कापु शामिल हैं। यह दल सोमवार को भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) से रवाना होगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि

एक्सिओम-4 दल 15 जुलाई को दोपहर तीन बजे (भारतीय समयानुसार) समुद्र में उतरेगा। शुक्रवार और शनिवार को सभी अंतरिक्ष यात्रियों ने मिलकर विदाई से पहले आइएसएस में एक विशेष भोज का आयोजन किया।

अंतरिक्ष में अंतरराष्ट्रीय भोज : अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री जॉनी किम ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने एक्सिओम-4 दल के साथ जो भोजन किया, वह सबसे यादगार शामों में से एक थी। इस भोज में रिहाइड्रेटेड झींगा कॉकटेल और क्रैकर्स स्टार्टर के तौर पर था, वहीं मुख्य व्यंजन में चिकन और बीफ फजिटास, जबकि मिठाई के तौर पर ब्रेड, गाढ़ा दूध और अखरोट से बनी केक दी गयी थी। बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अपने साथ आमरस और गाजर का हलवा ले गये थे, वहीं पोलिश यात्री स्लावोस्ज ने पिएरोगी (मशरूम और पत्तागोभी से भरी डिश) साझा की।

अंतरिक्ष में किये गये वैज्ञानिक प्रयोग : शुभांशु ने अंतरिक्ष में माइक्रोएल्गी प्रयोग किया। माइक्रोएल्गी (सूक्ष्म शैवाल) भविष्य में अंतरिक्ष यात्राओं के लिए खाद्य, ऑक्सीजन और बायोफ्यूल का स्रोत बन सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने कई शोधों में भाग लिया, जिसमें स्पेससूट की जांच और मरम्मत, एक्सरसाइज अनुसंधान, आंखों की गतिविधि और समन्वय, मस्तिष्क पर अंतरिक्ष के असर, संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की जांच, मस्तिष्क की तरंगों और रक्त प्रवाह की निगरानी और रेडिएशन डोज की गणना शामिल है।

अंतरिक्ष यान की वापसी प्रक्रिया

एक्सिओम-4 के अंतरिक्ष यात्री सोमवार दोपहर 2:25 बजे (भारतीय समयानुसार) अपने स्पेससूट पहन कर ड्रैगन अंतरिक्ष यान में बैठेंगे। फिर यान आइएसएस से स्वत: अलग होकर धीरे-धीरे पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा और अंत में अमेरिका के कैलिफोर्निया तट पर समुद्र में उतरेगा। नासा ने बताया कि ड्रैगन यान में 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों के डेटा और लगभग 580 पाउंड सामग्री के साथ वापसी होगी।

वापसी के बाद क्या होगा

इसरो के अनुसार शुभांशु शुक्ला की वापसी के बाद उन्हें पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में फिर से ढलने के लिए लगभग सात दिन का पुनर्वास कार्यक्रम दिया जायेगा, जिसे फ्लाइट सर्जन की देखरेख में किया जायेगा। इस मिशन के लिए इसरो ने करीब 550 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। यह अनुभव भारत के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' (2027 में प्रस्तावित) की योजना और तैयारी में मदद करेगा।

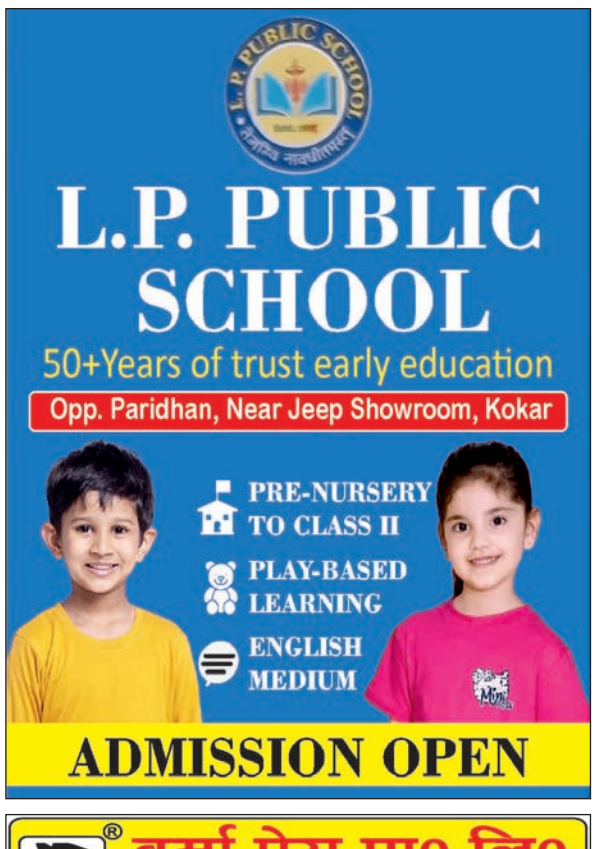

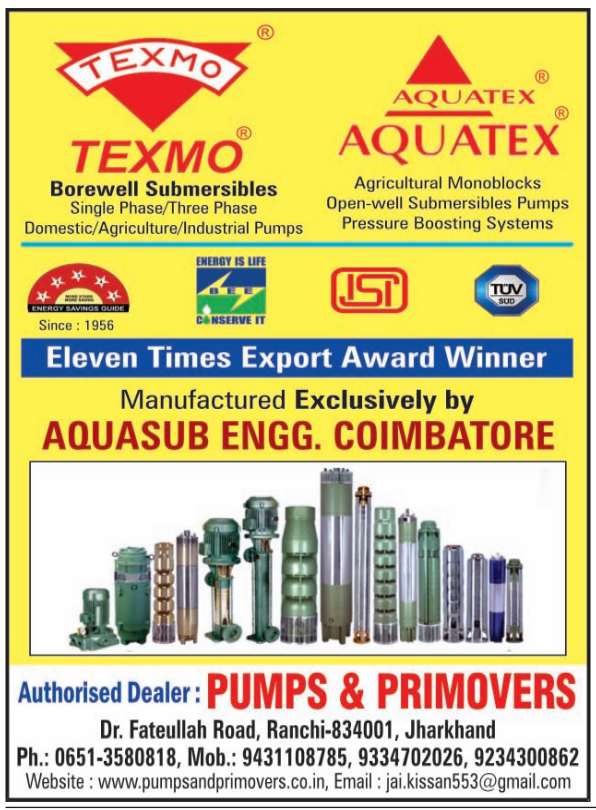

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**